नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 13

अंक : 07

सोमवार, 13 से 19 मार्च 2023

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

सिसोदिया की भगवान ले रहे हैं परीक्षा : केजरीवाल 03

राहुल पर लगे आरोप मात्र चुनावी स्टंट 08

स्टार्क-मार्श चमके, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को रौंदा 10

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

कंगना से कोई 'प्रॉब्लम नहीं : तापसी पन्नू 12

दिल्ली पुलिस के नोटिस का राहुल जल्द देंगे जवाब

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के दिल्ली स्थित आवास पर रविवार को दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर सागर प्रीत हुड्डा पहुंचे, जहां कुछ घंटों के इंतजार के बाद उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को श्रीनगर में दिए बयान के संबंध में नोटिस सौंपा। नोटिस का जवाब देने के लिए राहुल गांधी ने समय मांगा है। स्पेशल सीपी (लॉ एंड ऑर्डर) सागर प्रीत हुड्डा ने रविवार को कहा, "हम राहुल गांधी से बात करने आए हैं। राहुल गांधी ने 30 जनवरी को श्रीनगर में बयान दिया था कि यात्रा के दौरान वे कई महिलाओं से मिले। महिलाओं ने उन्हें बताया कि उनके साथ बलात्कार हुआ है। हम उनसे ब्योरा हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके।"

हुड्डा ने बताया कि उनसे सांसद राहुल गांधी की मुलाकात हुई है और उन्होंने बताया कि यात्रा लंबी थी और यात्रा को पूरा हुए भी काफी समय हो गया है। उन्हें सब दोबारा दोहराना होगा। राहुल ने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही अपना जवाब देंगे। उनसे जवाब मिलने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान श्रीनगर में 30 जनवरी को कहा था कि उन्हें यात्रा के दौरान कई महिलाएं रोती हुई मिलीं, जिन्होंने उन्हें बताया कि उनके साथ बलात्कार हुआ है। राहुल के इस बयान पर नोटिस जारी कर दिल्ली पुलिस ने उनसे यह पूछा है कि हमें उन तमाम महिलाओं के बारे में जानकारी दें, ताकि हम कार्रवाई कर सके।

राहुल को नोटिस देने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को भारी ड्रामा देखने को मिला, जब दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिए गए उनके भाषण को लेकर नोटिस दिया, जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। उनमें से कुछ को पुलिस ने शहर की कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में हिरासत में लिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को कश्मीर में उनकी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महिलाओं पर उत्पीड़न के संबंध में दिए गए भाषण के लिए पुलिस ने नोटिस जारी किया था। इसके तुरंत बाद, तुगलक लेन इलाके में उनके आवास के बाहर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली पुलिस और केंद्र के खिलाफ नारेबाजी की। मामले की गंभीरता को भांपते हुए सुबह अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि वह केवल महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना चाहती है। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान कहा था कि कुछ महिलाएं उनसे मिलीं और आरोप लगाया कि उनका यौन उत्पीड़न किया गया।

पुलिस ने राहुल गांधी से पूछे थे यह प्रश्न

यह बात महिलाओं ने कब और किस जगह आपसे मिल कर बताई थीं ? क्या वे महिलाओं को पहले से जानते थे?, क्या उन महिलाओं की जानकारी आपको है?, क्या आपका जो बयान सोशल मीडिया पर है, उसे आप प्रमाणित करते हैं? और क्या महिलाओं ने किसी स्पेसिफिक घटना की भी जानकारी दी थी। दिल्ली पुलिस 'यौन उत्पीड़न' पीड़ितों के बारे में जानकारी मांगने के लिए नोटिस के संबंध में स्पेशल सीपी, सांसद राहुल गांधी के आवास पर पहुंची थी।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इससे पहले बुधवार को नोटिस लेकर राहुल गांधी से मिलने गए थे, लेकिन तीन घंटे इंतजार करने के बाद भी राहुल गांधी उनसे नहीं मिले।

इसके बाद वरिष्ठ अधिकारी गुरुवार को फिर उनसे मिलने गए, उनसे बात करने का समय मांगा, लेकिन राहुल गांधी ने कहा कि उनके पास समय नहीं है। इसके बाद पुलिस ने राहुल गांधी को नोटिस जारी किया। पुलिस ने राहुल गांधी से नोटिस का जवाब जल्द से जल्द देने के लिए कहा था, ताकि पुलिस इस मामले में अपनी जांच को आगे बढ़ा सके।

देश में डेयरी क्षेत्र के विकास में आईडीए का योगदान महत्वपूर्ण : अमित शाह

गांधीनगर, एजेंसी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर में कहा कि देश में डेयरी क्षेत्र के विकास में इंडियन डेयरी एसोसिएशन (आईडीए) का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

श्री शाह शनिवार को इंडियन डेयरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित 49वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कहा कि दुनिया के लिए डेयरी एक व्यापार है, लेकिन भारत जैसे 130 करोड़ की आबादी वाले देश में ये रोजगार का साधन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का विकल्प, कुपोषण की समस्याओं का समाधान प्रदान करने वाला और महिला सशक्तिकरण की संभावनाओं वाला क्षेत्र है। भारत की आजादी से अब तक के डेयरी उद्योग के विकास को देखें तो इन सभी पहलुओं को हमारे डेयरी सेक्टर ने बहुत अच्छे तरीके से देश के विकास के साथ जोड़ने के लिए काम किया है।

इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इसमें हमारी कोऑपरेटिव डेयरी का योगदान बहुत बड़ा रहा है, जिन्होंने किसानों की समृद्धि के लिए काम किया है। कोऑपरेटिव डेयरी ने देश की गरीब कृषक महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 75वें वर्ष में सहकार से समृद्धि मंत्र को सिद्ध करने के लिए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि इंडियन डेयरी एसोसिएशन की स्थापना आजादी के तुरंत बाद 1948 में हुई और देश में डेयरी क्षेत्र के विकास में आईडीए का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के डेयरी क्षेत्र को विश्व का सबसे मजबूत डेयरी सेक्टर बनाने के लिए सर्वांगीण चर्चा करने का प्रयास इस सम्मेलन में हुआ है।

भाजपा सबसे बड़ी पार्टी लेकिन ताकत को और चार गुना बढ़ाना है : जेपी नड्डा

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को समालखा के पट्टी कल्याण में स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र में पार्टी के शक्ति केंद्र संगम में कहा कि अभी हमें अपनी ताकत को चार गुणा और बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यह सही है कि विरोधी भी मान रहे हैं कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है लेकिन इससे हमें रुक नहीं जाना है बल्कि इस शक्ति को अभी चार गुणा और अधिक बढ़ाना है। नड्डा ने अपनी पार्टी के कार्यकताओं-पदाधिकारियों को अब तक किये जा रहे कार्यों के लिए साधुवाद दिया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कांग्रेस पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई आईडियोलॉजी नहीं है। वे परिवार से अधिक सोच नहीं पाते लेकिन हम सिद्धांतों वाली पार्टी हैं, इसलिए हमें सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के साथ काम करते हुए आगे बढ़ना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने विश्व में भारत का जो नाम किया है उस यश को और भी अधिक बढ़ाना है।

उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा वर्तमान में हरियाणा में जिस तरीके से काम कर रही है, उस हिसाब से जल्द ही पार्टी वर्तमान के मुकाबले आने वाले समय में चार गुणा अधिक और अधिक बढ़ेगी। नड्डा ने उपस्थित

कार्यकताओं से कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं को पढ़कर सभी कार्यकर्ता याद रखें और जनता के बीच जाकर इस संबंध में बात करें। लोगों को बताएं कि प्रधानमंत्री मोदी क नेतृत्व में देश दुनिया में कितना आगे बढ़ा है। उन्होंने इस अवसर पर केंद्र सरकार की अनेक गरीब कल्याण की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत रंग ला रही है।

इससे पहले हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बताया कि प्रदेश में अब तक पार्टी पन्ना प्रमुख तक का कितना काम संपन्न कर चुकी है।

संसद का पूरा सप्ताह शोरगुल, हंगामे की भेंट चढ़ा

लोकसभा मात्र 66 मिनट, राज्यसभा 159 मिनट चली

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले सप्ताह में विभिन्न मुद्दों पर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों के भारी हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक जहां मात्र 66 मिनट चली वहीं राज्यसभा कुल 159 मिनट ही चल पाई। संसद के बजट सत्र में सोमवार को दूसरे चरण में प्रारंभ से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भारत के लोकतंत्र के बारे में लंदन में दिए गए बयान पर माफी मांगने की मांग पर अड़े हुए हैं जबकि कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल अडाणी समूह से जुड़े मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने पर जोर दे रहे हैं। विपक्ष और सत्ता पक्ष के हंगामे के कारण पूरा सप्ताह लोकसभा में प्रश्नकाल और शून्यकाल की कार्यवाही बाधित रही और अन्य कामकाज भी नहीं हो सका। पूरे सप्ताह के दौरान हंगामे के बीच ही लोकसभा में 17 मार्च को सबसे अधिक 20 मिनट बैठक चली जबकि 16 मार्च को सबसे कम तीन मिनट कार्यवाही चली। विधायी कार्य के तहत 13 मार्च को सदन में वर्ष 2022-23 के अनुदान की अनुपूरक मांग के दूसरे बैच

का दस्तावेज और वर्ष 2023-24 के लिए जम्मू कश्मीर की अनुदान की मांग पेश की गई। वहीं 15 मार्च को रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने निचले सदन में अंतर सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक 2023 पेश किया। इस प्रकार लोकसभा में इस सप्ताह हंगामे के बीच केवल 66 मिनट ही कार्यवाही चली।

राज्यसभा में बजट सत्र के पहले सप्ताह 159 मिनट कार्यवाही चली। उच्च सदन में पूरे सप्ताह में 14 मार्च को सबसे अधिक 82 मिनट और 16 मार्च को सबसे कम तीन मिनट बैठक चली। मंगलवार 14 मार्च को राज्यसभा ने ऑस्कर जीतने पर तेलुगु फिल्म ह्यआरआरआरह्न और तमिल वृत्तचित्र ह्यद एलिफेंट व्हिस्परर्सह्न की पूरी टीम को बधाई दी। इसी दिन उच्च सदन में वर्ष 2022-23 के अनुदान की अनुपूरक मांग के दूसरे बैच का दस्तावेज और वर्ष 2023-24 के लिए जम्मू कश्मीर की अनुदान की मांग पेश की गई। संसद में जारी गतिरोध और बहुत कम कामकाज होने के बारे में पूछे जाने पर संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव पी डी टी आचारी ने कहा, हंगामा और गतिरोध का होना कोई नई बात नहीं है, लेकिन प्रयास होना चाहिए कि सत्र हंगामे की भेंट नहीं चढ़े। उन्होंने कहा कि सरकार अपना कामकाज निपटाने के लिए सत्र बुलाती है, ऐसे में सदन चलाने की प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार की होती है। आचारी ने कहा कि अगर सदन में इस प्रकार से शोर शराबा होता है और सत्र हंगामे की भेंट चढ़ता है तब इसका मतलब है कि सत्ता पक्ष ने अपना दायित्व पूरी तरह से नहीं निभाया है।

वैज्ञानिक श्री अन्न की पैदावार और उपयोगिता बढ़ायें : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर और खानपान की शैली के कारण होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए वैज्ञानिकों से श्री अन्न (मोटे अनाजों) की पैदावार तथा उपयोगिता बढ़ाने के लिए प्रयास तेज करने का शनिवार को आह्वान किया।

श्री मोदी ने राजधानी के पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित 'ग्लोबल मिलेट्स कांफ्रेंस' का उद्घाटन करते हुए कहा कि विश्व जहां जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है वहीं श्री अन्न विपरीत जलवायु और कम पानी में बेहतर पैदावार देते हैं। रसायन के बिना प्राकृतिक तरीके से भी मोटे अनाजों की पैदावार ली जा सकती है। मोटे अनाजों की फसल अन्य फसलों की तुलना में जल्दी तैयार होती है। इसकी क्षति भी कम होती है और स्वाद में विशिष्टता इसे खास पहचान दिलाती है। खान-पान की शैली से होने वाली बीमारियों को मोटे अनाजों को भोजन का हिस्सा बनाने से रोका जा सकता है। इन अनाजों में रेशे की मात्रा अधिक होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चिंता की बात यह है कि खान-पान में मोटे अनाजों का हिस्सा पांच-छह प्रतिशत ही है। इसका उपयोग बढ़े, इसके लिए हर वर्ष इसका लक्ष्य निर्धारित करना होगा। वैज्ञानिकों को इस पर ध्यान देना होगा। कई राज्यों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में श्री अन्न को शामिल किया गया है और मिड-डे मील में इसे शामिल किया जा सकता है। उन्होंने

कहा कि 'ग्लोबल फूड सिक्यूरिटी' को लेकर विश्व चिंतित है और मोटे अनाजों को लेकर एक नई व्यवस्था कायम करने तथा दुनिया में आपूर्ति चेन को विकसित करने की जरूरत है।

श्री मोदी ने कहा कि मोटे अनाज सदियों से भारतीय जीवन शैली का हिस्सा रहे हैं और श्री अन्न के मामले में भारत अग्रणी रहा है। वह इस मामले में अपने अनुभवों को विश्व के साथ साझा करना चाहता है और दुनिया से सीखना भी चाहता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, प्रकृति, स्वास्थ्य और किसानों की आय मोटे अनाजों से जुड़े हैं। श्री अन्न से मोटे अनाजों को एक नई पहचान मिली है, यह समग्र विकास का माध्यम बना है तथा यह गांव-गरीब से जुड़ा है और छोटे किसानों की समृद्धि का द्वार है। आज भी आदिवासी समाज के सत्कार में यह शामिल है। उन्होंने कहा कि 12-13 राज्यों में मोटे अनाजों की खेती होती है और घरेलू खपत इसकी प्रतिमाह दो से तीन किलोग्राम थी जो अब बढ़कर 14 किलोग्राम हो गयी है। उन्नीस जिलों में यह 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मोटे अनाजों को छोटे किसान उगाते हैं जिनकी संख्या देश में लगभग ढाई करोड़ है। सरकार ने ऐसे किसानों की सुध ली है। श्री अन्न का बाजार बढ़ेगा तो किसानों की आय बढ़ेगी और इससे गांवों को फायदा होगा। देश में 500 से ज्यादा श्री अन्न स्टार्ट-अप बने हैं और स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलायें मिलेट्स के उत्पाद बना रही हैं।

इससे पूर्व कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि श्री मोदी वर्षा आधारित खेती करने वाले छोटे किसानों की ताकत बढ़ाना चाहते हैं। श्री मोदी ने इस अवसर पर एक डाक टिकट और 75 रुपये का एक विशेष सिक्के का अनावरण भी किया। यह सम्मेलन दो दिनों तक चलेगा। इसमें कई देशों के कृषि मंत्री और कृषि से संबंधित विभागों के मंत्री शामिल हो रहे हैं। श्री मोदी ने इस मौके पर मोटे अनाजों पर आधारित एपीडा की ओर से लगायी गयी एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

भारत ने श्री अन्न को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का बीड़ा उठाया : तोमर

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व में श्री अन्न को बढ़ावा देने का एजेंडा निर्धारित किया है। ग्लोबल मिलेट्स (श्री अन्न) सम्मेलन में दिल्ली आए विभिन्न देशों के कृषि मंत्रियों की शनिवार को गोलमेज कांफ्रेंस हुई। इसमें मेजबानी करते हुए श्री तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व में श्री अन्न को बढ़ावा देने का एजेंडा निर्धारित किया है। श्री अन्न भविष्य के सुपर फूड हैं और भूख, कुपोषण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में बहुत उपयोगी है। ये फसलें किसानों, उपभोक्ताओं और जलवायु के लिए भी उपयोगी हैं। भारत ने इन उत्कृष्ट अनाजों को वैश्विक स्तर पर भोजन की थाली तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। विभिन्न देशों ने श्री अन्न को बढ़ावा देने की सरकार की पहल की सराहना की और भारत को इस संबंध में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। श्री तोमर ने गोलमेज कांफ्रेंस में कहा कि श्री अन्न के उत्पादन, उपभोग, मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में विश्व के विभिन्न हिस्सों के प्रतिष्ठित लोगों के सम्मिलन से इसे बढ़ावा देने के प्रयासों को निश्चित ही गति मिलेगी। श्री तोमर ने कहा कि आज का मेगा इवेंट श्री अन्न के उन मूल्यों को प्रदर्शित करता है, जो इतिहास में भुला दिए गए थे। अब श्री अन्न के संवर्धन की गति बढ़ाने के लिए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के लक्ष्यों को प्राप्त करने और भारत को 'मिलेट्स के वैश्विक हब' के रूप में स्थापित करने हेतु किसानों, स्टार्टअप्स, निर्यातकों, खुदरा व्यवसायों, होटल संघों और भारत एवं विदेशों में सरकार के विभिन्न अंगों को शामिल करके एक बहु-हितधारक एंगेजमेंट उपागम अपनाया है।

गोवा सरकार की राज्य में कैंसर संस्थान बनाने की योजना

पणजी, एजेंसी। गोवा सरकार राज्य में एक कैंसर संस्थान के निर्माण की योजना बना रही है, ताकि उसके बाशिंदों को इलाज के लिए अन्य राज्यों का रुख न करना पड़े। स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि गोवा मेडिकल कॉलेज में अगले महीने से समर्पित कैंसर बाह्यरोगी विभाग (ओपीडी) शुरू कर दिया जाएगा। राणे ने गोवा में कैंसर रोगियों के इलाज के वास्ते एक संस्थान स्थापित करने के उपायों पर चर्चा के लिए मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल के अधिकारियों से बृहस्पतिवार को पणजी में मुलाकात की। उन्होंने मुलाकात के बाद ट्वीट किया, गोवा में कैंसर के मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर हम एक ह्यराजकीय कैंसर संस्थान' बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, ताकि प्रदेश के लोगों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय:
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोन:
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलवीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें।

हिमाचल प्रदेश का पहला ग्रीन बजट मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की ऐतिहासिक पहल

कहा, बजट में हरित ऊर्जा राज्य के विकास का ब्लू प्रिन्ट

एनसीआर समाचार

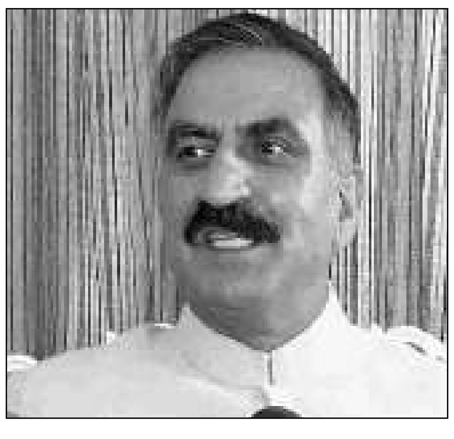

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, कृषि मंत्री चंद्र कुमार तथा उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा आज हिमाचल प्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2023-24 के बजट को ऐतिहासिक एवं आम लोगों का बजट करार दिया है। आज यहां जारी एक संयुक्त वक्तव्य में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ग्रीन बजट पेश कर हिमाचल प्रदेश को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 31 मार्च 2026 तक राज्य को ग्रीन एनर्जी राज्य के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2023-24 में 500 मैगावाट सौर ऊर्जा क्षमता की परियोजनाएं स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि, प्रदेश के युवाओं को उनकी अपनी अथवा लीज पर ली गई भूमि पर 250 किलोवाट से दो मैगावाट तक की सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 40 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में छह राष्ट्रीय एवं उच्च मार्गों को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के साथ-साथ प्राइवेट बस ऑपरेटरों, ट्रक ऑपरेटरों को ई-ट्रक अथवा बस की खरीद के लिए पचास प्रतिशत उपदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि, बजट में 20 हजार मेधावी छात्राओं को ई-स्कूटी की खरीद पर 25 हजार रुपए के उपदान का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि, बस अड्डा निर्माण एवं प्रबन्धन प्राधिकरण ने वर्ष 2023-24 में 12 बस अड्डों के निर्माण को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। हमीरपुर में बस पोर्ट बनाने के लिए 10 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। विभिन्न सुविधाओं की जानकारी के लिए जी.आई. आधारित व्हीकल लोकेशन एप तैयार करने के साथ-साथ हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में डिजिटल फेयर कलैक्शन सिस्टम लागू करने के लिए नवोन्मेषी प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बजट को नवाचार केन्द्रित बताया।

कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने कहा कि बजट में पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि, कांगड़ा जिला को हिमाचल प्रदेश की टूरिज्म केपिटल के रूप में विकसित किया जाएगा।

इसमें अन्तरराष्ट्रीय स्तर के गोल्फ कोर्स का निर्माण, पौंग डैम में वाटर स्पोर्ट्स, शिकारा, क्रूज, यॉट आदि की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि बनखंडी में 300 करोड़ रुपये की लागत से चिड़ियाघर का निर्माण भी किया जाएगा। इससे क्षेत्र में पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। साथ ही, रोजगार व स्वरोजगार के अनेक अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में कौशल विकास के लिए वाकनाघाट में 68 करोड़ रुपये से उत्कृष्ट केन्द्र के निर्माण कार्य को पूरा किया जाएगा।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि, बजट में प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए महत्वाकांक्षी प्रयास किए गए हैं। प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार एवं स्टार्ट-अप सहायता प्रदान करने के लिए राजीव गांधी स्वरोजगार योजना आरंभ करने की घोषणा की गई है। साथ ही सरकार ने नई औद्योगिक निवेश नीति लाने की घोषणा की है। इसके तहत प्रदेश सरकार ओपन आर्म पॉलिसी का अनुसरण करेगी और मौजूदा एकल खिड़की प्रणाली को ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन में परिवर्तित किया जाएगा।

यह ब्यूरो राज्य में रोजगार सृजन में मददगार होगा और प्रदेश को आदर्श निवेश मित्र राज्य के रूप में विकसित करने में भी सहायक होगा। राज्य में वित्त वर्ष 2023-24 में विनिर्माण, पर्यटन, ऊर्जा, निर्माण व आवास इत्यादि क्षेत्र में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का निजी निवेश लाने के प्रयास किए जाएंगे जिससे लगभग 40 हजार प्रत्यक्ष और 50 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एक जिला, एक उत्पाद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य में यूनिटी मॉल का निर्माण किया जाएगा। इससे हिमाचल प्रदेश के जी.आई. उत्पाद, हस्तशिल्प उत्पाद और अन्य राज्यों के हस्तशिल्प उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाये जाएंगे।

ईंधन पाइपलाइन शुरू होने पर बांग्लादेश ने भारत को बताया सच्चा दोस्त

ढाका, एजेंसी। तेल संकट से जूझ रहे बांग्लादेश ने पाइपलाइन से डीजल की मदद मिलने पर पड़ोसी देश भारत को सच्चा दोस्त बताया है। यह प्रोजेक्ट ईंधन के लिए बांग्लादेश की चीन पर निर्भरता को भी कम करेगा। उन्होंने इस पाइपलाइन को दो मित्र देशों के बीच सहयोग की 'ट्रेडमार्क उपलब्धि' बताया।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने एक बयान में कहा कि 'बांग्लादेश-भारत मैत्री पाइपलाइन' देश में ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक अहम भूमिका निभाएगी। इस ईंधन पाइपलाइन का उद्घाटन ऐसे समय पर हुआ है, जब दुनिया के कई देश रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण गंभीर ईंधन संकट से जूझ रहे हैं। यह पाइपलाइन बांग्लादेश के लोगों की ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक बड़ी भूमिका निभाएगी। यह प्रोजेक्ट ईंधन के लिए बांग्लादेश की चीन पर निर्भरता को भी कम करेगा।

शेख हसीना ने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग के एक हिस्से के रूप मंण 131.57 किलोमीटर लंबी 'भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन' के जरिए बांग्लादेश भारत से पेट्रोलियम खासकर डीजल का आयात करेगा। हसीना ने कहा कि बांग्लादेश और भारत दोनों ने हाल के दिनों में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़ी कई संभावनाओं को साकार किया है।

प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि हमने अपनी सभी द्विपक्षीय समस्याओं को एक-एक करके सुलझाया है। दोनों पड़ोसी देश अपने विकास के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

हमें अपने विकास के लिए भारत से लगातार सहयोग मिल रहा है। इस पाइपलाइन के जरिए भारत से डीजल आयात करने का समय और खर्च काफी कम हो जाएगा। देश के उत्तरी क्षेत्र के 16 जिलों में डीजल की आपूर्ति स्थिर रहेगी।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने इस पाइपलाइन को दो मित्र देशों के बीच सहयोग की 'ट्रेडमार्क उपलब्धि' बताया। उन्होंने कहा कि यह ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

राजस्थान के जयपुर में ऐतिहासिक होगी ब्राह्मण महापंचायत की बैठक - सुनील पीढ़ी

एनसीआर समाचार

राजस्थानः राष्ट्रीय परशुराम सेना राजस्थान के कार्यालय पर आज प्रदेश महामंत्री श्याम सुंदर कटारा की अध्यक्षता और प्रदेश अध्यक्ष सुनील पीढ़ी के मुख्य आथित्य मे मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग मे 19 मार्च जयपुर मे होने वाली महापंचायत को सफल बनाने और अधिक से अधिक संख्या मे विप्र बंधु जयपुर पहुँचे इस पर मंथन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील पीढ़ी ने कहा कि विप्र सेना द्वारा आयोजित महापंचायत को सफल बनाने के लिये प्रदेश के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को 19 मार्च को जयपुर पहुँचने का आह्वान करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि समाज के हर नागरिक को स्वतः संज्ञान लेते हुए महापंचायत मे अपनी अपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए।

आजाद भारत मे ब्राह्मण समाज की ये सबसे बड़ी पंचायत होने जा रही है इस महापंचायत मे समस्त भारतवर्ष के ब्राह्मण समाज के लोग जयपुर पधार रहे है।भरतपुर जिले से अधिक से अधिक समाज बंधु महापंचायत मे जयपुर पहुँचे।प्रदेश महामंत्री श्याम सुंदर कटारा ने कहा कि समाज को एकजुटता का परिचय देते हुए 19 मार्च को जयपुर मे पंचायत को सफल बनाने मे अपनी अपनी सहभागिता निभानी होगी।

इसके लिए संगठन ने जिले से लेकर तहसील स्तर तक पदाधिकारियों को जिम्मेदारी तय करते हुए प्रभारी नियुक्त किये। बाबूलाल कटारा जरीला को जिला भरतपुर ,दिनेश पचौरी कनावर को बयाना,अवनीश शर्मा को रूपवास, दिनेश चंद शर्मा को डीग, हेमू पाहुआ को कुम्हेर, शम्भू पाराशर को ब्रह्मवाद, लाला पंडित को जनुथर, हरिओम शर्मा को रुदावल का प्रभारी नियुक्त किया है।

युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सोनू जाटौली को जयपुर की सभी तरह की व्यवस्थाओं को संभालने की जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर युवा अध्यक्ष सोनू जाटौली ने समस्त प्रदेश की युवा टीम को जयपुर पहुँचने के निर्देश दिए। संभाग प्रभारी ब्रजभूषण पाराशर ने कहा कि, अलग अलग टीम बनाकर सभी को अलग अलग जिम्मेदारी प्रदान की जायेगी। जिला अध्यक्ष बाबूलाल कटारा जरीला ने आह्वान करते हुए कहा कि, अधिक से अधिक लोग भरतपुर से जयपुर के लिए रवाना होंगे।

शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष हरि नारायण शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज को नई दिशा और दशा प्रदान करते है। इसलिए सभी शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को एक दिन जयपुर में उपस्थिति दर्ज करानी है। विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष एडवोकेट पंकज पाठक ने सभी अधिवक्ताओं को निवेदन करते हुए जयपुर चलने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष दिनेश पचौरी,सुरेन्द्र पाराशर, जिला सचिव देवेंद्र चतुर्वेदी, बयाना अध्यक्ष शम्भू पाराशर, डीग अध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा, कुम्हेर अध्यक्ष हेमू पाहुआ, युवा मोर्चा तहसील डीग अध्यक्ष भानु जोशी, लाला पंडित जनुथर अध्यक्ष आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

भीनमाल के कुशल लक्ष्मी चंद्र वर्धन आदर्श विद्या मंदिर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ विदाई समारोह

एनसीआर समाचार

राजस्थानः भीनमाल कुशल लक्ष्मी चंद्र वर्धन आदर्श विद्या मंदिर बालिका उच्च माध्यमिक भीनमाल विदाई समारोह परीक्षा शुभकामना समारोह भीनमाल नगर में स्थित है। आदर्श विद्या मंदिर बालिका उच्च माध्यमिक में विदाई समारोह वह परीक्षा शुभकामना समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य उर्मिला खंडेलवाल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत व परिचय करवाया। कक्षा एकादशी की बहनों ने कक्षा द्वादशी, दशमी, अष्टमी की बहनों को तिलक लगाकर बोर्ड परीक्षाओं में सफलता की मंगल कामना करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर अवनी पटेल, डॉक्टर कमलेश चौधरी, ममता भोजानी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। द्वादशी की बहने डिंपल, हर्षिता, तनुश्री आदि ने अपने विद्यालय की दिनों को याद करते हुए विद्यालय की संस्कारित शिक्षा को अपने जीवन में उतारने की बात कही। डॉक्टर अवनी पटेल ने बहनों को सफलता का आशीर्वाद देते हुए जीवन के महत्व को समझाया, बहनों को अनुशासित रहते हुए राष्ट्र के विकास को अपना लक्ष्य मानकर कार्य करने की बात कहीं।

डॉक्टर कमलेश चौधरी ने सभी बहनों को अध्ययन जारी रखते हुए उच्च शिक्षा ग्रहण कर देश सेवा में कार्य कर अन्य ग्रामीण बालिकाओं के लिए रोल मॉडल बनने को प्रेरित करने को कहा। समाजसेवी ममता जी भोजानी ने बहनों को अपने जीवन को उच्च स्तर का बना कर देश सेवा, समाज सेवा में तत्पर रहने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन बहिन मनीषा तथा हेमलता ने संयुक्त रूप से किया। सहायक प्रधानाचार्य मनोहरलाल सोलंकी ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिला निरीक्षक नरेंद्र आचार्य, व्यवस्थापक सुरेश पारीक, डॉ.सुशीला राव, अरविंद सेन, योगेश वैष्णव, कल्पना नीतू, राजेश, सीमा, भाग्यवंती, थानाराम, अर्जुन सहित समस्त स्टाफ पूर्व छात्राएं तथा बहने उपस्थित रही।

शिवराज को घोषणाओं और आश्वासन का नशा : कमल नाथ

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि चौहान घोषणा और आश्वासन के नशे में हैं।

नरसिंहपुर के प्रवास पर पहुंचे कमल नाथ ने रविवार को संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा, शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में आश्वासन और घोषणाओं के मिशन पर निकले हुए हैं। 18 साल में उन्हें जिन कामों की याद नहीं आई वह काम उन्हें अब याद आ रहे हैं। उन्हें कभी लाडली बहना याद आ जाती है, कभी आदिवासी याद आ रहे हैं कभी किसान याद आ रहे हैं, हर चुनाव के पहले इसी प्रकार की कलाकारी में लग जाते हैं। मुख्यमंत्री की घोषणाओं का जिक्र करते हुए कमल नाथ ने कहा, रोज ऐसी ऐसी घोषणाएं कर रहे हैं जिनकी चुनाव तक तो शायद शुरूआत भी नहीं हो पाएगी, प्रदेश की जनता हिसाब मांग रही है। उनका दौरा कार्यक्रम जब हम देखते हैं तो रोज कहीं न कहीं जाकर कलाकारी करना और जनता को गुमराह करते नजर आते हैं। वे घोषणा और आश्वासन के नशे में हैं।

कंग्रेस से विधायकों के पाला बदलने के मामले का जिक्र करते हुए कमल नाथ ने कहा, जो बिके हुए जनप्रतिनिधि थे उन्हें अब अपनी स्थिति का एहसास हो चुका है, इस बार प्रदेश की जनता ऐसा फैसला लेगी कि खरीद-फरोख्त की कोई गुंजाइश नहीं होगी। कांग्रेस के टिकट वितरण को लेकर कमलनाथ ने कहा, भोपाल से बैठकर टिकट वितरण नहीं किया जाएगा। टिकट वितरण स्थानीय संगठन से चर्चा करके किया जाएगा, तो सर्वे इशारा मात्र होता है। राज्य सरकार ने हर महिला को एक हजार रुपये माह दिए जाने के लिए लाडली बहना की शुरूआत की है।

सागर में भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई वाहन रैली

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः सागर में भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती के उपलक्ष्य में बड़ा बाजार स्थित साहू समाज के बांके बिहारी मंदिर से वाहन रैली निकाली गई। रैली को महापौर प्रतिनिधि डॉ. सुशील तिवारी, कमलेश साहू, महेश साहू धर्मवीर साहू, सुशील साहू, राहुल साहू क्राउन पैलस हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। रैली सुबह 9 बजे मंदिर परिसर से शुरू होकर बड़ा बाजार, सराफा, कोतवाली, तीन बत्ती, भीतर बाजार, परकोटा, तीन मढ़िया, बस स्टैड, शहनाई गार्डन, मेडीकल कॉलेज, तिली तिगड् ?डा, तहसीली तिगड् ?डा, सिविल लाइन पम्पा कॉम्पलेक्स, डिग्री कॉलेज चौराहा, कगरयाऊ घाटी, तिलकगंज, जामा मस्जिद, विजय टॉकीज, बड़ी माता, राहतगढ़ बस स्टैड़, ओवर ब्रिज से होकर भाग्योदय, छोटा करीला, भूतेश्वर, मोतीनगर चौराहा होते हुए साहू समाज मंदिर बड़ा बाजार में समापन हुआ। इसके बाद भोजनप्रसादी ग्रहण की। वाहन रैली प्रभारी मनोहर साहू के नेतृत्व मैं निकाली गई। 18 मार्च को मां कर्मा जयंती पर मुख्य कार्यक्रम सरस्वती मैरिज गार्डन मोतीनगर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें शाम 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें मुख्य अतिथि नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह, सांसद राजबहादुर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत होंगे। विशिष्ट अतिथि महापौर संगीता, निगम अध्यक्ष वंद्रावन अहिरवार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया होंगे।

बांके बिहारी मंदिर सुबह 8:00 बजे सेहवन पूजन किया जाएगा, जिसमें ट्रस्ट अध्यक्ष संतोष साहू, बालाजी शैलेंद्र साहू, अशोक चकिया पार्षद, सेलू बिल्डिंग, संदीप साहू, बलराम साहू, राजू बाबा, विजय साहू, महिला मोर्चा संध्या साहू, अनीता साहू, शशि साहू, पूनम साहू, आरती साहू, सहित सभी सदस्य शामिल होंगे एवं शाम को भजन गायक मनीष अग्रवाल जबलपुर वाले जिनका एक भजन बहुत प्रसिद्ध है। अंगना पधारो महारानी वह इस भजन संध्या को अपनी सुरीली आवाज में साहू समाज की मां कर्मा देवी जयंती के उपलक्ष में प्रस्तुत करेंगे। अतः सभी सो जाती बंधुओं धर्म प्रेमी बंधुओं से निवेदन है कि, वह शाम 6:00 बजे से सरस्वती मैरिज गार्डन मोती नगर चौराहे के पास आकर इस कार्यक्रम में धर्म लाभ लें।

एक नजर

मद्रास हाईकोर्ट अन्नाद्रमुक महासचिव चुनाव पर 24 मार्च को फैसला सुनाएगा

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट की एकल पीठ ने रविवार को कहा कि वह अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) महासचिव चुनाव के खिलाफ याचिका पर 22 मार्च को सुनवाई करेगी और फैसला 24 मार्च को सुनाया जाएगा। अन्नाद्रमुक महासचिव का चुनाव 26 मार्च को होना है और मतगणना 27 मार्च को होगी। मद्रास हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने पूछा कि जब संकल्पों से संबंधित मामला न्यायालय में लंबित है तो चुनाव की घोषणा क्यों की गई। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति कुमारेश बाबू ने कहा कि सभी चुनाव प्रक्रियाएं संचालित की जा सकती हैं। के. पलानीस्वामी (ईपीएस) पक्ष ने बहस के दौरान कहा कि पार्टी की वोटर लिस्ट काफी पहले तैयार हो चुकी है और बिना चुनाव कराए पार्टी काम नहीं कर सकती। ईपीएस पक्ष ने अदालत में यह भी तर्क दिया कि 1.5 करोड़ कैडर वाली पार्टी में एक प्रतिशत ने भी पार्टी के अपदस्थ समन्वयक ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) का समर्थन नहीं किया है। ईपीएस गुट ने यह भी कहा कि अदालत पार्टी के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

कर्नाटक में करंट लगने से मां और दो बेटों की मौत

बेंगलुरू, एजेंसी। कर्नाटक में एक बिजली के तार के संपर्क में आने से 45 वर्षीय एक महिला और उसके दो बेटों की मौत हो गई। घटना रविवार सुबह कर्नाटक के चिंचोली कस्बे में हुई।

मृतकों की पहचान झरनम्मा अंबन्ना बासगोंड (45), उनके बेटे महेश अंबन्ना बासगोंड (20) और सुरेश अंबन्ना बासगोंड (18) के रूप में हुई है। उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए चंदापुर तालुक अस्पताल भेज दिया गया है। यह घटना तब हुई जब परिवार ने अपने घर के बाहर फसल को तिरपाल की चादर से ढकने की कोशिश की।

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में पिछले दो दिनों से भारी बारिश और आंधी चल रही है। बारिश और हवाओं के चलते अंगूर और ज्वार समेत कई फसलें नष्ट हो गई हैं।

ब्राजील में हेलीकॉप्टर दुर्घनाग्रस्त, चार की मौत

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के साओ पाउलो में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गयी। अग्निशमन विभाग ने ट्वीट कर कहा कि यह हादसा शहर के पश्चिमी क्षेत्र में बर्रा फंडा के पास स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार को अपराह्न 2:35 बजे हुआ। अग्निशमन विभाग ने कहा कि दुर्घटना से नौ वाहन प्रभावित हुए हैं। वहीं, स्थानीय मीडिया के अनुसार, हेलीकॉप्टर एक रॉबिन्सन आर44 रेवेन क्क्र था और एक एयर टैक्सी कंपनी के स्वामित्व में था। ब्राजीलियाई हेलीकॉप्टर पायलट एसोसिएशन के अनुसार, साओ पाउलो में 411 निजी पंजीकृत हेलीकॉप्टर हैं और वर्ष 2021 डेटा के मुताबिक ये प्रति दिन 2,200 उड़ान भरते हैं।

मलावी फ्रेडी चक्रवात से 5,00,000 लोग प्रभावित : संरा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश मलावी में फ्रेडी चक्रवात से कम से कम 326 लोगों सहित 500,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। मलावी स्थिति मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएच) ने कहा कि सरकार ने अकेले गुरुवार को राहत एवं अभियान के दौरान 442 लोगों को बचाए जाने की रिपोर्ट दी है। वहीं, 180,000 से अधिक लोग बेघर हुए हैं। कार्यालय ने कहा कि सरकार के नेतृत्व वाले राहत प्रयासों का विस्तार बाढ़ के पानी के घटने के साथ होता है और विस्थापित लोगों तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। ओसीएचए ने कहा, "जमीनी स्तर पर बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के कारण कुछ क्षेत्र अभी भी कटे हुए हैं। सहायता कर्मी उन स्थानों पर आपूर्ति और राहत एवं बचाव प्रयासों के लिए हवाई परिवहन और नावों को जुटा रहे हैं, जिन तक सड़क मार्ग से नहीं पहुंचा जा सकता है।"

कार्यालय ने कहा कि मानवतावादी सहयोगी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले विस्थापन स्थलों में हैजा फैलने के जोखिम के बारे में चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और उसके सहयोगी ब्लैंटायर में आश्रय के रूप में कार्यरत स्कूलों में शौचालयों को साफ करने के लिए काम कर रहे हैं और सुरक्षित पेयजल प्रदान करने के लिए जल भंडारण ब्लैडर भी स्थापित करेंगे।

अफगानिस्तान में माइन विस्फोट,दो बच्चों की मौत, दो घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के पूर्वी लोगर प्रांत में पिछले युद्धों से बची मोर्टार माइन में विस्फोट होने से दो बच्चों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक लोगार प्रांत की राजधानी पुल-ए-आलम शहर के अलतामोर इलाके में शुक्रवार शाम बच्चों के एक समूह को खिलौने जैसा उपकरण मिला और वह उससे खेलने लगे। इस बीच उपकरण में अचानक विस्फोट हो गया, जिससे दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद दो अन्य बच्चे भी घायल हो गए। देश में पिछले युद्धों के दौरान प्रयोग नही किये गये भूमिगत विस्फोटक उपकरण या बारूदी सुरंग को नष्ट या निष्क्रिय नहीं किया जा सका है। इसी कारण आए दिन कबाड़ी चुनने वाले और मासूम बच्चे विस्फोटक उपकरण के शिकार बन जाते हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हैं।

उप राज्यपाल ने वैष्णो देवी भवन में पांच मंजिला दुर्गा भवन का किया उद्घाटन

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने चैत्र नवरात्रि से पहले शनिवार को कटरा में श्री माता वैष्णो देवी भवन में पांच मंजिला दुर्गा भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह बहुत फायदेमंद होगा। उप राज्यपाल ने कहा कि आने वाले दिनों में श्री माता वैष्णो देवी भवन और नए दुर्गा भवन में सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। श्री माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से नवनिर्मित दुर्गा भवन को उप राज्यपाल ने श्रद्धालुओं को समर्पित किया। भवन में प्रतिदिन 3000 तीर्थ यात्रियों को समायोजित करने की क्षमता है और यह प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के साथ साधकों को आसानी और आराम प्रदान करेगा।

मीडिया अपने मंच का दुरुपयोग न होने दे : अनुराग ठाकुर

कोच्चि,एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को मीडिया को सलाह दी कि वह देश का नुकसान पहुंचाने वाली आवाजों और आख्यानों को अपने मंच का इस्तेमाल न करने दें। मलयालम भाषा के दैनिक मातृभूमि के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे मीडिया बिरादरी से आग्रह करते हैं कि जान-बूझकर या अनजाने में ऐसी आवाज और आख्यान को स्थान देने से बचें, जिनसे भारत की अखंडता खतरे में पड़ती हो। साथ ही केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत राष्ट्र की लोकतांत्रिक प्रकृति हमेशा बनी रहेगी। भले ही कोई कितनी ही घटिया या अतार्किक राय स्वतंत्र रूप से भारत या भारत के बाहर रखे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने केंद्र सरकार की पिछले 9 साल की उपलब्धियों को सबके सामने रखा और कहा कि देश आज मदद मांगने वाला नहीं, बल्कि मदद देने वाला बन गया है।

सिसोदिया की भगवान ले रहे हैं परीक्षा : केजरीवाल

❍ लेकर आएंगे 100 में से 100 नंबर ❍ बी.आर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस दिल्लीवासियों को समर्पित

स्कूल में बने हैं 50 क्लास रूम...

यह स्कूल करीब 8631 वर्ग मीटर में फैला है और पूरी बिल्डिंग में 127 रूम हैं। जिसमे -

-50 क्लास रूम
-10 लैब्स
-2 लाइब्रेरी
-एक मल्टी परपज हॉल
-15 अधिकारी और स्टाफ रूम
-30 शौचालय
-6 सीढ़ी
-1 लिफ्ट

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया की भगवान परीक्षा ले रहे हैं। वह 100 में से 100 नंबर लेकर आएंगे। सीएम केजरीवाल ने दिल्ली के रोहिणी में 'स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस' के तहत स्कूल की नई बिल्डिंग की शुरूआत के मौके पर यह बात कही है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा, "कुछ लोगों ने मेरा विरोध किया, मैं उनको कहना चाहता हूं कि आपके भी बच्चों को पढ़ाएंगे। स्कूल का विरोध क्यों? यहां तो भाजपा-कांग्रेस-आप सभी के बच्चे पढ़ेंगे। मैं प्रिंसिपल-टीचर्स से कहता हूँ कि जब ये अपने बच्चों का एडमिशन करवाने आये तो इनका फूलों से स्वागत करना।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, "आज हमारे साथ मनीष जी नहीं हैं, कुछ दिन पहले कुछ बच्चे आए थे और कहा कि सर मनीष जी की याद आ रही है। कुछ टीचर्स भी आए और बोले- उनके ऊपर झूठे केस लगाए गए हैं, गलत केस में फसाया गया है। केजरीवाल ने आगे कहा कि मनीष जी ने आपके लिए मैसेज भेजा है, कि "मैं ठीक हूं, आप अपनी पढ़ाई और सेहत का ध्यान रखना।"

सीएम ने कहा कि उनको वहां अंदर बैठकर भी आपकी चिंता है। आप लोगों के स्वास्थ्य की चिंता है। उन्होंने कहा कि भगवान सच्चाई पर चलने वालों की परीक्षा लेते रहते हैं, मनीष सिसोदिया की भी परीक्षा ली जा रही है, वो 100 में से 100 नंबर लेकर बाहर आएंगे। बता दें कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इस समय तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले के मामले में 26 फरवरी को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने तिहाड़ जेल में मनीष सिसोदिया से पूछताछ के बाद गिरफ्तारी की थी।

इस अवसर पर सीएम केजरीवाल ने कहा कि यह बहुत ही शानदार और आलीशान स्कूल बना है। यह स्कूल शायद पूरे देश में सबसे सर्वश्रेष्ठ स्कूल कहा जा सकता है, जिसमें सरकारी ही नहीं बल्कि प्राइवेट स्कूल भी शामिल हैं। अगर इस स्कूल की सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की बात की जाए तो शायद यह स्कूल देश और दिल्ली के कई नामी गिरामी प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर है। एक जमाना था, जब गरीबों के बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते थे तो उन्हें थोड़ी हीन भावना महसूस होती थी। मगर अब यही सरकारी स्कूल के बच्चे अपने इलाके में कॉलर ऊपर करके गर्व के साथ बोल सकते हैं कि हम इस सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल ऑफ स्पेशलाइज एक्सीलेंस (एसओएसई) एक नए किस्म का प्रयोग था जो बहुत ही सफल रहा। इन स्कूलों में बच्चों को स्पेशल सब्जेक्ट्स के अंदर 9वीं कक्षा से ही तैयार करना शुरू कर दिया जाता है। बच्चे साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग व मैथमेटिक्स (स्टेम) की पढ़ाई के साथ 21वीं सदी की स्किल्स की विशेषज्ञता हासिल करेंगे। अभी तक दिल्ली में ऐसे 37 स्पेशलाइज्ड स्कूल बनाए गए हैं। इस स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए लगभग 4400 सीटों पर प्रवेश पाने के लिए 92 हजार छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया हैं। इतनी लंबी लाइन तो कई नामी-गिरामी प्राइवेट स्कूलों के लिए भी नहीं लगती है, जितनी दिल्ली सरकार के स्पेशलाइज सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए लग रही है। इतने सारे आवेदन आने पर अगर किसी बच्चे को इस स्कूल में दाखिला मिल जाता है, तो उसका भाग्य बहुत अच्छा है कि उस बच्चे को आखिर इस स्कूल में दाखिला मिल गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह बहुत ही आलीशान स्कूल है। मैं बेहद खुश हूं कि आज इस स्कूल का उद्घाटन किया जा रहा है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि यह हमारे देश की दुखद सच्चाई रही है कि आजादी के 75 साल के बाद भी एक बच्चे का भविष्य इस बात से निर्धारित होता है कि वो किस परिवार में पैदा हो रहा है। पैसे वाले घर का लड़का जब महंगी प्राइवेट स्कूल में एडमिशन लेता है तभी उसका उज्जवल भविष्य दिखने लगता है कि वह बड़ा होकर कुछ अच्छा करेगा, लेकिन एक कड़वी सच्चाई है यह भी है कि देश में बहुत सारे ऐसे अभिभावक भी हैं जो दिल पर पत्थर रखकर अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते है। उन्होंने कहा कि इस देश में बहुत से ऐसे छात्र हैं, जो सरकारी स्कूल से पढ़ते हुए अपनी 12वीं की पढाई मुश्किल से पूरी कर पाते हैं।

उन्होंने कहा कि देश के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के पास एक विकल्प जरुर होना चाहिए कि वे पढ़ कर अपने सपनों को पूरा कर सके। स्कूल इसके लिए उसे अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आज देश में बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कही काम किया जा रहे है तो वो देश की राजधनी दिल्ली है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के स्कूलों को शानदार बनाया जा रहा है। सीएम अरविंद केजरीवाल का एक ही सपना है कि जैसी शिक्षा उन्होंने अपने बच्चों को दिलाई, वैसे ही शिक्षा देश और दिल्ली के हर बच्चे को मिलनी चाहिए। हमे गर्व है कि पिछले 8 सालों में हमारी सरकार ने गंभीरता से इस पर काम किया और दिल्ली के बच्चों के बेहतरीन भविष्य के लिए अवसर दिए।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि आज पढ़ाई को लेकर दिल्ली का माहौल बदल चुका है। आज सिर्फ. बड़े घरों के बच्चे आईआईटी और मेडिकल में नहीं जा रहे, बल्कि हर वर्ष दिल्ली सरकार के स्कूलों के हजारों बच्चे आईआईटी और मेडिकल की परीक्षा क्लियर कर देश के नामी इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई करने जा रहे है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में हर तबके के बच्चों को शानदार शिक्षा देने का मुख्यमंत्री जी का सपना पूरा हो रहा है। इसका उदाहरण है कि एक डीटीसी बस कंडक्टर का बेटा प्रिंस कुमार दिल्ली के सरकारी स्कूल में पढ़कर आईआईटी मुंबई में एडमिशन लेता है और एक सिक्योरिटी गार्ड का बच्चा आईआईटी खड़गपुर में एडमिशन लेता है।

बी आर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के उद्घाटन से जनता में दिखी अपार खुशी : रोहिणी के सेक्टर-18 में बी आर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस खुलने से क्षेत्र के लोगों में अपार खुशी दिखी। काफी लोग सीएम का धन्यवाद करने के लिए स्कूल पहुंचे। लोगों ने सीएम अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस स्कूल प्रारंभ होने से बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा मिल पाएगी। इससे बच्चों का भविष्य सुनहरा होगा। लोगों ने स्कूल से निकलने के दौरान भी सीएम अरविंद केजरीवाल का जयघोष कर धन्यवाद किया। सीएम ने भी हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन स्वीकार किया।

सभी सुविधाओं से लैस है स्कूल भवन : लोक निर्माण विभाग ने पक्के स्कूल भवन के निर्माण का कार्य दिसंबर 2020 में शुरू हुआ और दिसंबर 2022 में बनकर तैयार हुआ।

इस साल स्कूल में स्टूडेंट्स ले सकेंगे दाखिला

स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग व मैथेमेटिक्स (स्टेम) और 21वीं सदी की स्किल्स की विशेषज्ञता दी जाती है। रोहिणी सेक्टर-18 में नव निर्मित स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस में इस वर्ष स्टेम और 21वीं सदी की स्किल्स की विशेषज्ञता हासिल करने के लिए 400 छात्र-छात्राएं कक्षा 9 में प्रवेश लेंगे। जब यह स्कूल पूरी तरह से तैयार हो जाएगा तब इसमें एक हजार छात्र -छात्राएं दाखिला ले सकेंगी।

दिल्ली में जल्द ही हो जाएंगे 46 एक्सीलेंस स्कूल

दिल्ली सरकार की योजना 2023-24 में 37 भवनों में 46 डॉ बी आर अम्बेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस (एसओएसई) बनाकर समर्पित करने की है। जहां करीब 10 हजार छात्र दाखिला ले सकेंगे। शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए एसओएसई में लगभग 4400 सीटों के लिए दिल्ली सरकार को 92 हजार छात्र-छात्राओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रवेश के पहले दौर के प्रवेश परिणाम अगले सप्ताह तक घोषित किए जाएंगे। डॉ बी आर अम्बेडकर की जयंती 14 अप्रैल 2023 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने गुरुद्वारा माता सुन्दरी जी कंपलैक्स में शुरू किया स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से गुरुद्वारा माता सुन्दरी जी कंपलैक्स में स्टाफ क्वार्टरों की निर्माण का काम आज शुरू कर दिया गया। इस मौके पंथ रत्न बाबा हरबंस सिंह जी के वरोसाए बाबा वचन सिंह जी कार सेवा वालों ने अरदास की जिस के बाद कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों और दूसरे ने कट लगा कर सेवा आरंभ करवाई।

इस मौके मीडिया के साथ बातचीत करते सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि इन स्टाफ क्वार्टरों की लम्बे समय से जरूरत थी। उन्होंने कहा कि पहले भी इस जगह पर स्टाफ क्वार्टरों की निर्माण के यत्न किये गए थे परंतु किसी कारण स्वीकृत नहीं हो सके और अब हम यह कार्य शुरू करवाया है जिसकी कार सेवा बाबा बचन सिंह जी और उन की समूची टीम करेगी।

सरदार कालका और सरदार काहलों ने बताया कि इस जगह पर मल्टी स्टोरी सवा क्वार्टरों की निर्माण की जायेगी। उन्होंने कहा कि चाहे बहु मंजिला होने के कारण निर्माण में समय लग जाता है परन्तु हम कोशिश करेंगे कि यह कार्य एक साल के अंदर अंदर पूरा हो जाये। उन्होंने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी में अनेकों मुलाजीम पंजाब, यू पी और हरियाणा जैसे राज्यों से आकर सेवाओं निभा रहे है जिन के परिवारों को रहने में मुश्किलें का सामना करना पड़ता है। अब इन क्वार्टरों के बन जाने साथ स्टाफ के लिए क्वार्टरों की कमी दूर होगी। उन्होंने कहा कि जब स्टाफ का परिवार आराम के साथ क्वार्टरों में रह रहा हो तो मुलाजीम भी पूरी तनदेही के साथ बेफिक्र होकर संगत की सेवा का कार्य कर सकते हैं। इस मौके दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के अधिकारी, मैंबर व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

जगह जगह जलभराव से लोग हुए परेशान

हल्की सी बारिश होते ही भर जाता है पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में शनिवार के बाद रविवार को भी बारिश हुई। शनिवार और रविवार के दिन जमा हुए बारिश के पानी की निकासी नहीं होने के चलते छोटे वाहन चालकों, पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिल्ली -पानीपत स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 के सटे गांव जैसे सिंघू, बकौली से अलीपुर मार्ग, जिंदपुर मोड़ व जीटीके बस डिपो से जहांगीरपुरी की तरफ कई जगह जलभराव था। बता दें कि रविवार को अवकाश के चलते सभी वाहन सड़कों पर नहीं थे, जिसके चलते यातायात जाम की समस्या तो नहीं बनी लेकिन इस दौरान सड़क के आधे हिस्से में जलभराव के चलते छोटे वाहन चालक व पैदल चलने वाले लोगों को काफी समस्या आई। वहीं, स्थानीय निवासियों ने बताया कि हल्की सी बारिश होते ही यहां जलभराव हो जाता है क्योंकि यहां पानी के निकासी की व्यवस्था नहीं है और शिकायत करते हैं तो बताया जाता कि पानी कुछ देर में अपने आप निकल जाएगा। इस दौरान जहांगीर पुरी मेट्रो स्टेशन के नजदीक सरकारी प्रशासन पानी निकालते हुए नजर आया। इस संबंध में दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने बताया कि रविवार को जलभराव संबंधी कोई शिकायतें नहीं आई है।

स्वामी दयानंद अस्पताल में लगाई गई प्लास्टिक बॉटल क्रशिंग मशीन

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिला के दिलशाद गार्डन इलाके स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल में दिल्ली नगर निगम शाहदरा उत्तरी क्षेत्र द्वारा प्लास्टिक बॉटल क्रशिंग मशीन लगाई गई. स्वावलंबन संस्था की तरफ से सीएसआर फंड से लगभग पांच लाख रुपये की लागत से यह मशीन, अस्पताल के लिए उपलब्ध कराई गई है. इस मौके पर शाहदरा उत्तरी जोन के उपायुक्त संजीव कुमार मिश्रा, अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक रजनी खेड़वाल के अलावा अस्पताल के कई डॉक्टर और निगम अधिकारी मौजूद रहे.

इस अवसर पर अस्पताल के नर्सिंग कालेज की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिए प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के प्रति लोगों को जागरूक किया. वहीं शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के निगम उपायुक्त संजीव कुमार मिश्रा ने कहा कि यह मशीन अस्पताल को जीरो वेस्ट परिसर बनाने की दिशा में की गई एक पहल है. अस्पताल की जरूरत को देखते हुए भविष्य में और मशीन लगवाने का प्रयास भी किया जाएगा. इस मशीन के लगने से अस्पताल से प्लास्टिक कचरा खत्म करने में मदद मिलेगी.

उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम की तरफ से सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है. इसके तहत कई सारे जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि लोगों प्लास्टिक के खतरों के बारे में आगाह किया जा सके. साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री करने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है. इसके अंतर्गत मार्केट, मंडी और दुकानों में छापेमारी की जा रही है और पकड़े जा रहे लोगों पर चालान किया जा रहा है.

इस दौरान अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक रजनी खेड़वाल ने बताया कि, उपयोग हुई प्लास्टिक की बोतलों को इस मशीन के जरिए नष्ट किया जाएगा. इसके बाद मशीन से प्लास्टिक के टुकड़ों को निकालकर उन्हें इकट्ठा कर इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) को सौंपा जाएगा. इसके बदले आईपीसीए अस्पताल को प्लास्टिक वेस्ट से बनी जरूरी वस्तुएं उपलब्ध कराएगा.

यमुना में नजर आया बड़ी मात्रा में सफेद रंग का झाग

❍ अमोनिया की मात्रा बढ़ने से पानी की आपूर्ति पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में यमुना के बेहतरी को लेकर दावे और वादे सरकारों द्वारा खूब किए जाते हैं, लेकिन अक्सर यमुना की बदहाल स्थिति उन दावों की पोल खोलती नजर आती है. एक बार फिर दिल्ली के यमुना की बदहाल स्थित नजर आई है. रविवार को दिल्ली के कालिंदी कुंज यमुना घाट पर यमुना के पानी में बड़ी मात्रा में सफेद रंग का झाग नजर आया. बीते वर्ष छठ महापर्व के दौरान कालिंदी कुंज यमुना में झाग को लेकर खूब राजनीति देखने को मिली थी और आम आदमी पार्टी और बीजेपी आमने-सामने आई थी. अब एक बार फिर कालिंदीकुंज यमुना के पानी में झाग ही झाग नजर आ रहा है.

दिल्ली में यमुना के अंतिम छोर कालिंदी कुंज में यमुना घाट पर रविवार को यमुना की बदहाल स्थिति नजर आई. यहां यमुना के पानी में बड़ी मात्रा में सफेद रंग का झाग नजर आया. दरअसल यमुना के पानी में सफेद रंग का झाग तब नजर आता है, जब पानी में अमोनिया की मात्रा बढ़ जाती है. वहीं जब अमोनिया की मात्रा पानी में बढ़ जाता है तो दिल्ली में पानी सप्लाई पर भी इसका असर पड़ता है, क्योंकि यमुना के पानी को ट्रीट करके कई इलाकों में सप्लाई की जाती है और जब यमुना के पानी में अमोनिया की मात्रा बढ़ जाती है, तो ट्रीटमेंट प्लांट पर इसका असर पड़ता है और फिर पानी की सप्लाई में कटौती करनी पड़ती है.

वहीं, यमुना की बदहाल स्थिति को लेकर लोगों का कहना है कि यमुना की बेहतरी के लिए सरकार और समाज को काम करने की जरूरत है.

एक नजर

कारोबारी को चाकू मारकर आठ लाख रुपये लूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। जहांगीरपुरी इलाके में शनिवार देर रात मुकरबा चौक पर बुजुर्ग ऑटो पार्ट्स कारोबारी को बदमाश ने चाकू मारकर आठ लाख रुपये लूट लिए। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि कारोबारी के कर्मचारी की मुखबिरी पर वारदात हुई थी। पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को हिरासत में ले लिया है।

60 वर्षीय राजेश अग्रवाल परिवार सहित रोहिणी सेक्टर-9 स्थित अपार्टमेंट में परिवार के साथ रहते हैं। राजेश की कश्मीरी गेट में ऑटो पार्ट्स की दुकान है। शनिवार को कारोबारी और कर्मचारी मनीष दोनों कार से घर के लिए रवाना हुए। रात करीब 11 बजे मुकरबा चौक पर जब कारोबारी राजेश ने मनीष को उतारा उसी समय एक युवक आया। उसने कारोबारी के हाथ में चाकू मारकर रुपये से भरा बैग छीन लिया। कारोबारी को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस को सूचना दी गई। साथ ही जहांगीरपुरी थाने में एफआईआर दर्ज कर एसीपी जहांगीरपुरी तिलक चंद बिष्ट की देखरेख में जांच शुरू की गई। पुलिस को मनीष पर शक था और वह बार बार बयान बदल रहा था। उसकी काल डिटेल्स भी शक बढ़ रहा था। पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार कर बताया कि अपने दोस्तों सतनाम, अजय और करन को वारदात करने के लिए जानकारी दी थी।

पब्लिक स्कूलों की दाखिले में मनमानी रुके : पंचायत संघ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पंचायत संघ ने राजधानी स्थित समस्त पब्लिक स्कूलों में दाखिले की प्रक्रिया की ओर उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया है। पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने उनसे ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में दाखिले की प्रक्रिया की जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि डब्ल्यूएस कैटेगरी में दाखिला करने में भारी गड़बड़ी हुई। थान सिंह यादव ने कहा कि पब्लिक स्कूलों के एक किलोमीटर पर रहने वाले बच्चों का दाखिला नहीं होता है, जबकि तीन से पांच किलोमीटर के बच्चों को दाखिला दिया जा रहा है, ओर जिनके दो बच्चे हैं उनका दाखिला अलग-अलग स्कूलों में होता है। इस मामलों में अभिभावकों को आपत्ति है, मगर उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनरल कैटेगरी के बच्चों को लेकर भी पब्लिक स्कूलों की मनमानी बढ़ी हुई है। पब्लिक स्कूल जिस क्षेत्र में होता है वहां के बच्चों को भी दाखिला नहीं दिया जा रहा है और दूर रहने वाले बच्चों को दाखिला दिया जा रहा है।

थान सिंह यादव ने कहा कि ईडब्ल्यूएस व जनरल कैटेगरी के बच्चों का पहले एक से दो किलोमीटर होता था, ताकि बच्चे पैदल भी स्कूल जा सके और वाहनों का उपयोग नहीं नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र या गांव की जमीन पर पब्लिक स्कूल बना हुआ, वहां के सभी बच्चों का दाखिल होना चाहिए और दाखिले की प्रक्रिया को सार्वजनिक होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जिस गांव व क्षेत्र की जमीन पर बने पब्लिक स्कूलों में उस क्षेत्र के बच्चों का दाखिला नहीं किए जाने की स्थिति में पंचायत संघ पब्लिक स्कूलों की मनमानी के खिलाफ आंदोलन करेगा।

झपटमारी कर फोन से रुपये निकालने वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर जिला स्पेशल स्टाफ ने मोबाइल झपटने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी झपटे हुए फोन के सिमकार्ड का इस्तेमाल पेटीएम और फोन-पे के खाते से रुपये निकालने के लिए करते थे। पुलिस ने फोन खरीदने वाले को भी गिरफ्तार किया है। डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि मजनू का टीला, लाल किला, कश्मीरी गेट बस अड्डे के आसपास स्कूटी सवारों द्वारा झपटमारी के कई मामले आए थे। इसी दौरान एक शख्स का आईफोन स्कूटी सवारों ने छीन लिया था। बाद में पीड़ित के पेटीएम खाते से 1.10 लाख रुपये भी निकाल लिए। डीसीपी ने बताया कि एसआई रोहित एवं एएसआई हरफूल सिंह की टीम ने टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर जांच शुरू की। फोन के आईएमईआई एवं रुपये के ट्रांस्फर होने में इस्तेमाल ??विभिन्न बैंक खाते एवं ई वालेट से तलाश शुरू हुई। पुलिस ने संगम पार्क इलाके से राजीव और शोएब को वारदात में प्रयुक्त दो स्कूटी के साथ दबोच लिया। इनकी निशानदेही परचोरी के पांच फोन के साथ अरमान को गिरफ्तार कर लिया। इनकी गिरफ्तारी से एक दर्जन झपटमारी के मामलों का खुलासा हुआ है। पूछताछ में मालूम हुआ कि राजीव एवं शोएब दूसरे राज्यों से आने जाने वालों को निशाना बनाते थे। इन्होंने दो दर्जन से अधिक फोन के फोन पे एवं पेटीएम वालेट से रुपये निकाले थे। उन्होंने बताया कि झपटे हुए फोन का सिम कार्ड ब्लाक नहीं होने पर उसे अपने फोन में इस्तेमाल करते थे। वे फोन पे, पेटीएम और अन्य ई वालेट को डाउन लोड कर फारगेट पासवर्ड विकल्प का इस्तेमाल करते थे। कई बार वह कामयाब हो जाते थे।

वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर ठगने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आउटर जिला साइबर पुलिस ने वर्कफ्रॉम होम के नाम पर ठगी करने के मामले में दो बैंक खाता धारकों को गिरफ्तार किया है। दोनों शख्स कमीशन पर ठगी करने वालों को बैंक खाता मुहैया कराते थे। इसमें से एक बैंक खाते में एक ही दिन 64 लाख रुपये जमा हुए थे। डीसीपी हरेंद्र सिंह ने बताया कि पीतमपुरा निवासी हरीन बंसल की शिकायत पर 14 फरवरी को एफआईआर दर्ज की गई थी। पीड़ित ने बताया कि इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम के लिए टास्क पूरा करने पर 30 फीसदी कमीशन देने की बात कही थी। पीड़ित ने वेबसाइट पर कुछ रुपये जमा कर टास्क पूरा किया तो उसे रकम मिल गई। उसने विश्वास कर करीब नौ लाख रुपये जमा कर दिए, लेकिन ठगों ने विभिन्न शुल्कों के नाम पर रुपये मांगना जारी रखा। शक होने पर पीड़ित ने शिकायत दी। जांच में पता लगा कि पीड़ित के रुपये कई बैंक खातों में जमा कराए गए थे। एक बैंक खाते में एक ही दिन में 64 लाख रुपये अलग-अलग जगह से आए थे। टीम ने हरिद्वार से खाताधारक अंकित राठी को गिरफ्तार किया। अंकित ने बताया कि वह अपने दोस्त सुधीर के कहने पर बैंक खाता मुहैया कराता था। पुलिस ने शनिवार को सुधीर को बागपत से गिरफ्तार कर लिया। सुधीर ने बताया कि उसे फेसबुक पर किसी ने बैंक खाता देने पर दस हजार रुपये प्रति माह किराया या फिर कमीशन देने का झांसा दिया था। वह दो साल से यह काम कर रहा था। फिलहाल पुलिस गिरोह के सरगना की तलाश कर रही है।

विधानसभा का घेराव करेंगे दिल्ली के गेस्ट टीचर, यह है टीचरों की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी मांगों को लेकर 21 मार्च को दिल्ली के सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले गेस्ट टीचर विधानसभा का घेराव करेंगे. ऑल इंडिया गेस्ट टीचर्स एसोसिएशन जनरल सेक्रेटरी शोएब राणा ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कार्यरत गेस्ट टीचर्स ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में अपने जीवन का बहुमूल्य समय दिया है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 8 साल पहले गेस्ट टीचर्स को पक्का करने का वादा किया था, लेकिन आज तक 1 भी गेस्ट टीचर को पक्का नहीं किया गया है. समान कार्य समान वेतन देने का वादा किया, लेकिन आज तक किसी भी गेस्ट टीचर को समान कार्य समान वेतन नहीं दिया गया.

एक नजर

मथुरा में पारिवारिक जमीनी विवाद में ढाबा संचालक की गोली मारकर हत्या, मामला दर्ज

मथुरा/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के हाईवे थाना क्षेत्र में स्थित एक ढाबा संचालक की कथित तौर पर पारिवारिक जमीनी विवाद में गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मार्तंड प्रकाश सिंह ने रविवार को बताया कि हाईवे थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के लाखन सिंह (42) जब शनिवार की रात में सौंख रोड स्थित अपने ढाबे पर बैठे थे, तभी बाइक सवार तीन नकाबपोश वहां पहुंचे और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। प्रकाश सिंह ने बताया कि एक गोली लाखन सिंह के सीने में लगी और वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गए। उनके अनुसार इसके बाद हमलावर फायर करते हुए भाग गये।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लाखन सिंह को उनके परिजन अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर मृतक के भाई सुरेंद्र सिंह की तहरीर पर उनकी बुआ इंदिरा, चाचा नरपत सिंह एवं दो चचेरे भाइयों बंटी एवं हिमांशु के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश शुरु कर दी है।

उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों में पांच बीघा जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि मामले में नामजद बंटी एवं एक अन्य ग्रामीण को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

यूपी में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल खत्म

लखनऊ/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अपनी मांगों को लेकर गुरूवार रात से आंदोलतरत बिजली कर्मचारियों ने सरकार से मिले आश्वासन के बाद रविवार शाम हड़ताल वापस लेने का ऐलान किया।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के साथ हुयी बैठक के बाद उत्तर प्रदेश विद्युत संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने सशर्त हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। अधिकृत सूत्रो ने बताया कि ऊर्जा मंत्री ने संघर्ष समिति को आश्वासन दिया कि हड़ताल के दौरान कर्मचारियो के खिलाफ की गई संपूर्ण कार्रवाई को वापस लिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने यूपीपीसीएल के चेयरमैन को निर्देशित भी किया कि अब तक कर्मचारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई में चाहे एफआईआर हो, निलंबन हो या अन्य किसी प्रकार की कार्रवाई की गई हो, इसे शीघ्र ही वापस लिया जाएगा। संघर्ष के अन्य मुद्दों पर विचार करने के लिए आने वाले समय में बातचीत के माध्यम से हल किया जायेगा।

श्री शर्मा ने संघर्ष समिति के पदाधिकारियों से भी कहा है कि प्रदेश में जहां कहीं भी विद्युत आपूर्ति बाधित हो, उसे शीघ्र संचालित किया जाए और जो भी कर्मचारी कार्यस्थल पर न हो, वह कार्यस्थल पर जाकर अपनी ड्यूटी करें।

गौरतलब है कि बिजलीकर्मियों ने 13 सूत्रीय मांगों को लेकर ऊर्जा मंत्री पर समझौते के उल्लघंन का आरोप लगाते हुये गुरूवार रात दस बजे से 72 घंटे की हडताल का ऐलान किया था। हड़ताल से प्रदेश की विद्युत व्यवस्था चरमरा गयी थी और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस दौरान सरकार ने संविदाकर्मियों की सेवायें खत्म करने के साथ 22 कर्मचारियों के निलंबन की भी कार्रवाई की और कई कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करायी गयी मगर बिजलीकर्मी टस से मस नहीं हुये। हड़ताल की वापसी से विद्युत व्यवस्था के जल्द पटरी पर लौटने की उम्मीद है जिसे जनता को बिजली न होने के कारण हो रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।

सपा 'बिजली व्रत' करेगी, जनता का साथ देगी : अखिलेश यादव

लखनऊ/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के विद्युत कर्मियों की बृहस्पतिवार की रात से जारी हड़ताल की पृष्ठभूमि में रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों से बिजली के वैकल्पिक साधनों का उपयोग नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि सपा 'बिजली व्रत' करेगी और जनता का साथ देगी। गौरतलब है कि बिजली कंपनियों में चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के चयन तथा कुछ अन्य मुद्दों को लेकर उत्तर प्रदेश के विद्युत कर्मियों ने बृहस्पतिवार रात से तीन दिन हड़ताल शुरू की है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने रविवार को ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश की जनता जिस तरह बिजली संकट से जूझ रही है, उसे देखते हुए हम यह अपील करते हैं कि सपा के नेतागण, कार्यकर्ता व शुभचिंतक बिजली आपूर्ति सामान्य होने तक इन्वर्टर या जेनरेटर जैसे बिजली के वैकल्पिक साधनों का व्यक्तिगत रूप से उपयोग ना करें।'' उन्होंने आगे लिखा है, ''सपा 'बिजली-व्रत' करेगी और जनता का साथ देगी। इस बीच राज्यासभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी और उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने संयुक्त रूप से प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि इसे प्रतिष्ठा का प्रश्नस न बनाकर तत्काल बिजली विभाग के हड़ताली कर्मचारियों से वार्ता करनी चाहिए और अतीत में जो समझौते हुये हैं उनका अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए, क्योंकि मंत्री व अधिकारी बदलते रहते हैं किंतु सरकार एक सतत व निरंतर प्रक्रिया है। तिवारी और मिश्रा ने रविवार को जारी एक साझा बयान में यह जानकारी दी। नेता ने कहा, ''यह आम चर्चा थी कि बिजली विभाग को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है इससे बिजली विभाग के कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना जागृत हुई है। हमारा सुझाव है कि बिजली विभाग का निजीकरण न किया जाए, क्योंकि जिन- जिन राज्यों में बिजली विभाग का निजीकरण हो रहा है वहां उपभोक्ताओं के लिये बिजली महंगी हो जाती है।''

छेड़छाड़, हत्या के प्रयास के मामले में पूर्व सपा विधायक पर प्राथमिकी दर्ज

एटा/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश में एटा जिले के मलावन थानाक्षेत्र में पुलिस ने कथित तौर पर एक व्यक्ति को जान से मारने के प्रयास, जमीन पर अवैध कब्जा और उसकी पत्नी से छेड़छाड़ के मामले में एक वर्ष बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव, उनके भाई पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेन्द्र सिंह यादव एवं चार अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आसपुर ग्राम में एक वर्ष एक माह पूर्व घटी छेड़छाड़, मारपीट, जान से मारने का प्रयास, जमीन पर अवैध कब्जा की घटना का हवाला देते हुए भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत शनिवार रात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। कोतवाली मलावन के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) देवेन्द्र नाथ मिश्रा ने बताया कि लाल डुंडवारा गांव के संजू की तहरीर पर शनिवार शाम मामला दर्ज किया गया। तहरीर में संजू ने आरोप लगाया है कि 11 फरवरी 2022 को सपा के कद्दावर दबंग नेता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव तथा उनके बड़े भाई पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव एवं भतीजे प्रमोद यादव तथा सुबोध यादव एवं दो अन्य लोगों ने उसके तथा उसकी पत्नी के साथ मारपीट की थी, उसकी पत्नी को अर्धनग्न कर दिया एवं उसकी जबरन हत्या का प्रयास किया।तहरीर के अनुसार संजू बमुश्किल वहां से अपनी जान बचा कर भाग गया, नहीं तो वे लोग उसकी हत्या कर देते। संजू ने बताया कि पूर्व विधायक और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के जेल में होने की वजह से वह इतने लंबे समय बाद तहरीर देने की हिम्मत जुटा पाया। रामेश्वर और जुगेंन्द्रम दोनों विभिन्न आपराधिक मामलों में जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ अनेक मामले दर्ज हैं।

ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल आफ ट्रेड यूनियंस एक्टू संबंध आशा वर्कर्स यूनियन ने कमिश्नर कार्यालय झांसी पर किया प्रदर्शन

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः जालौन ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस एक्टू संबंध आशा वर्कर्स यूनियन उत्तर प्रदेश के बैनर तले आशाओं और संगिनियोंने योगी वकाया आशाओं का भुगतान करना होगा करना होगा। 6 माह का मानदेय बकाया देना होगा। आशा संगिनी यों को न्यूनतम वेतन लागू करो। महिलाओं पर अत्याचार बंद करो बंद करो बुलडोजर राज की आड़ में अत्याचार बंद करो बुलडोजर से महिला और बच्चियों की हत्या पर योगी तुम्हें जवाब देना होगा। जोरदार नारेबाजी करते हुए मंडलायुक्त मंडल झांसी कार्यालय पर पिछले दौर से चल रही आशाओं की हड़ताल प्रदर्शन धरना के बाद भी उनके जायज हक और अधिकार के ऊपर चौतरफा हमला करने वाला शासन और प्रशासन के बीच हो रहे भ्रष्टाचार और लूट के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल आफ ट्रेड यूनियंस एक्टूके राष्ट्रीय पार्षद प्रांतीय उपाध्यक्ष कामरेड राम सिंह चौधरी ने कहा, प्रदेश भर में आशा और संगिनी का 6 माह का संपूर्ण मानदेय बकाया है प्रोत्साहन राशि व संगिनी बहनों का 11,000 प्लस 6700

अन्य कार्यों का बकाया देय सरकारी जुमला ही साबित हुआ है।

बरसों से कुष्ठ रोग टीवी खसरा रूबेला फाइलेरिया आयुष्मान कार्ड बनाने जैसी कार्यों में अलग से समकालीन कार्यों में किए गए नियोजन की कोई प्रोत्साहन राशि आज तक भुगतान नहीं की गई। कोविट प्रोत्साहन राशि के राजयांस रुपया 12000 में पूरी लापरवाही से 2000 एवं 4000 पूरे प्रदेश में बीसीपीएम प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों ने बेखौफ लूट लिए आश्चर्य है कि, एनएचएम स्टेट की निदेशक स्वास्थ्य सचिव स्वास्थ्य मंत्री मुख्यमंत्री और लगभग हर जिले के अधिकारियों से इसकी शिकायत रोक लगाए जाने की मांग जब तक भूमिका बांधी जा रही थी, तभी से शिकायत की जाने लगी थी किंतु 55 से 70 करोड़ की लूट बिना सरकारी संरक्षण के संभव नहीं थी इतने बड़े भ्रष्टाचार के बाद भी आज आशाओं का संगिनी यों का भारी पैमाने पर शोषण और उत्पीड़न किया जा रहा है। आंदोलन करने पर जगह जगह प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें निकालने की धमकी नहीं बहुत सारी आशाओं को कार्यक्षेत्र से बाहर किया जा चुका है उपर्युक संदर्भों को लेकर आज आशाओं का सगिनियों का यह प्रदर्शन केवल मांगों तक ही सीमित नहीं है। वह आशा जो हिंदुस्तान के अंदर कुरो ना कॉल में अपने परिवार अपने बच्चों की परवाह किए बिना अपनी जान हथेली पर रखकर लोगों की जान बचाने कि कार्य में लगी हुई थी। तब इसी सरकार ने उन्हें हिंदुस्तान का बेस्ट फाइटर का खिताब जैसे जुमलेबाजी की थी आज काम निकलने के बाद आशाओं के साथ मानसिक शारीरिक उत्पीड़न की घटनाओं का पूरे प्रदेश भर में शोर है उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन जनपद जालौन की अध्यक्ष राजकुमारी ने कहामहिलाओं के साथ एक तरफ बच्चियों के साथ बलात्कारों की घटना दूसरी तरफ महिलाओं के साथ बढ़ रहे अत्याचार यूपी सरकार में चरम पर है।

आशाओं संगठनों की सुरक्षा की बात तो छोड़िए उनके उत्पीड़न की घटनाओं ने योगी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। न्यूनतम वेतन की मांग बकाया भुगतान की मांग करने पर तरह-तरह से प्रताड़ित करने की घटनाओं ने योगी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया प्रदर्शन करने पर निकालने की धमकी के साथ ही शारीरिक मानसिक उत्पीड़न काम के दौरान उत्पीड़न की घटनाओं ने शासन-प्रशासन के कार्यों की निंदा करते हुए जगह-जगह आंदोलन करने के बाद भी नीचे कोई सुधार की संभावना नहीं दिख रही है ऐसे में आशा और सगिनियों का यह आंदोलन मजदूर आंदोलन की एक नई दिशा तय करेगा 44 श्रम कानूनों को समाप्तकरने के बाद चार श्रम कोड के जरिए निजी करण नए स्वास्थ्य सेवा ओं पर हमला तेज कर दिया है इस काम में भी ठेकेदारी और प्रशासनिक तानाशाही को जन्म दिया।

अमेठी कलेक्ट्रेट में तैनात सिपाही ने गोलीबारी की, एसपी ने जांच के आदेश दिये

अमेठी/ एजेंसी। अमेठी कलेक्ट्रेट में निर्वाचन कार्यालय में ड्यूटी पर तैनात सिपाही मुकेश कुमार द्वारा रविवार को कथित तौर पर अधिवक्ताओं के चैंबर की तरफ सरकारी राइफल से तीन चक्र गोली चलाने का मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि अभी दो दिन पहले ही सिपाही मुकेश अवकाश से वापस आया था और रविवार दोपहर बाद उसने सरकारी राइफल से अधिवक्तासओं के चैम्बर की तरफ तीन राउंड फायरिंग की। उन्होंने बताया कि छुट्टी की वजह से बड़ी घटना टल गई। उन्होंने बताया कि सिपाही मुकेश कुमार की अमेठी कलेक्ट्रेट के निर्वाचन भवन में तैनाती थी।

अमेठी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) इलामारन ने बताया कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जांच रिपोर्ट आने के बाद सिपाही मुकेश के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

मुठभेड़ में दबोचे छह बदमाश, तीन के पैर में लगी गोली

मुजफ्फरनगर / एजेंसी। मुजफ्फरनगर के तितावी व रामराज पुलिस ने मुठभेड में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। तीन बदमाश पैर में गोली लगने पर घायल हुए हैं। तितावी पुलिस ने बुलेरो पिकअप सवार बदमाशों से लूटी हुई लोहे की प्लेट व अवैध हथियार बरामद किए हैं।

एसपी देहात अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि तितावी क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल में प्रयोग के लिए रखी लोहे की 70 प्लेट वहां चौकीदार को बंधक बनाकर लूटी थी। सूचना पाकर चार बदमाशों ईनाम निवासी मौहल्ला मुर्स्तक कस्बा मीरापुर, आस मौहम्मद निवासी निराना थाना सिखेड़ा व फुरकान निवासी खालापार व मोनिश निवासी निधि कालौनी सुजडू को गिरफ्तार किया।

इनमें ईनाम व आस मौहम्मद पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं। उनसे लूटी लोहे की प्लेट व तमंचे तथा बुलेरो पिकअप बरामद हुई हैं। इसके अलावा रामराज पुलिस की जमालपुर गांव के जंगल में दो बदमाशों के साथ मुठभेड हो गई। एक बदमाश थाना सिखेडा के गांव बिहारी निवासी कलीम पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके दूसरे साथी नसीरपुर नई मंडी कोतवाली निवासी शमशाद को भी पकडा गया है। दोनों से तमंचे व बाइक बरामद हुई है। दोनों लूट के इरादे से घूम रहे थे।

बिजनौर में गुलदार के हमले के कारण महिला की मौत

बिजनौर / एजेंसी। बिजनौर जिले के काजीवाला गांव के पास जंगल में गई एक महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गयी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि नगीना थानाक्षेत्र के गांव काजीवाला में मिथलेश देवी (40) जंगल में शनिवार सुबह शौच के लिए गयी थी तभी गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हमले के कारण गंभीर रूप से घायल हुई मिथलेश की मौत हो गयी। एक माह पहले ही इस क्षेत्र के किरतपुर गांव में 14 वर्षीय अदिति की भी गुलदार के हमले में मौत हो गयी थी। शर्मा ने बताया कि गुलदार को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

'कृषक संगम' में बोले RSS प्रमुख मोहन भागवत

रासायनिक खेती छोड़कर गौ आधारित खेती अपनाएं किसान

मेरठ/ एजेंसी। हस्तिनापुर में चल रहे जैविक कृषि 'कृषक संगम' के दूसरे दिन किसान गोष्ठी के तीसरे दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत आज किसानों को संबोधित करेंगे। इससे पहले उन्होंने ऐतिहासिक नगरी के प्राचीन स्थलों के दर्शन किए। नगरी में मौजूद प्राचीन स्थलों का भ्रमण कर विधि विधान से पूजा-अर्चना की।

मेरठ के हस्तिनापुर, जंबूद्वीप में चले तीन दिवसीय कृषि संगम में रविवार को आखिरी दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रासायनिक खेती छोड़कर गौ आधारित खेती अपनाएं। खेती का यह परिवर्तन देश के लिए नहीं पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है। पूरे भारतवर्ष के लिए आवश्यक है। भारतवर्ष का मतलब पूरी दुनिया के लिए। खेती की हमारी परंपरा 10000 सालों से चल रही है। खेती सुधार कर ऐसा जीवन जीना पड़ेगा जो दुनिया के लिए मार्गदर्शक का काम करेगा। समाज में परिवर्तन लाना है और भारत दुनिया को यह देना चाहता है और लोग दुनिया को भी भारत से लेना चाहती है।

रसायन वाली खेती करने से रसायन हमारे अंदर जा रहे हैं और बीमार कर रहे हैं। हमारे पास खेती करने का सही रास्ता है और हमें उस रास्ते पर चलना होगा। तात्कालिक उपज की वजह से वायु, जल और पृथ्वी विषैले हो रहे हैं। ऐसा हमें अपने लंबे अनुभव से पता चल चुका है। भूमि का दोहन करें, उसे विषैला में बनाएं। उन्होंने किसानों को जैविक खेती का महत्व बताया। सर संघचालक ने मोती धनष मंडप हस्तिनापुर में किसानों को गौ आधारित खेती का संदेश दिया। दोपहर 3:24 बजे उनका संबोधन शुरू हुआ। इससे पहले उन्होंने जंबूद्वीप में ही किसानों से मुलाकात और अंतरिम सेशन लिया।

भारतीय किसान संघ के तत्वाधान में हस्तिनापुर में चल रहे तीन दिवसीय गौ आधारित जैविक कृषि कृषक सम्मेलन कार्यक्रम में तीसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉक्टर मोहन भागवत ने महाभारत कालीन ऐतिहासिक नगरी में मौजूद प्राचीन स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने सबसे पहले महाभारत कालीन प्राचीन पांडेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की और प्राचीन मंदिर में स्थित शिवलिंग का महत्व जाना। आचार्य मुकेश शांडिल्य ने उन्हें प्राचीन जयंती माता शक्तिपीठ और प्राचीन पांडेश्वर महादेव मंदिर के प्राचीन महत्व को बताया।

राहुल गांधी विदेशों से मदद मांगनवाले 'देशद्रोही' : रवि किशन

बलिया/ एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी से गोरखपुर सांसद रवि किशन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'देशद्रोही' करार देते हुए उनपर देश को तोड़ने के लिए विदेशी ताकतों से मदद मांगने का आरोप लगाया है।

जिले के सहतवार कस्बे में शनिवार की रात्रि एक होली मिलन समारोह से इतर संवाददाताओं से बातचीत में भोजपुरी सिने स्टार रवि किशन ने बिना किसी का नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा,÷इन सभी लोगों को पंद्रह बीस साल में हिमालय चला जाना चाहिए। राहुल जी व अखिलेश जी को आत्म चिंतन की सख्त जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि राहुल बाबू विदेश में जाकर हमारे देश का गला घोंट रहे हैं। आज विश्व के नेता आकर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति व भारत की तारीफ कर रहे हैं। वहीं राहुल जी वह कार्य कर रहे हैं, जिसे हम 'देशद्रोह' कह सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल जी अपने देश को तोड़ने के लिए विदेशी ताकतों से मदद मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये कूटनीति व अलगाव वाली सोच बड़ी घातक है। इसीलिए सदन में हम लोग उनसे माफी मांगने की मांग कर रहे हैं। उनको देश कि जनता से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा सांसद ने कहा कि उन्होंने (राहुल गांधी) सबसे बड़ा पाप किया है। महादेव भी उनको माफ नहीं करेंगे।

वहीं सूबे की योगी सरकार के हिंदुओं की आस्था से जुड़े पर्व चैत्र नवरात्रि के दौरान प्रदेश के देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में दुर्गा सप्तशती का पाठ, देवी गायन, देवी जागरण, झांकियों व अखंड रामायण पाठ का आयोजन करने के लिए हर जिले को एक-एक लाख रुपये उपलब्ध कराने को भाजपा सांसद ने ऐतिहासिक करार दिया है।

मध्याह्न भोजन में बाजरा शामिल करेगा यूपीः मंत्री

लखनऊ/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि अब स्कूलों में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में बाजरा को शामिल किया जाएगा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लोगों को भी उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाजरे की खेती, उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसके माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा, मध्याह्न भोजन में बाजरे को शामिल करके हम बच्चों को दिए जा रहे पोषण को बढ़ाना चाहते हैं और बाजरा के लिए उनके स्वाद विकसित करने में भी मदद करना चाहते हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार मृदा स्वास्थ्य और लोगों की बेहतरी के लिए भी काम कर रही है।

शाही ने कहा, उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है और क्षेत्रफल की दृष्टि से चौथा सबसे बड़ा राज्य है और राज्य की भूमि मोटे अनाज की खेती के लिए उपयुक्त और अनुकूल है। वर्तमान में यूपी में 12 लाख हेक्टेयर भूमि मोटे अनाज की खेती के अधीन है जो इन अनाजों का 19 लाख मीट्रिक टन उत्पादन करती है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार श्री अन्ना कायाकल्प कार्यक्रम चला रही है।

अहमद इकबाल हॉस्पिटल एंड डायलिसिस यूनिट का हुआ उद्घाटन

गोरखपुर / एजेंसी। अहमद इकबाल हॉस्पिटल एंड डायलिसिस यूनिट अबू बाजार उच्छवास के उद्घाटन के मौके पर गोरखपुर शहर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक एवं साहित्यकार डॉ अजीज अहमद ने फीता काटकर के हॉस्पिटल एवं डायलिसिस यूनिट का उद्घाटन किया ।

इस अवसर पर एक सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया डॉक्टर सारिका इकबाल ने बताया कि इसका उद्देश्य समाज में दिए जा रहे लोगों के निरंतर योगदान के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना है ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अजीज अहमद ने कहा कि पृथ्वी पर ईश्वर का दूसरा स्वरूप होता है डॉक्टर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री पुष्पदंत जैन ने कहा कि डॉक्टरों को निस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए विशिष्ट अतिथि के रूप में सौहार्द शिरोमणि

डॉक्टर सौरभ पांडेय, भगवती प्रसाद जालान,संजय सिंघानिया,मनीष चंद्र वासियों, सूर्य प्रकाश पांडेय ने भी संबोधित किया

इस अवसर पर डॉक्टर संजीव गुलाटी,सरदार जसपाल सिंह, राकेश श्रीवास्तव,शिवेंद्र पांडेय, डॉक्टर पी एन सिंह,फादर राय,हसन जमाल उर्फ बबुआ भाई,आमिर सामानी,सेराज कुरैशी,ताहिर अली सब्जपोश, डॉक्टर आफताब,डॉ सदरूद्दीन वारसी,प्रमोद कुमार चोखानी, शहाब अंसारी काजी कलीम उल हक,सैय्यद आसिफ राऊफ,विजय बहादुर यादव , रूप रानी,डॉक्टर राशिद हुसैन,अमरनाथ जयसवाल, रवि प्रकाश गुप्ता,पल्लवी पांडेय, डॉक्टर आजम बेग,डॉक्टर जावेद, डॉक्टर मुकर्रम, डॉक्टर अखिलेश मिश्रा,डॉक्टर इमरान अख्तर,डॉक्टर नदीम अरशद , डॉक्टर रहमत अली, डॉ अजहर अली,डॉ मुजीब,डॉ शाहनवाज,डॉ मिर्जा आरिफ,डॉ तारीक, डॉक्टर मुनव्वर आदि को सम्मानित किया गया

❍ पृथ्वी पर ईश्वर का दूसरा स्वरूप होता है डॉक्टरः डॉ अजीज अहमद

❍ डॉक्टरों को निस्वार्थ भाव से करनी चाहिए सेवा : पुष्पदंत जैन

इस अवसर पर यासिर सामानी,मोहम्मद आकिब अंसारी,हाजी जलालुद्दीन कादरी,आरिफ सामाननी, डॉक्टर दिलशाद गोरखपुरी,आदिल अमीन,अनीश एडवोकेट ,शफी अंसारी, ताहिर अमीन, कुलदीप पाण्डेय आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मुर्तुजा हुसैन रहमानी ने किया । सभी को अपना कीमती समय देने के लिए कार्यक्रम के संयोजक आसिफ इकबाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

CAPF में पिछले तीन वर्षों में 436 जवानों ने की आत्महत्या: सरकार

एनसीआर समाचार

पिछले तीन वर्षों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) और असम राइफल्स (अफ) में चार सौ छत्तीस कर्मियों ने आत्महत्या की है। उक्त अवधि के दौरान सीआरपीएफ (154) में सबसे अधिक आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जबकि बीएसएफ से 111 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, गृह मंत्रालय (MHA) ने बुधवार को राज्यसभा को सूचित किया।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि प्रासंगिक जोखिम कारकों के साथ-साथ प्रासंगिक जोखिम समूहों की पहचान करने और सीएपीएफ और एआर में आत्महत्या और भ्रातृहत्या की रोकथाम के लिए उपचारात्मक उपायों का सुझाव देने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। टास्क फोर्स की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

द इंडियन एक्सप्रेस के रिपोर्ट्स के मुताबिक उप-समूहों के बीच भेदभाव, दुर्व्यवहार का सदमा, कार्यस्थल पर धमकाना, अनुशासनात्मक या कानूनी कार्रवाई शुरू करने का डर, कंपनी कमांडर और जवानों के बीच संचार की कमी कुछ कारण बताए गए थे। सीएपीएफ में आत्महत्या और भ्रातृहत्या के मामलों को देखने के लिए गठित एक टास्क फोर्स द्वारा।

इस टास्क फोर्स का गठन गृह मंत्रालय द्वारा घटनाओं का अध्ययन और विश्लेषण करने और एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने के लिए किया गया था। जनवरी में गृह मंत्रालय को सौंपी गई अपनी मसौदा रिपोर्ट में, टास्क फोर्स ने तीन प्रमुख कारकों - सेवा की स्थिति, काम करने की स्थिति और व्यक्तिगत / व्यक्तिगत मुद्दों को पाया - जिसके कारण आत्महत्या और भाईचारे की घटनाएं हुईं।

आत्महत्या की घटनाओं का आंकड़ा साझा करते हुए राय ने कहा कि सीआरपीएफ में हुई 154 घटनाओं में से 2020 में 54 जवानों ने आत्महत्या की, 2021 में 57 और पिछले साल 43 जवानों ने आत्महत्या की. उन्होंने कहा, बीएसएफ [सीमा सुरक्षा बल] में आत्महत्या की 111 घटनाओं में से 30 कर्मियों ने 2020 में आत्महत्या की, 44 ने 2021 में और 37 ने 2022 में आत्महत्या की।

उक्त्रऋ केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल] में, 2020 में 18, 2021 में 21 और 2022 में 24 कर्मियों ने आत्महत्या की। जबकि रइ [सशस्त्र सीमा बल] में, 18 कर्मियों ने 2020 में आत्महत्या की, 2021 में नौ और पिछले वर्ष 13 कर्मियों ने आत्महत्या की। . ITBP [भारत तिब्बत सीमा पुलिस] में, 2020 में 13 कर्मियों ने, 2021 में 10 और पिछले वर्ष नौ कर्मियों ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) में रहते हुए, 2020-23 से हर साल दो कर्मियों की आत्महत्या हो जाती है।

आत्महत्या के कारणों में, टास्क फोर्स ने काम के विस्तारित घंटे, आराम और मनोरंजन के लिए अपर्याप्त समय, अन्य क्षेत्रों के अपने समकक्षों की तुलना में नौकरी से संतुष्टि की कमी, अलगाव की भावना और सामाजिक और पारिवारिक समर्थन की कमी की पहचान की, और कमी दर्ज की। मजबूत शिकायत निवारण तंत्र," मसौदा रिपोर्ट से विवरण का हवाला देते हुए एक स्त्रोत ने कहा।

राय ने कहा कि सीएपीएफ, एआर और एनएसजी कर्मियों के बीच आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों में सीएपीएफ, एआर और एनएसजी कर्मियों के स्थानांतरण और छुट्टी से संबंधित पारदर्शी नीतियां शामिल हैं। कठोर क्षेत्र में कर्मियों की सेवा के बाद चॉइस पोस्टिंग संभव मानी जाती है। ड्यूटी के दौरान चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती होने की अवधि को ड्यूटी पर माना जाता है

उठाए गए/उठाए जा रहे अन्य कदमों को सूचीबद्ध करते हुए, राय ने कहा, सैनिकों के रहने की स्थिति में सुधार, पर्याप्त मनोरंजन/मनोरंजन, खेल, संचार सुविधाएं आदि प्रदान करना। महिला कर्मचारियों की सुविधा के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों में क्रेच सुविधा भी प्रदान की जाती है (जहां भी संभव हो) कतिपय दुर्गम क्षेत्रों (परिवार को समायोजित करने के लिए) में पदस्थापित रहते हुए अंतिम पदस्थापन के स्थान पर सरकारी आवास का रख- रखाव, बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं तनाव प्रबंधन का रख-रखाव, मनोवैज्ञानिक चिन्ताओं को दूर करने के लिए विशेषज्ञों से वार्ता करना तथा नियमित रूप से साधना करना और बेहतर स्वास्थ्य के लिए योग।

मेरठ के एक युवक को मिला बॉलीवुड फिल्म के बाद वेब सीरीज में काम करने का सुनहरा मौका

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः जिला मेरठ के एक छोटे से गांव रोहटा-मीरपुर निवासी अभिनेता महबूब अली को एक और बॉलीवुड फिल्म के बाद वेब सीरीज "मसीहा" में एक किरदार की भूमिका को निभाने का मौका मिला।

इसमें मुख्य भूमिका के तौर पर जाने-माने चेहरे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय आनन्द, शोएब चौधरी, संवेदना सुवालका और आदि कलाकार काम कर रहे हैं जो पहले काफी फिल्मों और नाटकों में काम कर चुके है।

इस वेब सीरीज के निमार्ता शोएब चौधरी है जिन्होंने काफी फिल्मों, नाटकों और डॉक्यूमेंट्री को प्रोडयूस किया है` इसके डायरेक्टर अरशद खान और कैमरा मेन - दुर्गेश है। काफी बातचीत के दौरान हमें पता चला है कि इसका आधे से ज्यादा भाग उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में ही शूट किया गया, शेष भाग मुंबई में ही शूट होगा। एक्टर महबूब अली ने हमें बताया कि, थियेटर और कैमरा एक्टिंग ट्रेनिंग लेने के बाद मैंने काम पाने के लिए काफी जगह ऑडिशन दिए, समय लगा पर धीरे- धीरे मुझे काम मिलना शुरू हुआ, लेकिन काम पाने के लिए मैंने अपना धैर्य और आत्मविश्वास नहीं खोया मैं लगातार ऑडिशन देता रहा जिसकी वजह से मुझे उसके परिणाम भी नजर आए।

क्या भारत-पाकिस्तान के बीच फिर शुरू होंगे व्यापारिक रिश्ते?

जानिए पाक में भारतीय उच्चायुक्त ने क्या कहा

एनसीआर समाचार

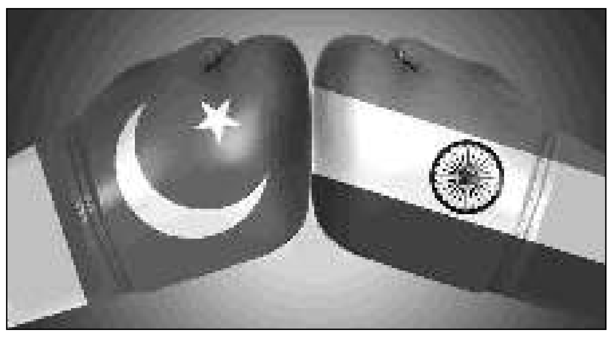

भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, भारत हमेशा पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध स्थापित करना चाहता है। क्योंकि हम अपना भूगोल में बदलाव नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंधों की ओर बढ़ना चाहते हैं। हमने पाकिस्तान के साथ व्यापार भी बंद नहीं किया। पाकिस्तान ने ही व्यापार संबंध बंद कर दिए हैं।

पाकिस्तान में भारत के उप उच्चायुक्त सुरेश कुमार ने शुक्रवार को लाहौर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एलसीसीआई) को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ किया कि भारत की ओर से पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध कभी खत्म नहीं किए गए। उन्होंने यह भी कहा कि हम व्यापार संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

खबरों के मुताबिक भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, भारत हमेशा पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहता है क्योंकि हम अपना भूगोल नहीं बदल सकते। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंधों की ओर बढ़ना चाहते हैं। हमने पाकिस्तान के साथ व्यापार भी बंद नहीं किया। पाकिस्तान ने ही व्यापार संबंध बंद कर दिए हैं। इसके साथ ही कुमार ने कहा, यह देखना अहम्‍ होगा कि हम अपनी समस्याओं और स्थितियों को अच्छे रूप में कैसे बदल सकते हैं।

बता दें कि 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार निलंबित कर दिया था और इस्लामाबाद में अपने उच्चायुक्त को निष्कासित कर दिया था।

भारत ने कहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है। भारत की ओर से इस बात पर जोर दिया गया कि पाकिस्तान को आतंकवाद खत्म करना चाहिए और आतंकियों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। यह सुनिश्चित करना पाकिस्तान का काम है।

कोरोना के कारण वीजा की संख्या में गिरावट आई है

कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय दूतावास द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या में गिरावट आई है।

कुमार ने कहा कि भारत सरकार पाकिस्तानियों को चिकित्सा और खेल वीजा भी जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि वे दिन गए जब कूटनीति राजनीतिक रिपोर्टों के संकलन पर ध्यान केंद्रित करती थी। उन्होंने कहा कि आज की कूटनीति पर्यटन, व्यापार और प्रौद्योगिकी के इर्द-गिर्द घूमती है, क्योंकि पैसे की अपनी भाषा होती है।

एलसीसीआई के अध्यक्ष काशिफ अनवर ने कहा कि आम तौर पर यह सोचा जाता था कि भारत और पाकिस्तान के बीच आर्थिक संबंधों में सुधार एक मुश्किल काम है। जिसके लिए हमे कई राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक कारकों को संबोधित करने की जरुरत है।

उन्होंने कहा, हमारा विचार है कि भारत और पाकिस्तान के बीच आर्थिक संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है। यानी व्यापारिक संबंधों को सामान्य करना। इससे समान रूप से दोनों देशों को आर्थिक लाभ होगा।

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ उद्घाटन

एनसीआर समाचार

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन हुआ। रीसेंट एडवान्सेज इन कैमिकल साइंसेज विषय पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ कुलपति माननीय प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने किया। मंच पर गौर अतिथि के रूप में आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मानस के धोरई, रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष प्रोफेसर एपी मिश्रा, डायरेक्टर आर एंड डी प्रो हरेल थामस और संयोजक कल्पतरू दास उपस्थित थे '

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने देश की प्रगति में विज्ञान के योगदान को याद दिलाते हुए। विश्व स्तरीय रिसर्च के लिये हरसंभव योगदानकी बात कही, प्रो धोरई ने कहा कि हमें वैज्ञानिक के रूप में समाज के विकास में योगदान देना चाहिये। अतिथियों का स्वागत प्रो विजय वर्मा, डॉ. विवेक तिवारी, डॉ रत्नेश दास, डा. नीरज, डा रितु यादव ने किया।आज सेमिनार के तीन सत्रों का समापन हुआ जिसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ और शोध छात्रों ने अपना प्रेजेंटेशन दिया। टेक्निकल सेशन फर्स्ट में चेयरपर्सन प्रो एपी मिश्रा और प्रो अस्मिता गजभिए थे, कीनोट स्पीकर प्रोफेसर एमके धोराई आईआईटी कानपुर,आमंत्रित व्याख्यान प्रोफेसर प्रसनजीत मॉल (नाइजर भुवनेश्वर) प्रो ए विसाई (आईसर), प्रो एसएसबी रामशास्त्री (आईसर मोहाली) रहे।

बेंगलुरु की एक कंपनी ने कंपनी ने वर्ल्ड स्लीप डे पर आधिकारिक छुट्टी की घोषणा

सरप्राइज हॉलिडेः एनाउंसिंग द गिफ्ट ऑफ स्लीप" कर्मचारियों को भेजे गए मेल का शीर्षक था। हमारे ग्रेट इंडियन स्लीप स्कोरकार्ड के 6वें संस्करण से पता चलता है कि 2022 से काम के घंटों के दौरान नींद महसूस करने वाले लोगों में 21% की वृद्धि हुई है और थके हुए जागने वाले लोगों में 11% की वृद्धि हुई है। नींद की कमी के प्रसार को देखते हुए, स्लीप डे मनाने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है। नींद का तोहफा?" कंपनी ने अपने कर्मचारियों को लिखा।

स्टार्टअप ने अपने कर्मचारियों से आगे अनुरोध कियाः "नींद के प्रति उत्साही के रूप में, हम स्लीप डे को एक त्योहार मानते हैं, खासकर जब यह शुक्रवार को पड़ता है। आप एचआर पोर्टल के माध्यम से किसी भी अन्य छुट्टी की तरह इस छुट्टी का लाभ उठा सकते हैं।" उठा सकते हैं।" कर सकते हैं

हालाँकि, यह पहली बार नहीं है जब कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए कुछ असामान्य लेकिन उपयोगी घोषणा की है। पिछले साल, कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए "झपकी लेने का अधिकार" नीति की घोषणा की, जिसने सभी कर्मचारियों को अपने काम के दौरान 30 मिनट की झपकी(छोटी नींद) लेने की इजाजत दी थी।

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से आपूर्ति ठप, कई शहरों में गहराया संकट

एनसीआर समाचार

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि बातचीत का रास्ता खुला है। गुरुवार रात 11 बजे के बाद नेशनल ग्रिड से जुड़े कार्यालय में मामला दर्ज कर व्यवस्था ठप करने का प्रयास करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में कर्मचारियों की हड़ताल से बिजली आपूर्ति चरमरा गई है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और मेरठ समेत कई शहरों में हड़ताल के पहले ही दिन जबरदस्त संकट खड़ा हो गया। गोरखपुर और कानपुर की फैक्ट्रियों में औद्योगिक उत्पादन ठप हो गया। राजधानी लखनऊ का करीब एक चौथाई बिजली संकट की चपेट में रहा। इस मामले में हाईकोर्ट भी सख्त हो गया है। उन्होंने कार्यकर्ता नेताओं को तलब किया है। वहीं सरकार ने हड़ताल को लेकर कड़ा रुख अख्तियार किया है। बिजली आपूर्ति बहाल करने में सहयोग नहीं करने वाले कई कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। साथ ही एजेंसियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई थी।

वहीं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने हड़ताली कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि लाइन में गड़बड़ी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आपूर्ति को पूरी तरह से नियंत्रण में बताते हुए कहा कि प्रदेश में 4000 मेगावाट सरप्लस बिजली है। दूसरी ओर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्मचारी नेताओं को अवमानना नोटिस जारी किया है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे का दावा है कि हड़ताल के कारण उत्पादन निगम की 1030 मेगावाट क्षमता की 5 इकाइयां ठप पड़ी हैं। राज्य में कुल 1850 मेगावाट उत्पादन प्रभावित हुआ है। समिति ने बिजली कर्मियों पर तोड़फोड़ के आरोपों का जोरदार खंडन किया और कहा कि बिजली संयंत्र बिजली संयंत्रों को अपनी मां मानते हैं और वे शांतिपूर्वक हड़ताल पर हैं। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि ट्रांसमिशन की कई लाइनें बंद हैं और 33/11 केवी सब स्टेशन से बड़े पैमाने पर आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

संघर्ष समिति ने हड़ताल के लिए बिजली निगमों के शीर्ष प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बिजली कर्मचारी ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते का सम्मान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. समिति का दावा है कि 16 मार्च की रात 10 बजे से हड़ताल शुरू होने के बाद से एक भी बिजली मिस्त्री जेनरेटिंग हाउस, एसएलडीसी और ट्रांसमिशन पावर सब-स्टेशनों की नाइट शिफ्ट में काम करने नहीं आया है। हड़ताल शत प्रतिशत सफल रही।

अराजकता फैलाने वाले कार्यकताओं की होगी सूचीः योगी

हड़ताली बिजली कर्मचारियों पर सख्ती दिखाते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में कहा कि अराजकता फैलाने वालों की सूची बनाई जाएगी। बिजली फीडर बंद करने वालों के खिलाफ कर्यवाही करने की बात कही।

खुला है संवाद का रास्ता-अरविंद शर्मा

उधर, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि बातचीत का रास्ता खुला है। गुरुवार रात 11 बजे के बाद नेशनल ग्रिड से जुड़े कार्यालय में मामला दर्ज कर व्यवस्था ठप करने का प्रयास करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि यह समय चुनौती का है। सबर रखो। जनप्रतिनिधियों को ध्यान रखना चाहिए कि जो कर्मचारी अपनी सेवाएं देना चाहते हैं उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

हाईकोर्ट सख्त, 20 को होगी सुनवाई

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के संबंध में कर्मचारी नेताओं को अवमानना नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, लखनऊ को वारंट तामील करने का आदेश दिया गया है। कोर्ट ने कर्मचारी नेताओं को 20 मार्च को तलब किया है। हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि हड़ताल हाई कोर्ट के पुराने आदेश के खिलाफ है, जिसमें कहा गया था कि बिजली आपूर्ति बाधित नहीं की जानी चाहिए।

एक नजर

कब है रमजान का पहला रोजा, 21 मार्च या 22 मार्च को दिखेगा रमजान का चांद

एनसीआर समाचार

इस्लामिक धर्म को मानने वाले लोगों के लिए सबसे पवित्र रमजान के महीने की शुरूआत होने वाली है। इस मार्च महीने की आने वाली 22 तारीख को रमजान का चांद का देखा जाएगा और 23 मार्च को पहला रोजा रखा जाएगा। इबादतों के महीने रमजान की शुरूआत शाबान महीने के खत्म होने के बाद दिखने वाले चांद से होती है। बता दें कि, जिस रात को चांद दिखेगा उसी रात की सुबह को पहले रोजे की सेहरी होगी।

22 मार्च को भी हो सकता है पहला रोजा

बता दें कि, इस्लामी कैलेंडर के दिन चांद के इर्द गिर्द घूमते है। कई बार यह महीना 29 दिनों का होता है तो कई बार 30 दिनों का। ऐसे में अगर शाबाद का महीना 29 दिनों का हो तो फिर, रमजान 2023 का पहला रोजा 22 मार्च को होगा। इस वर्ष रमजान का पहला रोजा 22 मार्च का होगा या फिर 23 मार्च का यह बात पूरी तरह से 21 मार्च को ही स्पष्ट हो पाएगी, क्योंकि अगर महीना 29 दिनों का हुआ तो 21 मार्च की शाम को चांद नजर आएगा।

सऊदी अरब में कब है पहला रोजा ?

अगर सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों की बात करें तो बीते दिनों आई खबर के मुताबिक, 23 मार्च का पहला रोजा होने की उम्मीद जताई जा रही है। अगर ऐसा हुआ तो भारत में पहला रोजा 22 मार्च को होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देश भारत के मुकाबले एक दिन आगे चलते हैं।

गुजरात के डांग में बच्चियों के साथ हो रहे अपराध मामले में BTTS पार्टी अध्यक्ष और कार्यकताओं ने सरकार को दिया आवेदनपत्र

एनसीआर समाचार

गुजरात के डांग में बीते दिन 17 मार्च 2023 को सुबीर तालुका में डांग जिला भारतीय आदिवासी दल द्वारा सूरत में पिछले महीने की गई बलात्कार की घटना के विरोध में इळळर पार्टी के अध्यक्ष और कार्यकर्ता आरोपी को सजा मिले इस मामले में सुबीर मामलतदारश्री को आवेदनपत्र दिया गया।

डांग जिला भारतीय आदिवासी सेना पार्टी के जिलाध्यक्ष नीलेशभाई झांबरे के मुताबिक, पिछले महीने सूरत जिले के सचिन इलाके के कुपलेटा गांव में एक मुस्लिम युवक ने दो साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था और फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है। किसे तत्काल फांसी की सजा दी जाए और पीड़ित परिवार को न्याय मिले।

डांग जिला भारतीय जनजातीय सेना के पार्टी अध्यक्ष द्वारा मांग की गई है कि, भविष्य में ऐसी घटना ना हो। सुबीर तालुका सेवासाधन में आवेदन पत्र सौंपने के लिए अन्य पार्टी कार्यकताओं, सुबीर तालुका BTTS के अध्यक्ष योगेशभाई बारसा और डांग जिला BTTS के अध्यक्ष नीलेशभाई एस झांबरे के बीच गगनभाई, सोमूभाई, इत्याभाई पवार की विशेष उपस्थिति देखी गई।

डांग में प्रतिस्पर्धा का माहौल, लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने में मिशन मंगलम योजना हुई सहायक

एनसीआर समाचार

गुजरातः डांग में घोर प्रतिस्पर्धी माहौल के बीच, डांग जिले के सवारदा जैसे दूरदराज के इलाकों की लड़कियां, जो मुश्किल से माध्यमिक शिक्षा पूरी कर पाईं। मिशन मंगलम जैसी योजनाओं की मदद से आत्मनिर्भर और घर में कार्यरत हो गई हैं। ऐसा सुबीर तालुका के सावरदा गांव की किंजल सखी मंडल की रवीना गावित ने कहा पिछले साल ही गांव की करीब दस युवतियों ने एकत्र होकर सखी मंडल का गठन किया था। तुरंत ही वह मशरूम उत्पादन और नगली पापड़ बनाने सहित शिवांकाम में प्रशिक्षण से लैस हो गई और गाँवों में शिवांकाम के साथ-साथ शिवांकाम में अन्य जरूरतमंद बहनों को प्रशिक्षित करना शुरू कर दिया।

सिलाई ब्लाउज और ड्रेस के साथ-साथ अपना कपड़ा बेचकर भीतरी इलाकों की आदिवासी लड़कियां आराम से दस से बारह हजार रुपये महीना कमा रही हैं। इस वजह से खुद की रोजी-रोटी की चिंता करने वाली बहनें अन्य युवतियों को भी प्रशिक्षण और रोजगार दे पाई हैं। डांग जिले के सुबीर तालुका में ऐसे 1116 सखी मंडल और 66 सखी संघ बहुत सफलतापूर्वक प्रगति कर रहे हैं। डांग जिले की ग्रामीण महिलाएं वास्तव में आत्मनिर्भर बन गई हैं, जो कई आर्थिक उत्पादन गतिविधियों के साथ-साथ बचत और ऋण गतिविधियों में संलग्न हैं, जो पलायन जैसे मुद्दों से जूझ रहे डांग जिले के पूर्वी क्षेत्र के इस क्षेत्र के लिए वरदान साबित हो रहा है।

2024 के विधानसभा चुनाव में रेवाड़ी विधानसभा सीट पर राजा की बेटी और मंत्री के बेटे के बीच हो सकती हैं कांटे की टक्कर

एनसीआर समाचार

हरियाणाः रेवाड़ी में बीते दिन आरती राव बी एम जी मॉल में आयोजित एक स्वागत और सम्मान समारोह शामिल हुईं, इस स्वागत समारोह में निश्चित रूप से शहर के जाने-माने व्यक्ति भी मौजूद थे। आरती राव के चुनाव लड़ने को लेकर आये दिन विश्लेषण किये जा रहे थे,की आरती राव कहां से चुनाव लड़ेगी, विश्लेषण करने वालों में हम भी शामिल है। आरती का कोसली, अटेली, नारनौल, नांगल चौधरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चायें जोरों पर थी और हैं, लेकिन आम लोगों कि राय यह थी की वो रेवाड़ी से नहीं लड़ेगी, क्योंकि भाजपा के दो गुट राव इंद्रजीत के खिलाफ थे और वही माना जा रहा था कि अगर आरती राव रेवाड़ी से चुनाव लड़ती है तो भाजपा का विरोधी गुट ही उन्हें हराएगा।

आज आरती राव ने स्पष्ट कर दिया कि वह रेवाड़ी विधानसभा सीट से चुनाव क्यों नहीं लड़ सकती। उनका इस तरह कहना यह साबित करता है कि आरती राव रेवाड़ी विधानसभा सीट से भी चुनाव लड़ सकती है। इस रेवाड़ी सीट से निकट भविष्य में चुनाव लड़ने वालों में कई उम्मीदवारों की नींद उड़ सकती है। हम सो प्रतिशत मान लेते है कि आरती राव रेवाड़ी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेगी और अपना आगे का राजनैतिक विश्लेषण जारी रखते है। अब प्रश्न यह उठता है कि वह भाजपा कि टिकट पर चुनाव लड़ेगी या फिर किसी अन्य पार्टी से या फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेगी, यह स्पष्ट नहीं किया।

यदि भाजपा गुरुग्राम लोकसभा सीट कि टिकट राव इंद्रजीत को देती है तो आरती राव रेवाड़ी से भाजपा की टिकट पर ही चुनाव लड़ेगी,अगर किसी कारणवश भाजपा आरती राव को टिकट नहीं देती है तो आरती राव को क्या निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ना चाहिए, मेरा जवाब होगा, हां! लड़ना चाहिए। वैसे पूरी संभावना यह है कि भाजपा आरती राव को रेवाड़ी विधानसभा सीट से टिकट देगी ही, क्योंकि राव इंद्रजीत के साथ-साथ भाजपा भी बैक फुट पर है, इसलिए भाजपा की भी यह मजबूरी है पर फिर भी,सुरक्षा कि दृष्टी से आरती राव बिना कमल के फूल को लिए ही अपना प्रचार करेगी। अगर आरती राव रेवाड़ी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ती है तो उनका मुकाबला सीधा चिरंजीव राव से होगा। जहां चिरंजीव राव के पिता कप्तान अजय यादव के पास रेवाड़ी से चुनाव लड़ने का अच्छा अनुभव है,वे लगातार छःबार रेवाड़ी विधायक रह चुके है। हुड्डा सरकार में उनके पास कई मंत्रालय भी रहे है, तीन बार इसी सीट से उनके पिता अभय सिंह विधायक बने और अब चिरंजीव राव विधायक है। इसलिए, चिरंजीव राव को हलके में नहीं लिया जा सकता।

उनके पास बेशक राजनैतिक अनुभव कम है पर,पूर्व मंत्री कप्तान अजय यादव ने रेवाड़ी विधानसभा को पूरी तरह खंगाल रखा है। कप्तान अजय यादव कयामत कि रात के शहशाह है, जिस कारण वह अंतिम समय में बाजी पलट देते है। पिछले विधानसभा चुनाव में कप्तान अजय यादव को डर था कि वह हार जाएंगे, इसलिए स्वयं चुनाव न लड़ के अपने बेटे चिरंजीव राव को लड़वाया,जहां कप्तान अजय यादव रेवाड़ी विधानसभा से अभी तक अर्जुन साबित हुए हैं। वहीं चिरंजीव ने भी अपना अभिमन्यु का रोल अदा कर दिया,वो भी बिना चक्करव्यूह में फंसे, रेवाड़ी से विधायक बने।

अब प्रश्न यह उठता है कि अगर आरती राव भाजपा की टिकट पर रेवाड़ी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ती है तो उनके सामने एक ही प्रतिद्वंदी होंगा और वो होंगे चिरंजीव राव यानी दूसरे शब्दों में कहे तो दोनों दिग्गज संतानों के बीच आमने-सामने का मुकाबला होगा। वोटर अन्य उम्मीदवारों को बजाये इन दोनों में से किसी एक को चुनेगा। एक तरह से यह चुनाव, दो दिग्गजो के परिवार के बीच होगा, दो राष्ट्रीय पार्टीयों के बीच होगा, राजा की बेटी और मंत्री के बेटे के बीच होगा।ऐसा नहीं की कोई और चुनाव नहीं लड़ेगा, जरूर लड़ेंगे, पर वह इन दोनों में से किसी की हार-जीत पर तो असर डाल सकते है पर वह वोट लेने में काफी पीछे रहेंगे। शायद इस बार रणधीर कापड़ीवास भी आरती राव का विरोध ना करे, क्योंकि वक़्त जख्म का सबसे अच्छा मलहम होता है।

पिछले विधानसभा चुनाव में राव इंद्रजीत ने सुनील मूसेपुर को इतनी वोट दिलवाकर साबित कर दिया कि रेवाड़ी सीट पर उनका जनाधार अब भी कायम है। मूसेपुर को आगे कर राव इंद्रजीत का आरती राव के लिए ट्रायल सही साबित हुआ और उन्हें अब लगता है कि आरती राव को रेवाड़ी से चुनाव में उतारना चाहिए है। यही सोच 1996 में कर्नल राम सिंह की थी वह स्वयं गुरुग्राम लोकसभा सीट से और उनकी पत्नी शारदा रेवाड़ी विधानसभा से चुनाव लड़े थे और दोनों के पास भाजपा की टिकट थी, कर्नल राम सिंह जीते थे और शारदा हारी थी और अब राव इंद्रजीत भी भाजपा की टिकट पर गुरुग्राम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे और हो सकता आरती राव भी भाजपा की टिकट पर रेवाड़ी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े, रही बात परिणाम की तो...... उसके बारे अंदाजा लगाया जा सकता है और हमें अंदाजा है भी पर अभी कुछ कहना में ठीक नहीं समझता।

थाना फूलबेहड़ पुलिस ने 10 नफर अभियुक्तों को जुआ खेलते हुए किया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक महोदय खीरी, गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय खीरी के निकट पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध समाज विरोधी क्रिया-कलापों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना फूलबेहड पुलिस द्वारा 10 नफर अभियुक्तों को थाना फूलबेहड से दक्षिण दिशा में लगभग 04 किमी दूर स्थित भूपेन्द्र सिंह की ट्यूबेल के बन्द मकान बहद् ग्राम सैदापुर अन्तर्गत अभियुक्तगणों को हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगणों के विरूद्ध नियमानुसार अभियोग मु0अ0सं0 105/2023 धारा 3/4 जुआ अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए मा0 न्यायालय रवाना किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण

1. भूपेन्द्र सिंह पुत्र राजकुमार सिहं निवासी ग्राम राजापुर थाना फूलबेहड़ जिला खीरी उम्र करीब 28 वर्ष,

2. रिन्कू मौर्या पुत्र बिहारी लाल निवासी ग्राम सैदापुर थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र 28 वर्ष,

3. इसराईल पुत्र मो0 यार निवासी ग्राम ककरपिट्ठा थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र करीब 33 वर्ष,

4. अजीम खाँ पुत्र छोटे खां निवासी ग्राम हजरतपुर थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र करीब 30 वर्ष,

5. अनीस पुत्र बदलू निवासी ग्राम मिदनिया थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र करीब 40 वर्ष,

6. मुनीर खाँ पुत्र हबीब खाँ निवासी ग्राम राजापुर थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र करीब 35 वर्ष,

7. शोएव पुत्र छोटे खाँ निवासी ग्राम हजरतपुर थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र 20 वर्ष,

8. नवीन पुत्र दयाराम निवासी ग्राम सैदापुर थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र 26 वर्ष,

9. रिजवान पुत्र जाबिर निवासी ग्राम सैदापुर थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र 19 वर्ष

10. नफीस खाँ उर्फ त्रिलोकी खाँ पुत्र उमराव खाँ निवासी ग्राम राजापुर थाना फूलबेहड जिला खीरी उम्र 57 वर्ष।

बरामदगी का विवरण

1. तीन अदद ताश की गड्डी में 52-52 अदद ताश के पत्ते,

2. माल फड़ मु0 9,140/- रुपये नगद,

3. माल जामा तलाशी 2200 रुपये,

4. 06 अदद मोबाइल फोन।

गिरफ्तारी/बरामदगी पुलिस टीम का विवरण

1. प्रीतमपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी धौरहरा जनपद खीरी।

2. बलवन्त शाही, प्रभारी निरीक्षक थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी।

3. उ0नि0 सुरेश चन्द्र, थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी।

4. उ0नि0 अंकुर कुमार, थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी।

5. उ0नि0 मो0 अनीस, थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी।

कनाडा के कार्यकर्ता ने शेर अली अफरीदी, भगत सिंह को राष्ट्रीय नायक घोषित करने की मांग

एनसीआर समाचार

मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, टस्टब्रुके अध्यक्ष साहिब सिंह थिंड ने सरकार से स्वतंत्रता आंदोलन के शुरूआती शहीदों, शेर अली खान अफरीदी और भगत सिंह को संसद के एक अधिनियम के माध्यम से उनके साहस और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ प्रतिरोध के लिए राष्ट्रीय नायकों के रूप में घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने ब्रिटिश शासन से जुड़े नामों को मिटाने और बच्चों को "मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले हमारे मूल नायकों" के बारे में इतिहास पढ़ाने का भी आह्वान किया।

प्रो थिंड ने पंजाब सरकार से मेयो अस्पताल का नाम बदलने का आग्रह किया, जिसका नाम शहीद शेर अली खान अफरीदि के रखा जाये जिसका नाम पर ब्रिटिश भारत के वाइसराय के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के शुरूआती दिनों में शहादत दी थी।

सरकार को हमारे असली नायकों की सेवाओं और संघर्षों के बारे में युवाओं को शिक्षित करने के लिए प्रांतीय राजधानी में एक स्वतंत्रता आंदोलन संग्रहालय स्थापित करना चाहिए। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाये जाना चाहिए।

बहन ने तोड़ा भाई का रिकॉर्ड, GATE 2023 में हासिल की ऑल इंडिया 13वीं रैंक

मध्य प्रदेशः सागर पुलिस कंट्रोल रूम में पदस्थ उप निरीक्षक आर के एस चौहान की बेटी अंजली चौहान ने GATE परीक्षा 2023 में पूरे देश में 13वीं रैंक प्राप्त कर सागर का नाम रोशन किया है। अंजली 12वीं तक सागर केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 से स्कूल शिक्षा के उपरांत आरजीपीवी भोपाल से बीटेक कर रही है। ज्ञातव्य है कि आर के एस चौहान के पुत्र अजय सिंह ने भी GATE 2018 मे ऑल इंडिया 62वीं रैंक हासिल की थी, जो अब भारत सरकार में क्लास वन अधिकारी है। अंजली ने अपने भाई का रिकॉर्ड थोड़ा है। अंजली की ये उपलब्धि इस लिए भी बहुत बड़ी है, क्योंकि अंजली अभी अपनी बीटेक की पढ़ाई भी कर रही है। 8TH सेम में वक्त RGPV की छात्रा है। अंजली की इस उपलब्धि पर पुलिस परिवार अपने को बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा है। पुलिस अधिकारियों, कालेज प्रबंधन, मित्रों, परिचितों द्वारा अंजली एवं उनके परिजनों को बधाई दी गई। सभी ने अंजली की उपलब्धि की सराहना की है।

हिमाचल प्रदेश में 25 मार्च को मनाया जाएगा 'अर्थ आवर', मुख्यमंत्री देंगे इस अभियान में सहयोग

एनसीआर समाचार

'द बिगेस्ट आवर फॉर अर्थ' विषय पर केंद्रित ह्यअर्थ आवरह्व आगामी 25 मार्च, 2023 को रात्रि 8.30 बजे से रात्रि 9.30 बजे के मध्य मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु ने इस आयोजन के लिए वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया) के प्रयासों की सराहना करते हुए इसमें सभी से सहभागिता का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान प्रकृति एवं लोगों के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंध वाले समाज के निर्माण में सहायता करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे प्रकृति के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने में भी मदद मिलेगी जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से इस अभियान में सहयोग देने के लिए 25 मार्च को रात्रि 8.30 बजे से रात्रि 9.30 बजे के मध्य एक घंटे के लिए सभी गैर-जरूरी लाइटें बंद करने का आग्रह किया।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि, वर्तमान राज्य सरकार 31 मार्च, 2026 तक हिमाचल प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-वाहनों के संचालन के लिए पहले चरण में छह ग्रीन कॉरिडोर वाले राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि निजी बस एवं ट्रक संचालकों को ई-बसों एवं ई-ट्रकों की खरीद पर 50 प्रतिशत अनुदान के अलावा चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर 50 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर पर्यावरण क्षरण एक बड़ी चुनौती है और वर्तमान राज्य सरकार ने वर्ष 2023-24 के लिए हरित बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल राज्य के प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण होगा बल्कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान में भी यह उपयोगी कदम होगा।

अजमेर अंजुमन सैयद जदगान खुद्दाम ए ख़्वाजा गरीब नवाज - दरगाह अजमेर शरीफ

एनसीआर समाचार

राजस्थानः अजमेर चिश्ती सूफी समुदाय की ओर से अंजुमन सैयद जादगान खुद्दाम ए ख़्वाजा गरीब नवाज - दरगाह अजमेर शरीफ और भारत और दक्षिण एशिया के सबसे सम्मानित सूफी दरगाहों में से एक अजमेर शरीफ दरगाह, सीरिया में चल रहे राहत कार्यों के लिए उदार समर्थन और दान के साथ आगे आया है। नई दिल्ली में सीरियाई दूतावास को भूकंप राहत कोष के रूप में 1.125 मिलियन रुपये के दान के साथ, दुर्भाग्य से सीरिया जो हाल ही में एक विनाशकारी भूकंप से प्रभावित हुआ है और भारत चल रहे ऑपरेशन दोस्त की पहल के साथ सबसे पहले उत्तरदाता रहा है।

अजमेर शरीफ के खुद्दाम ए ख्वाजा गरीब नवाज (१) चिश्ती सूफी समुदाय के बुजुर्गों द्वारा नई दिल्ली, भारत में सीरियाई दूतावास में भारत में सीरियाई अरब गणराज्य के राजदूत, महामहिम डॉ।

अंजुमन सैयद जादगान के अध्यक्ष जनाब अलहाज सैयद गुलाम किबरिया चिश्ती एसबी, उपाध्यक्ष जनाब सैयद हसन हाशमी चिश्ती एसबी, सचिव जनाब सैयद सरवर चिश्ती एसबी, समुदाय के सदस्यों सैयद सफान चिश्ती, सैयद महराज चिश्ती, पीर सैयद ज़ियाउद्दीन चिश्ती एसबी की विशेष उल्लेख के साथ उपस्थिति अजमेर दरगाह शरीफ के चिश्ती सूफी समुदाय के भीतर से राहत कोष संग्रह को जुटाने और व्यवस्थित करने की पहल के लिए अंजुमन सैयदजदगान के सदस्य सैयद असलम हुसैन चिश्ती एसबी और सैयद गफ्फार हुसैन काजमी एसबी।

अजमेर शरीफ दरगाह की भारत और विदेशों दोनों में विभिन्न धर्मार्थ कारणों में योगदान देने की एक लंबी परंपरा है। सीरिया में हाल ही में विनाशकारी भूकंप के जवाब में, अजमेर शरीफ के खुद्दाम ए ख्वाजा गरीब नवाज (आर) चिश्ती सूफी समुदाय ने सीरिया में चल रहे राहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए धन दान करने का फैसला किया। दान अंजुमन सैयदजदघान, अजमेर दरगाह शरीफ के माध्यम से किया गया था, जो संकट और प्राकृतिक आपदाओं के समय में भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा सबसे आगे रहा है और अथक रूप से काम कर रहा है।

राहत कोष सौंपने की बैठक के दौरान, खुद्दाम ए ख्वाजा गरीब नवाज (आर) समुदाय के आध्यात्मिक बुजुर्गों ने शांति, धैर्य, पुनर्प्राप्ति, स्थिरता, उपचार की प्रार्थना के साथ सीरियाई लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और सीरिया के साथ खड़े होने के महत्व पर जोर दिया। और संकट के समय में सीरियाई भाइयों और बहनों। उन्होंने भारत द्वारा अपने अथक प्रयासों के लिए ऑपरेशन दोस्त पहल के साथ-साथ सीरिया में चल रहे वैश्विक राहत प्रयासों की भी प्रशंसा की और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से चल रहे राहत प्रयासों का समर्थन जारी रखने का आग्रह किया।

सीरिया के राजदूत महामहिम डॉ. बस्साम सैफेदीन अलखतीब ने बदले में अजमेर शरीफ दरगाह और भारत के लोगों की उदारता और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने सीरिया और भारत के बीच मजबूत संबंधों और जरूरत के समय सहयोग और एकजुटता के महत्व पर जोर दिया।

6 फरवरी 2023 को सीरिया में आए भूकंप से व्यापक विनाश और जनहानि हुई है, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। अजमेर शरीफ दरगाह से दान राहत प्रयासों का समर्थन करने और जरूरतमंद लोगों की मदद करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

अजमेर शरीफ दरगाह खुद्दाम ए ख्वाजा गरीब नवाज (आर) चिश्ती सूफी समुदाय को उम्मीद है कि उनका दान दूसरों को राहत प्रयासों में योगदान देने और सीरिया में भूकंप से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

एक नजर

भारतीय किसान यूनियन ने ठेका रोडवेज कर्मचारियों के संघर्ष का किया समर्थन

एनसीआर समाचार

पंजाबः भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) द्वारा कल यहां मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास के सामने पंजाब रोडवेज पनबस/पीआरटीसी ठेका मजदूर यूनियन द्वारा अपनी जायज मांगों को लेकर लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को समर्थन देने का निर्णय लिया गया है। किया गया संगठन के प्रधान जोगिंदर सिंह उगराहां व महासचिव सुखदेव सिंह कोकरी कलां ने यहां जारी संयुक्त प्रेस बयान के माध्यम से यह जानकारी देते हुए आरोप लगाया कि, मान सरकार द्वारा निजीकरण की साम्राज्यवादी नीति को पिछले विरोधी की तरह सभी मजदूर वर्ग पर थोपा जा रहा है।

इस जनविरोधी प्रवृत्ति के विकास को रोकने वाली जी-20 इम्पीरियल समिट अमृतसर की पवित्र भूमि पर मान सरकार द्वारा 100 करोड़ के सरकारी खजाने से शाही धूमधाम से आयोजित की जा रही है। निजीकरण की नीति के तहत रोडवेज विभाग में कम वेतन पर आउटसोर्स भर्ती और किलोमीटर योजना को बंद करने तथा पूरे वेतन पर नियमित भर्ती के अलावा वेतन वृद्धि को लागू करने और संघर्ष के दौरान निकाले गये कर्मचारियों की बहाली की मांग है। वे बिल्कुल सही और उचित हैं। पंजाब के किसानों और अन्य मजदूरों के सस्ते परिवहन के लिए भी इन मांगों का बहुत महत्व है। इसलिए, संगठन 18 मार्च के धरने में सांकेतिक रूप से किसानों की भागीदारी लेगा।

भीनमाल के महेश्वरी समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाया गणगौर का पर्व

एनसीआर समाचार

राजस्थानः भीनमाल जालोर स्थानीय महेश्वरी समाज द्वारा शुक्रवार को गणगौर का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महोत्सव के उपलक्ष में शहर के मुख्य मार्गो से होकर शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार गणगौर महोत्सव के तहत स्थानीय महेश्वरी कॉलोनी में महिला मंडल की बैठक आयोजित हुई जिसमें महिलाओं ने सिर पर कलश धारण करते हुए कॉलोनी से शोभा यात्रा निकाली। शोभा यात्रा गायत्री मंदिर रोड होते हुए चंडीनाथ महादेव मंदिर पहुंचे जहां पर कुछ देर विश्राम के पश्चात पुनः शोभायात्रा समाज भवन पहुंची। महेश्वरी सुमन भूतड़ा ने बताया कि गणगौर महोत्सव होली के दूसरे दिन से ही शुरू हो जाता है। इसी दिन से गणगौर की मूर्तियां बनाई जाती है। 18 दिन तक यह महोत्सव शुरू रहता है और दशम के दिन गणगौर माता की शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान महेश्वरी समाज की महिलाएं उपस्थित रही।

पोरसा मुख्य मार्ग का चेंबर को फूटे हुए 1 माह से अधिक, नगर प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः पोरसा नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मंडी रोड पर बंसी वाले मंदिर के पास गत 1 माह से अधिक समय से नाली का चेंबर फूटा पड़ा हुआ है, जिसकी मरम्मत आज तक नहीं हो पाई इस चेंबर के फूटे होने के कारण प्रतिदिन 2 से 4 दो चार बुजुर्ग बाबा एवं महिलाएं आदि गिरते हैं और घायल होते हैं कपड़े खराब होते हैं। नाली के चेंबर के नीचे जल सप्लाई की पाइप लाइन भी है वह भी फूटी पड़ी हुई है जिससे नलों में गंदा पानी पहुंच रहा है। नगर प्रशासन को इसे ठीक करने की फुर्सत नहीं मिल पा रही है, लोग बेहद परेशान हो रहे हैं। स्थानीय निवासी रामकुमार सिंह चौहान का कहना है कि, इस चैम्बर को शीघ्र बनाया जाए तथा फूटी पाइपलाइन को शीघ्र सुधारा जाए। महावीर जैन अध्यक्ष व्यापार संघ का कहना है कि नगर प्रशासन बड़े कार्य करती है खुले चेंबर जैसे छोटे कार्यों को नहीं करती,, जो आम आदमी के लिए परेशानी दे रहा है, उसके प्रति कोई सजगता नहीं दिखा रही। नगरपालिका सीएमओ सुरेंद्र शर्मा से जब बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि हम चेंबर शीघ्र ही बनवा रहे हैं दो-चार दिन में यह समस्या का हल निकल आएगा।

मध्य प्रदेश विद्युत विभाग ने 65 बकायेदारों के कांटे कनेक्शन, वसूले 35 लाख 4 हजार रुपए

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः पोरसा शहरी क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत विभाग के ए ई शिव चौबे, जे ई भरत कतिजा के नेतृत्व में विद्युत विभाग के कर्मचारियों के द्वारा बकायेदारों के काटे गए कनेक्शन जिसमें कुल 1450000 रुपए की वसूली होनी थी, जिसमें से ?354000 की वसूली हुई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पंप के भी कनेक्शन काटे गए पोरसा शहर की आरबीएस स्कूल वाली गली एवं गांधीनगर एवं तालाब रोड एवं बर वाली गली में विद्युत विभाग के जेई भरत कतिजा, सोनू तोमर, रामप्रताप तोमर, विजय सिंह परमार, सुनील मौंझी, जितेंद्र शर्मा, कृष्ण मुरारी, जयकरण, अजयपाल, उमेश आदि कर्मचारियों ने व अधिकारियों ने की कार्यवाही, कनेक्शन काटने के कार्यवाही पप्रति दिन जारी रहेगी।

एक नजर

डांग के बेमौसम बरसात में गिरी बिजली, 1 व्यक्ति की मौत

एनसीआर समाचार

गुजरातः डांग इस समय पूरे गुजरात में बेमौसम बारिश हो रही है। डांग जिले में भी भारी बारिश हो रही है, जिसमें सुनीलभाई नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डांग जिले में इस समय भारी बारिश हो रही है। ऋख-30-उ-9549 नंबर की बाइक ले जा रहे बिजली की चपेट में आने से डांग के बेहडुन गांव के सुनीलभाई की मौके पर ही मौत हो गई। आहवा सुबीर मार्ग मोटरसाइकिल पर गायगोठन गांव के पास बेहदून गांव के सुनीलभाई मोआट बिजली गिरने से सुनीलभाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेसेल गंभीर रूप से झुलस गए और उन्हें इलाज के लिए।

तेज आंधी और ओलावृष्टि से आम, गेहूं, चना, सब्जियां, स्ट्रॉबेरी, अंगूर जैसी फसलों को भारी बारिश से भारी नुकसान हुआ है। बारिश के कारण गिरि, कंदरा सहित वन क्षेत्र बर्फ की चादर से ढक गया है। कश्मीर जैसा ऐसा माहौल बना कि, सापूतारा आने वाले सैलानियों में खुशी का माहौल बना। डांग जिले में भूस्खलन के बाद जिला प्रशासन ने सब्दू बानी में हुए नुकसान की रिपोर्ट दर्ज कराने की कवायद।

भोपाल में आयोजित कार्यशाला में बाल कल्याण समिति सागर के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश शुक्ला ने लिया भाग

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः राजधानी भोपाल में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन संचालित राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अधिकरण के तत्वधान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में सागर से वरिष्ठ समाजसेवी एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शुक्ला ने भाग लेकर नवीन दत्तक ग्रहण विनिमय 2022 से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस प्रशिक्षण में सह भागिता करने पर उन्हें केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन अधिकरण नई दिल्ली की उपसंचालक दुर्गेश नंदिनी एवं अपर संचालक महिला बाल विकास विभाग मध्य प्रदेश आर पी रमनवाल के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी प्रमाण पत्र आस्था मैडम द्वारा प्रदान किया गया। कार्यशाला में आई सीपी एस से योगेंद्र बनेरिया, मातृछाया से सुबोध शुक्ला भी शामिल हुए।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 9 मामलों में जमानत

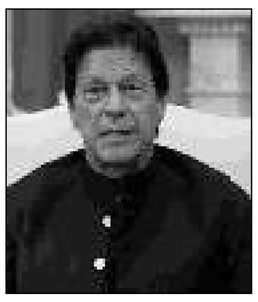

एनसीआर समाचार

लाहौरः लाहौर हाईकोर्ट ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 9 मामलों में जमानत दे दी है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर 8 आतंकी मामलों समेत 9 मामले दर्ज हैं। ऐसे में इमरान खान की ओर से लाहौर हाईकोर्ट में 9 मामलों में जमानत के लिए याचिका दायर की गई थी। कल उनकी ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी। फिर इमरान खान कोर्ट में पेश हुए। याचिका की जांच करने वाले न्यायाधीश तारिक चालीम शेख, फारूक हैदर के सत्र में इमरान खान को सभी मामलों में जमानत देने का आदेश दिया गया।

जीओसी-इन-सी आरट्रैक ने की हिमाचल प्रदेश राज्यपाल से भेंट

एनसीआर समाचार

लेफ्टिनेंट जनरल एस.एस. महल, जीओसी-इन-सी, आरट्रैक ने आज राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल महल ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह और ह्य75 ईयर्स-इंडियन स्ट्रैटेजम्स-रीड, लीड एंड सक्सीडह्व पर एक कॉफी टेबल बुक भेंट कर सम्मानित किया।

मलयालम अभिनेत्री आशा शरथ की बेटी उथारा शरथ प्रेमी आदित्य मेनन के साथ शादी के बंधन में बंधी

एनसीआर समाचार

मलयालम अभिनेत्री आशा शरथ और उनके पति शरथ की बेटी उथारा शरथ अपने लंबे समय के प्रेमी आदित्य मेनन के साथ शादी के बंधन में बंध गईं। शादी 18 मार्च को केरल में हो रही है। दुल्हन के मेजबान सह माता-पिता को उनके पारंपरिक परिधानों में सजाया जाता है और मेहमानों का स्वागत किया जाता है। सोशल मीडिया पर शादी के कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं। आशा शरथ बेटी उथरा आदित्य मेनन के साथ अपनी पारंपरिक केरल शैली की शादी के लिए सफेद रंग में एक दृष्टि थी। उन्हें एक सोने और सफेद केरल रेशम की साड़ी में देखा गया था, जिसे उन्होंने एक कढ़ाई वाले ब्लाउज के साथ जोड़ा था। उन्होंने भारी सोने के आभूषण पहनकर और अपने श्रृंगार को कम करके संतुलन बनाए रखा। मुहूर्त से पहले एक अन्य कार्यक्रम में, उथारा को गहरे हरे रंग के ब्लाउज के साथ पीली रेशमी साड़ी पहने देखा गया। दोनों ही लुक के लिए उन्होंने अपने बालों का जूड़ा बनाया और ढेर सारे फूलों से सजाया।

खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह सहित सात गिरफ्तार

इंटरनेट सेवाएं बंद, धारा 144 लागू

एनसीआर समाचार

जालंधर। पंजाब में जालंधर पुलिस ने खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार को 'वारिस पंजाब दे' के अध्यक्ष एवं खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और उसके छह अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया।

अमृतपाल सिंह और उसके अन्य छह साथियों की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने के लिए सोशल मीडिया पर अपील की है। प्रशासन ने किसी भी तरह की अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए रविवार तक इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया है। मोगा में धारा 144 लागू कर दी गई है, जहां अमृतपाल सिंह ने एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होना था। अमृतपाल सिंह के छह साथियों को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया था जब उनका काफिला जिला जालंधर के शाहकोट मलसियां इलाके से होते हुए वाया मोगा रामपुराफूल की तरफ जा रहे थे, जहां उन्होंने एक कार्यक्रम में शामिल होना था। मोगा जिला प्रशासन ने मोगा में धारा 144 लागू कर दी है और लोगों से अपने घरों में ही रहने की अपील की है। पुलिस ने सार्वजनिक उद्घोषणा में कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वाले को जेल जाना पड़ सकता है।

पुलिस सूत्रों अनुसार विवादास्पद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पकड़ने के लिए पंजाब पुलिस ने सुबह लगभग साढ़े नौ बजे आपरेशन शुरू किया था, जो दोपहर बाद तीन बजे तक चला। इस दौरान पुलिस ने किसी गड़बड़ के मद्देनजर अमृतसर जिले में स्थित अमृतपाल सिंह के गांव जल्लुपुर खेड़ा को भी सील कर दिया है। यहां पुलिस के साथ-साथ केन्द्रीय सुरक्षा बल भी तैनात किया गया है।

पंजाब के गृह सचिव अनुराग वर्मा के अनुसार सरकार द्वारा इंटरनेट और एसएमएस सेवाएं रविवार दोपहर 12 तक बंद कर दी गई हैं। पंजाब के मोगा जिले में भारी पुलिस तैनाती देखी गई। इस बीच, पंजाब पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने लोगों से पुलिस के कामकाज में दखलअंदाजी न करने की भी अपील की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमृतपाल का काफिला जब शाहकोट के पास पहुंचा, तभी पुलिस फोर्स ने उसे घेर लिया। पुलिस ने दो गाड़ियों में सवार अमृतपाल के छह साथियों को पकड़ लिया, जबकि वह खुद अपनी मर्सिडीज कार में भाग निकलने में कामयाब रहा।

बाद में पुलिस ने अमृतपाल को जालंधर के नकोदर के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अमृतपाल के छह साथियों के पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किया है।

हाल ही में अमृतपाल सिंह द्वारा अजनाला पुलिस थाने पर कब्जा करने की घटना के बाद केन्द्र सरकार ने इसका कड़ा संज्ञान लिया था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाली संस्था जन परिषद के सागर चैप्टर की स्थापना एवं उत्कृष्ट सम्मान समारोह का आयोजन

एनसीआर समाचार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाली संस्था जन परिषद के सागर चैप्टर की स्थापना एवं उत्कृष्ट सम्मान समारोह का आयोजन जन परिषद के संयोजक राम श्रीवास्तव, प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि सुश्री अमृता कौर ब्यूटी क्वीन सेवानिवृत्त कर्नल राम सिंह, वीनू राणा अंकलेश्वर दुबे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाओं का सम्मान किया गया जिनमें रविंद्र सिला कारी स्वदेशतिवारी, विनोद आर्य, अतुल मिश्रा, विचार संस्था। पूनम पटेल, लवप्रीत गुरोंन, कमलेश लारिया अमित मिश्रा, शैलेश तिवारी आदि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अमृता कौर ने डॉक्टर हरिसिंह गौर की ख्याति और इनकी दानवीरता को श्रेष्ठ बताते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने की बात दोहराई जन परिषद के संयोजक राम श्रीवास्तव ने समारोह में उपस्थित जनसमूह को जन परिषद के उद्देश्य एवं कार्यों की जानकारी समारोह को सेवानिवृत्त कर्नल राम सिंह ,जन परिषद के संभागीय अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे ने भी संबोधित किया।

गुजरात सरकार विकास की ओर अग्रसर

नरेगा योजना के तहत ग्रामीणों को मिला रोजगार

एनसीआर समाचार

गुजरात सरकार विकास कर रही है, लेकिन जहां सरकार रोजगार के अवसर प्रदान करती है नरेगा योजना के तहत ग्रामीण रोजगार प्रदान किया जाता है, लेकिन सुबीर तालुका में नरेगा के तहत यह पाया गया कि, मौके पर लोगों को मौके पर रोजगार नहीं मिला है केवल ऑनलाइन मस्टर निकाला जाता है और उपस्थिति पर्याप्त होती है।

यह अंतरिक्ष के भूतिया कार्यकर्ता हैं, जबकि नरेगा के ए पी ओ कहते हैं कि टी डी अपने काम में इतने व्यस्त होने के कारण आज भी गरीबी का बोलबाला है और ऑनलाइन कामकाज के बावजूद कर्मचारी अपनी जेब भर रहे हैं और डांग के लोग आज भी रोजी रोटी के लिए महाराष्ट्र या गुजरात के चीनी कारखानों में रह रहे हैं। काम करना है तो इनके नाम की मौजूदगी कहां खत्म होती है, सरकार कहती है 100 दिन रोजगार की गारंटी।

जहां नरेगा योजना में कर्मचारियों का काम नहीं होता था, केवल गांव के लोगों को बुलाकर उनकी जेब में अंगूठा या हस्ताक्षर और पैसा मिल जाता था। यह है नारंग योजना का विकास, सभी अनुमानित कार्य डांग जिले में मनरेगा का काम भूतिया तरीके से हो रहा है लेकिन व्यवस्था गहरी नींद जैसी है। बढ़ रही है और लोग अभी भी सोच रहे हैं कि, नरेगा कर्मचारियों का वेतन कम होगा या गरीबों का हिस्सा चोरी हो जाएगा।

एक लोकप्रिय मांग है कि, ऐसे कटकी बाज कर्मचारियों की सभी संपत्तियों की जांच की जानी चाहिए और जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। सुबीर तालुका विकास अधिकारी पूनम डामोर सुबीर तालुका विकास अधिकारी पूनम डामोर से कर्मचारियों के कारनामों के बारे में अधिक जानने के लिए मिलने गए, उन्होंने कार्यालय के दरवाजे से उनसे मिलने से इनकार कर दिया और साफ शब्दों में जवाब देते हुए मना कर दिया कि वे काम में व्यस्त हैं।

सागर विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ दो दिवसीय बिजनेस आइडिया बूट केम्प

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः सागर विश्वविद्यालय के स्टार्ट अप सेल द्वारा 17 और 18 मार्च को दो दिवसीय बूट केम्प मध्य प्रदेश स्टार्ट अप सेंटर और अटल इन्क्यूबेशन सेंटर, प्रेस्टीज, इंदौर के सहयोग से आयोजित किया जिसमे विश्वविद्यालय और सागर शहर के अन्य शिक्षण संस्थाओं के उन छात्र झछात्राओं भागीदारी की जो भविष्य में अपना व्यवसाय करना चाहते हैं। इस दो दिवसीय आयोजन में कुल 162 प्रतिभागियों ने शिरकत की और इस बूट केम्प में उपस्थित विशेषज्ञों से व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक चर्चा की। केम्प के प्रथम उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. संजय जैन ने की। इस प्रथम सत्र में सर्व प्रथम स्टार्ट अप सेल के प्रभारी प्रो. जी एल पुणताम्बेकर ने अतिथियों के स्वागत के साथ सेल की गतिविधियों से प्रतिभागियों को परिचित कराया और उन्हें स्वयं के व्यवसाय की स्थापना के लिए प्रेरित किया।

प्रो. संजय जैन ने अपने उद्बोधन में छात्रों को जॉब सीकर के स्थान पर जॉब प्रोवाईडर बनने का आव्हान किया। प्रेस्टीज, इंदौर से पधारे रवि पटेल ने इस डॉ दिवसीय बूट केम्प की रूप रेखा प्रस्तुत की और एक वीडियो के माध्यम से सरकार के इस फ्लेगशिप कार्यक्रम का महत्व समझाया। इस सत्र में सागर स्मार्ट सिटी के स्पार्क इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रोजेक्ट मेनेजर कन्हिया रैकवार ने अपने प्रस्तुतीकरण में स्टार्टअप यात्रा के विभिन्न पड़ावों के सम्बन्ध में प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी बड़े ही प्रभावी अंदाज में दी।

प्रथम दिन के दूसरे सत्र में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र प्रदीप पाण्डेय ने व्यवसाय को अपना केरियर बनाते समय बरतने वाली सावधानियों को कहानियों के माध्यम से समझाया। ए. आई. सी. प्रेस्टीज के इन्क्यूबेशन मेनेजर गौरव परुलेकर ने प्रतिभागियों के 8 ग्रुप बनाकर उन्हें स्टार्ट अप के बिजनिस आइडिया विकसित करने के टिप्स दिए और उनके द्वारा बनाए गए बिजनिस आइडिया को सुन कर उन्हें आगामी प्रजेंटेशन के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

इस बूटकेम्प के दूसरे दिन प्रथम सत्र में गौरव परूलेकर ने स्टार्ट अप यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय व्यवस्था के के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला।

इसी सत्र में सभी 8 टीमों ने बारी-बारी से अपने बिजनिस आइडिया का प्रस्तुतीकरण किया जिसपर उपस्थित विशेषज्ञों ने अपने-अपने सुझाव दिए जिससे वे अपने आइडिया को एक सफल बिजनिस में परिवर्तित कर सकें। बूटकेम्प के इस दूसरे दिन शहर के उन युवाओं को भी आमंत्रित किया गया जिन्होंने अपने स्वयं के व्यवसाय आरम्भ किये। इनमे मोहित चंदेल (वेस्ट मेनेजमेंट), अरविन्द विस्वकर्मा (पंडित बुलाओ), श्रीकांत द्विवेदी (रूम नियर मी), ऋतिक पाठक (भारत फार्म), सोनिक नामदेव (एजुकेशन अकादमी) और निलय शर्मा (सेव अर्थ) ने अपने अनुभव बताते हुए प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया।

इनसे संवाद के माध्यम से प्रतिभागियों ने उनकी यात्रा के अच्छे-बुरे अनुभवों को समझो इस दो दिवसीय बूट केम्प के समापन सत्र में प्रतिभागियों और विषय विशेषज्ञों के साथ प्रेस्टीज से पधारे रवि पटेल और गौरव परुलेकर ने भी अपने अनुभव साझा किये और प्रस्तुत बिजनिस आइडिया को अपने इन्क्यूबेशन सेंटर में आगामी प्रक्रिया के लिए प्रतिभागियों से जुड़ने का आग्रह किया। सभी प्रतिभागियों को जिन्होंने अपने बिजनिस आइडिया प्रस्तुत किये हैं उन्हें प्रेस्टीज इन्क्यूबेशन सेंटर और विश्वविद्यालय के स्टार्ट अप सेल द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।

कुशीनगर चौकी इंचार्ज का व्यापार मण्डल के सदस्यों ने किया अभिनंदन

एनसीआर समाचार

उतर प्रदेशः जनपद कुशीनगर नगर पंचायत सुकरौली के सुकरौली चौकी इंचार्ज के रूप में आये हुए नवीन चौकी इंचार्ज प्रदीप कुमार का नगर पंचायत सुकरौली के व्यापार मण्डल के सभी सदस्य के द्वारा फूल माला पहनाकर स्वागत आभिनंदन किया गया। दीपक गुप्ता रामप्रवेश कश्यप, मनोज यादव, सत्यप्रकाश गुप्ता, दिलीप जायसवाल, दिलीप यादव, प्रेमशंकर यादव, बैज नाथ जायसवाल, दुग्रेश, आखिलेश, अजय गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे। साथ ही में बीते दिन शुक्रवार शाम 7 बजे के करीब स्वर्ण व्यापारी जयगोपाल गुप्ता का सोना चांदी एव नगदी चोरी का ऋकफ दर्ज कर जल्द से जल्द पदार्फास कर स्वर्ण व्यापारी जयगोपाल गुप्ता को न्याय दिलाने के लिए सभी लोग चौकी इंचार्ज से मिले ओर चौकी इंचार्ज प्रदीप कुमार जी ने जल्द से जल्द पदार्फास करने का आश्वाशन दिया।

हिमाचल प्रदेश की आर्थिक एवं पर्यावरण सेहत के लिए विद्युत चालित वाहन बेहतर विकल्प

एनसीआर समाचार

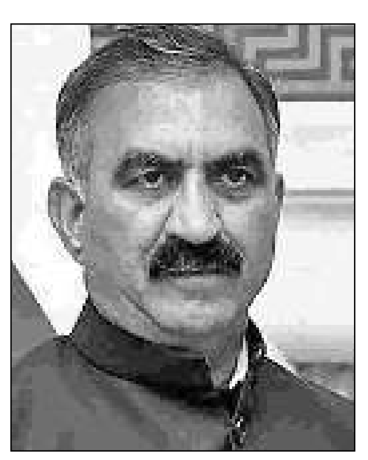

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा प्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत अपनी तरह के पहले हरित बजट में प्रदेश के लिए आर्थिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से होने वाले मुनाफे के बीच संतुलन साधते हुए परंपरागत बसों को ई-बसों से बदलने के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने कहा कि, हिमाचल प्रदेश विद्युत चालित वाहनों के लिए एक आदर्श राज्य के रूप में उभरेगा।

हरित राज्य की ओर कदम आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने निजी ऑपरेटरों को ई-बसों तथा ई-ट्रकों की खरीद के लिए 50 प्रतिशत उपदान, अधिकतम 50 लाख रुपये तक प्रदान करने की घोषणा की है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने राज्य की 18 वर्ष या इससे अधिक आयु की 20 हजार होनहार छात्राओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी की खरीद के लिए 25 हजार रुपये का उपदान प्रदान करने की भी घोषणा की है।

उन्होंने प्रदेश में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के इच्छुक निजी निवेशकों को 50 प्रतिशत उपदान की घोषणा की है। व्यवहार्यता को देखते हुए भविष्य में इस उपदान में बढ़ोतरी भी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य में युवाओं को विभिन्न रूटों पर ई-बसें चलाने के लिए परमिट भी जारी किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने नादौन में ई-बस डिपो स्थापित करने और शिमला बस अड्डे को ई-डिपो में परिवर्तित करने की भी घोषणा की। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को ग्रीन कोरिडोर में विकसित करने का प्रस्ताव है। इसमें परवाणू-नालागढ़-ऊना-हमीरपुर-देहरा-अंब-मुबारकपुर-संसारपुर टैरेस-नूरपुर राजमार्ग, पांवटा-नाहन-सोलन-शिमला, परवाणू-सोलन-शिमला-रामपुर-पिओ-पूह-काजा-ताबो-लोसर राजमार्ग, शिमला-बिलासपुर-हमीरपुर-कांगड़ा-नूरपुर-बनीखेत-चंबा, मंडी-जोगिंदरनगर-पालमपुर-धर्मशाला-कांगड़ा-पठानकोट राजमार्ग और कीरतपुर-बिलासपुर-मंडी-कुल्लू-मनाली- केलंग-बारालाचा स्थित जिंग-जिंगबार शामिल है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की हरित पहलें ईंधन क्षमता की दृष्टि से विचारणीय हैं और विद्युत चालित वाहन संचालन परिव्ययों को कम करने तथा ईंधन के दामों में कमी के लिहाज से प्रभावी हैं। साथ ही यह कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के दृष्टिगत गैस, पैट्रोल व डीजल के हरित विकल्प के रूप में भी उपयोग में लाए जा सकेंगे।

परिवहन क्षेत्र से प्रदेश के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर, ग्रीन हाउस गैसों के दूरगामी प्रभावों तथा ईंधन की बढ़ती कीमतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत हरित बजट से हिमाचल को हरित ऊर्जा राज्य बनाने की राह संभव हो सकेगी। इसके अतिरिक्त, ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के साथ ही हिमाचल राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन ऊर्जा अभियान के साथ आगे बढ़ने के लिए भी तैयार है। हिमाचल ने विद्युत चालित वाहनों के लिए ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करने के लिए जाइका से भी सहयोग के लिए हाथ बढ़ाए हैं और यह इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लक्ष्यों को हासिल करने में दूरगामी सिद्ध होगा।

हरित एवं स्वच्छ हिमाचल की ओर आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री ने निजी-सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से प्रदेश में विभिन्न सौर परियोजनाएं स्थापित करने का भी प्रस्ताव दिया है जिससे उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर स्वच्छ बिजली उपलब्ध होगी और कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।

उन्होंने राज्य के प्रत्येक जिले में पायलट आधार पर दो पंचायतों में 500 किलोवाट से एक मैगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर इन्हें हरित पंचायतों के रूप में विकसित करने की भी घोषणा की है। प्रदेश के युवाओं को अपनी अथवा पट्टे पर ली गई भूमि पर 250 किलोवाट से दो मैगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने पर 40 प्रतिशत उपदान का भी प्रावधान किया गया है।

इससे राज्य में वृहद् स्तर पर विद्युत ग्रिड सुरक्षा उपलब्ध हो सकेगी और विशेष तौर पर यह प्रकृति अथवा मानव जनित आपदाओं में प्रभावी होगी। सौर ऊर्जा पैनल पर अनुदान के अलावा उत्पादकों को शून्य बिजली बिल के साथ ही बिजली वापिस ग्रिड को बेचने से आय का साधन भी उपलब्ध होगा।

प्रदेश सरकार स्वयं भी सौर ऊर्जा संयंत्रों में निवेश करेगी और वर्ष 2023-24 में 500 मैगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।

संपादकीय

राज्यपाल फिर सवालिया

सर्वोच्च अदालत की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने राज्यपाल की भूमिका, दायित्व और सदन में बहुमत साबित करने के आदेश सरीखे पहलुओं पर एक तार्किक बहस को सुना है और सभी पक्षों को सचेत भी किया है। बुनियादी संदर्भ महाराष्ट्र के अघाड़ी गठबंधन की सरकार का है। चूंकि शिवसेना में विधायकों के एक बहुमती गुट ने बगावत की थी, नतीजतन तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को इस्तीफा देना पड़ा था, लेकिन राज्यपाल के हस्तक्षेप से बगावती गुट और भाजपा ने साझा तौर पर सरकार बना ली। आज वही सरकार कार्यरत है। उद्धव ठाकरे गुट के वकीलों ने ऐसी सरकार को 'असंवैधानिक' करार दिया है, जबकि न्यायाधीशों का सवाल है कि उस सरकार को कैसे बहाल किया जा सकता है, जिसके मुख्यमंत्री ने सदन में बहुमत साबित करने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था? बहरहाल संविधान पीठ ने दोनों पक्षों के तर्क सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, लेकिन राज्यपाल की भूमिका एक बार फिर सवालिया हुई है।

महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी इस्तीफा देकर सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अब रमेश बैस नए राज्यपाल हैं। इसके अलावा, तेलंगाना राज्यपाल को भी मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है। वहां राज्यपाल ने बीते सितंबर से 7 पारित विधेयकों को स्वीकृति नहीं दी है। वह विधानसभा में पारित बजट पर भी मुहर नहीं लगा रही हैं। यह उनका जानबूझ कर किया जाने वाला व्यवहार है। यकीनन यह असाधारण, संविधान से इतर स्थिति है। संविधान ने इस संदर्भ में राज्यपाल के विशेषाधिकारों की स्पष्ट व्याख्या नहीं की है। राज्यपाल किसी भी समय-सीमा तक बिलों पर कुंडली मार कर बैठ सकते हैं। यह कौन-सी संवैधानिक शक्ति हुई? पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित का विवाद भी सर्वोच्च अदालत में है। शीर्ष अदालत की टिप्पणी है कि आपसी बातचीत का स्तर बिल्कुल निचले स्तर तक नहीं ले जाना चाहिए। दोनों संवैधानिक पदों के बीच ऐसी होड़ नहीं लगनी चाहिए। बहरहाल तमिलनाडु, केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में भी 'मुख्यमंत्री बनाम राज्यपाल' की स्थितियां हैं। टकराव बेहद गहरे हैं, जबकि विवाद संवैधानिक नहीं है। दोनों पदों के बिना हमारा संघीय ढांचा कारगर ही नहीं हो सकता। विडंबना और दुर्भाग्य है कि राज्यपाल विपक्षी दलों की सरकारों वाले राज्यों में ही 'परोक्ष राजनीति' खेलते दीखते हैं। दरअसल हमारी सियासत को एहसास होना चाहिए कि अब ब्रिटिश साम्राज्य का उपनिवेशी भारत नहीं है। भारत आज स्वतंत्र, संप्रभु, लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक संविधान वाला देश है। राज्यपाल की भी एक निश्चित और संवैधानिक भूमिका है। एक उदाहरण चुनाव आयोग के फैसले और अनुशंसा का है। आयोग ने झारखंड के मुख्यमंत्री को लेकर अपना फैसला बंद कवर में राज्यपाल को भेजा था। तत्कालीन महामहिम ने करीब 6 माह तक उस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया।

राहुल पर लगे आरोप मात्र चुनावी स्टंट

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस के नेता और सांसद राहुल गांधी ने विदेश में जाकर देश का अपमान किया है। गौरतलब है कि संसद की कार्यवाही का सीधा प्रसारण होता है। संसद में जो हुआ उसे पुरी दुनिया ने देखा। सवाल यह है कि जब केंद्र सरकार राहुल के बयान को इतना गंभीर मानती है तो उनके खिलाफ देश के अपमान और देशद्रोह का मुकदमा दर्ज क्यों नहीं कराती। इसका फैसला अदालत कर लेगी कि राहुल गांधी ने देश का अपमान किया है या नहीं।

-योगेंद्र योगी-

आजादी के बाद देश के संसदीय इतिहास में ऐसा पहला मौका आया जब सत्तारूढ़ दल ने संसद ठप की हो। संसद की यह कार्यवाही कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी से माफी मंगवाने की मांग को लेकर बाधित रही। संसद सत्र का प्रति मिनट खर्चा ढाई लाख रुपए आता है। अर्थात एक दिन भी यदि संसद की कार्यवाही ठप रहती है तो करोड़ों का नुकसान होता है। इसकी भरपाई सांसद या मंत्री नहीं करते, बल्कि देश के आम करदाताओं को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। राहुल ने लंदन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में भारत में संस्थाओं के नियंत्रण में होने और अपने फोन की जासूसी किए जाने का आरोप लगाया। राहुल ने अपने ऊपर आपराधिक मामले दर्ज कराए जाने का मुद्दा उठाया। आरएसएस को एक फासीवादी संगठन और भारत में मीडिया और न्यायपालिका नियंत्रण में बताते हुए विदेशी हस्तक्षेप की मांग की।

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस के नेता और सांसद राहुल गांधी ने विदेश में जाकर देश का अपमान किया है। गौरतलब है कि संसद की कार्यवाही का सीधा प्रसारण होता है। संसद में जो हुआ उसे पुरी दुनिया ने देखा। सवाल यह है कि जब केंद्र सरकार राहुल के बयान को इतना गंभीर मानती है तो उनके खिलाफ देश के अपमान और देशद्रोह का मुकदमा दर्ज क्यों नहीं कराती। इसका फैसला अदालत कर लेगी कि राहुल गांधी ने देश का अपमान किया है या नहीं। इससे भाजपा का बचना यह दशार्ता है कि देश के अपमान और देशद्रोह को सिर्फ चुनावी मुद्दा बनाया जा रहा है। हकीकत में इस मामले में भाजपा कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करना चाहती है। सवाल यह भी है कि भाजपा राहुल गांधी से तो चुनावी तरीके से निपट लेगी किन्तु वैश्विक संस्थाओं द्वारा विभिन्न मामलों में देश की हालत की जो तस्वीर बताई गई है, भाजपा उनसे कैसे निपटेगी। भाजपा ने ऐसी संस्थाओं से कभी माफी मांगने और उन देशों को चेतावनी देते हुए संबंधों में दरार पडने. की बात कभी नहीं की।

अलबत्ता केंद्र सरकार उन रिपोर्टों को भारत की छवि खराब करने वाले बताता हुए खारिज करती रही है। विगत वर्षों में संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व स्तर की रैंकिंग प्रदान करने वाली विभिन्न संस्थाओं की रिपोर्ट में भारत की जो तस्वीर पेश की है, वह देश को शर्मसार करने वाली रही है। केंद्र की भाजपा सरकार विश्व में विभिन्न मामलों में जारी रिपोर्टों को खारिज तो कर सकती है, पर माफी नहीं मंगवा सकती, जिनके कारण भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा है। वैश्विक भूख सूचकांक 2022 में भारत छह पायदान नीचे खिसक कर अब 121 देशों में 107वें स्थान पर पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक सूचकांक में वर्ल्ड हैपीनेस इंडेक्स में शामिल कुल 146 देशों में भारत 136वें पायदान पर है। रिपोर्ट्स विदआउट बॉडर्स की ओर से जारी वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2021 में भारत 142वें स्थान पर बरकरार है। भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस का दंभ भरने वाली सरकार की दृढ़ता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2021 के वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में 180 देशों में भारत का स्थान 85वां रहा। मानव विकास सूचकांक में पिछले वर्ष भारत 131वें स्थान पर था और वर्ष 2021-22 की रिपोर्ट में भारत का स्थान फिसलकर 191 देशों की सूची में 132वें स्थान पर पहुंच गया।

इसी तरह भारत में पर्यावरण की स्थिति रिपोर्ट 2021 में सामने आया कि पिछले साल भारत का स्थान 115 था और अब वह दो स्थान और नीचे चला गया है। ग्लोबल पीस इंडेक्स-2022 में भारत को शांति के मामले में लो कैटेगरी में रखा गया है। इस रैंकिंग में भारत 3 स्टेप चढकर अब 135वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा इंडेक्स-2021 में 113 देशों के बीच 71वां स्थान हासिल किया। विश्व न्याय परियोजना के कानून सूचकांक 2021 के नियम में भारत 139 देशों और क्षेत्राधिकारों में से 79वें स्थान पर है। विश्व में होने वाली सडक दुर्घटनाओं में 11 प्रतिशत मृत्यु भारत में होती हैं। जबकि दुनिया के वाहन का महज एक प्रतिशत ही हमारे यहां है। एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में 73535 बच्चे गायब हो गए। अगर पिछले 5 सालों की बात करें तो गायब होने वाले बच्चों की संख्या 340000 है। पिछले 5 सालों से हर साल औसतन 68000 बच्चे गायब होते रहे हैं। कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी 59263 बच्चे गायब हो गए थे। गायब होने वाले बच्चों में 75 फीसदी लड़कियां होती हैं।

एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया की इंटरएक्टिव वेबसाइट हाल्ट दि हेट के मुताबिक भारत में 2016 के बाद से कथित हेट क्राइम की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई। अकेले 2019 के पहले छह महीनों में ऐसे अपराधों की 181 घटनाएं वेबसाइट की ओर से दर्ज की गईं। महिलाओं के लिए सडक सुरक्षा, महिलाओं की जानबूझकर हत्या, गैर-साथी यौन हिंसा, अंतरंग साथी यौन हिंसा, कानूनी भेदभाव, वैश्विक लिंग अंतर, लिंग असमानता और महिलाओं के प्रति हिंसा में खतरे का सूचकांक वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू 2022 की एक रिपोर्ट में भारत 9वें स्थान पर है। वैश्विक विशेषज्ञों द्वारा किए गए सर्वे में भारत को महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देश बताया गया था। थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन द्वारा हुए सर्वे में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड? और उन्हें सेक्स वर्कर के धंधे में जबरन धकेलने के कारण भारत को सबसे असुरक्षित देश माना गया। वर्ष 2021 को वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक में भारत को 66वां स्थान प्राप्त हुआ।

विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों में जाहिर भारत की स्थिति से मुंह नहीं फेरा जा सकता। इन रिपोर्टों पर भारत की आलोचना को दबाया नहीं जा सकता। देशद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा। इस मामले में सैकड़ों गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इसे पूरे विश्व में देखा गया कि कैसे भारत में आवाज बुलंद करने पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि इस कानून की समीक्षा पूरी होने तक देशद्रोह का कोई नया केस दर्ज नहीं होगा। भारत का लोकतांत्रिक ढांचा इतना कमजोर नहीं है कि राहुल गांधी के बयान देने मात्र से दागदार हो जाए। राहुल गांधी के लगाए आरोपों की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश से या किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी से करानी चाहिए। तभी सच्चाई सामने आ सकती है, अन्यथा ऐसे मामलों को चुनावी राजनीति के स्टंट से ज्यादा कुछ नहीं माना जा सकता।

चुनावी साल: ऐसे वादें मानो धरती पर स्वर्ग उतार लाएंगे

-योगीराज योगेश-

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बजट में लाडली बहनों के लिए 1000 रुपए देने का प्रावधान किया तो बिना देरी किए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने महिलाओं को 1500 रुपए देने की घोषणा कर दी। गैस सिलेंडर, पेट्रोल डीजल के भाव कम करने हों या फ्री में बिजली, पानी, इलाज और राशन मुहैया कराने का मामला हो। भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत सभी राजनीतिक दल हर घोषणाएं पूरी करने के वादे कर रहा है। एक से बढ़कर एक घोषणाएं। भिंडी मार्केट में जैसे सब्जी के लिए बोली लगाई जाती है वैसा ही नजारा प्रदेश में दिखाई दे रहा है। लोकलुभावन घोषणाएं करने की होड़ लगी हुई है। ऐसा लग रहा है जैसे चुनाव के बाद ये नेता धरती पर स्वर्ग उतार ही लाएंगे।

सबसे पहले बात करते हैं कांग्रेस की : कांग्रेस के सीनियर लीडर राहुल गांधी की यात्रा के बाद मिले थोड़े से मोमेंटम को कैसे लूज किया जाए, इसके प्रयास में प्रदेश कांग्रेस के नेता कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का मसला हो या सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का मुद्दा। कांग्रेस नेताओं के सुर एक जैसे नहीं है। सब अपनी डफली अपना राग की तर्ज पर कोरस गाने के प्रयास में है।?गुटबाजी की बात यदि थोड़ी देर के लिए छोड़ भी दी जाए तो जनता से लोक लुभावने वादे और घोषणाएं करने के मामले में भी पार्टी नेताओं के बीच एकजुटता का अभाव साफ दिख रहा है। कमलनाथ जी कह रहे हैं कि कांग्रेस के सत्ता में आते ही जनता की सभी मांगों को पूरा किया जाएगा तो नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने घोषणा कर दी कि सरकार आई तो गैस सिलेंडर 350 रुपए में देंगे।

वहीं जीतू पटवारी पार्टी में अपनी अलग ही लकीर खींचने की कोशिश में लगे हैं। वे कह रहे हैं कि युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। मसला यह नहीं है कि यह नेता अपने स्तर पर घोषणाएं नहीं कर सकते, बिल्कुल कर सकते हैं, लेकिन यह सारी घोषणाएं कमलनाथ जी की तरफ से होती तो इससे बेहतर मैसेज जाता। आखिरकार कमलनाथ जी प्रदेश कांग्रेस के मुखिया हैं, उन्हीं के नेतृत्व में 2023 की लड़ाई लड़ी जा रही है, लेकिन घोषणाएं सब अपने-अपने स्तर पर कर रहे हैं। इससे यह भ्रम की स्थिति भी बनती है कि आखिर कांग्रेस का असली नेता है कौन? क्योंकि मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर अभी भी कांग्रेस में असमंजस की स्थिति है। बार-बार यह बात दोहराई जा रही है कि प्रदेश में सरकार आई तो मुख्यमंत्री कमलनाथ ही होंगे, जबकि इस मुद्दे पर अजय सिंह और अरुण यादव जैसे नेता साफ कर चुके हैं कि कांग्रेस में विधायक दल ही तय करता है कि मुख्यमंत्री कौन होगा। ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस के नेता यह कहते नहीं थक रहे थे कि अब कांग्रेस में गुटबाजी समाप्त हो गई है, लेकिन जिस तरीके की हलचल पार्टी स्तर पर हो रही है उससे तो ऐसा लगता है कि कांग्रेस में अब नई लीडरशिप और सीनियर लीडरशिप के बीच आपसी द्वंद की स्थिति बन गई है। कांग्रेस के नई पीढ़ी के नेता वरिष्ठ नेताओं को सीधे तौर पर चुनौती देने में लग गए हैं। विधानसभा के ताजा बजट सत्र में जीतू पटवारी ने जिस आक्रामक अंदाज में सरकार पर हमला बोला और उसके बाद जो अप्रिय स्थिति विधानसभा में निर्मित हुई वह शर्मसार कर देने वाली है। माननीय सदस्यों द्वारा नियम पुस्तिकाएं फाड़ी गईं। किताबें फेंकी गईं और एक दूसरे पर खुल्लम-खुल्ला बाहें चढ़ाकर ऐसे शब्द बोले गए कि अध्यक्ष को विलोपित करने पड़े। विपक्ष ने अध्यक्ष पर भेदभाव करने का आरोप लगाया और अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले आए।

अब अविश्वास प्रस्ताव का गिरना या वापस लेना तो तय है ही, क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव पर केवल 48 विधायकों ने ही हस्ताक्षर किए हैं। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि खुद कमलनाथ जी ने इस अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में दस्तखत नहीं किए। इसलिए संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा कह रहे हैं कि अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के मामले में कांग्रेस नेता ही एकजुट नहीं है। लेकिन सवाल सिर्फ यह है कि सदन में ऐसी जल्दबाजी, हड़बड़ी और घबराहट क्यों। पार्टी नेता एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में क्यों लगे हुए हैं ? क्या जीतू पटवारी की आक्रामकता और सक्रियता से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में बेचैनी है? क्या विधानसभा में हंगामे का लाभ जीतू पटवारी को मिलता देख जानबूझकर अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है? ताकि यह बताया जा सके कि जीतू पटवारी ने जो मुद्दे उठाए हैं वह पटवारी के नहीं बल्कि कांग्रेस के मुद्दे हैं। और इन मुद्दों पर कांग्रेस एकजुट है। बहरहाल कांग्रेस भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के आपसी सामंजस्य व तालमेल के बाद अविश्वास प्रस्ताव वापस लेने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। रथ पर सवार होकर सड़क पर प्रदर्शनः विधानसभा सत्र के दौरान ही कांग्रेस ने हाल ही में भोपाल में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। जिसमें प्रदेशभर से कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। शिवराज की भाजपा सरकार के खिलाफ यह प्रदर्शन कुछ हद तक सफल भी माना जा रहा है, लेकिन यह सवाल भी उठ रहे हैं सड़क पर प्रदर्शन करना है तो रथ पर सवार होने की क्या आवश्यकता थी। प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल समेत कमलनाथ, गोविंद सिंह, सुरेश पचौरी, कांतिलाल भूरिया, अरुण यादव, जीतू पटवारी और आरिफ मसूद जैसे नेता रथ पर सवार थे।

ऐसा लग रहा था जैसे यह कोई संघर्ष का प्रदर्शन नहीं बल्कि अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का रोड शो है। इस दौरान बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचवाने के चक्कर में कई कार्यकर्ता भी रथ पर लटकने की जद्दोजहद में लगे रहे। बेहतर होता कांग्रेस के सभी नेता सड़क पर उतर कर पैदल-पैदल प्रदर्शन करते। इससे एक अच्छा मैसेज जाता। लेकिन फिर भी कुछ न होने से कुछ तो हुआ इतना भी काफी है। अब राजनीतिक हलकों में यह बात भी बड़े चटखारे लेकर की जा रही है कि कमलनाथ जी कम से कम हेलीकॉप्टर से उतरकर रथ पर तो आए। हो सकता है बहुत जल्द सड़क पर भी नजर आएं।

शिवराज का एकला चलो अभियानः कांग्रेस में संघर्ष और शक्ति प्रदर्शन के बीच भाजपा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का एकला चलो अभियान जारी है। वह अकेले ही पूरे पार्टी का बोझ अपने कंधे पर ढोने में लगे हुए हैं। और इस जिम्मेदारी को वे बखूबी निभा भी रहे हैं।

विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगें गहलोत

-रमेश सर्राफ धमोरा-

राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होने में कुछ महीनों का ही समय शेष रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव लड़ने के लिए अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। कांग्रेस में चल रहा नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा भी खत्म सा हो गया है। यह तय हो गया है कि अगला विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। उनके प्रतिद्वंदी सचिन पायलट ने भी अब मान लिया है कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन का समय निकल चुका है। इसीलिए उनकी नेतृत्व परिवर्तन की मांग भी बंद हो गई है। अब सचिन पायलट कहने लगे हैं कि पार्टी के सभी लोगों की एकजुटता से ही अगला विधानसभा चुनाव जीता जा सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मालूम है कि सरकार चाहे कितने ही विकास के कार्य करवायें। जनता हर पांच साल के बाद सत्ता बदल देती है। राजस्थान के लोगों का मानना है कि सत्ता बदलने से प्रदेश में और अधिक तेजी से विकास कार्य होते हैं। अशोक गहलोत ने अपने पांच साल के कार्यकाल में सचिन पायलट को तो मात दे दी है। मगर अब उनके समक्ष विधानसभा चुनाव सबसे बड़ी चुनौती के रूप में खड़े हैं। जहां उन्हें सभी विपक्षी दलों को परास्त कर फिर से सरकार बनानी होगी। गहलोत को पता है कि कांग्रेस में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते आम जनता में पार्टी के प्रति अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। इसी कमी को पूरा करने के लिए अशोक गहलोत प्रदेश में विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। गहलोत के सोच की झलक इस बार राजस्थान के आम बजट में भी देखने को मिली है।

गहलोत ने अपने इस कार्यकाल के अंतिम बजट को पूरी तरह आमजन का विकासोन्मुखी बजट बनाया है। बजट में प्रदेश के आम आदमी का पूरा ख्याल रखा गया है। उनके हित की बहुत सारी योजनाएं शुरू करने की घोषणा की गई है। जिसका गहलोत पूरा राजनीतिक लाभ उठायेगें। गहलोत ने सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से प्रदेश के वृद्ध नागरिकों, विधवा महिलाओं, विकलांगो, अनाथ बच्चों को मिलने वाली मासिक पेंशन राशि में बढ़ोतरी करने की घोषणा कर उन्हें बड़ा आर्थिक संबल प्रदान किया है। जिसका लाभ उन्हें चुनाव में मिलना तय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री बनते ही गहलोत ने उक्त सभी लोगों को मिलने वाली पेंशन की राशि में भी बढ़ोतरी की थी।

अपने विकास के एजेंडे के तहत ही मुख्यमंत्री गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के निर्माण को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस नहर परियोजना के पूरा होने से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के लोगों को पीने का पानी तो मिलेगा ही साथ ही दो लाख 80 हजार हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। यह परियोजना पूर्वी राजस्थान के लोगों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बनी हुई है। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस परियोजना को केंद्रीय प्रोजेक्ट घोषित कर पूरा करवाने की बात कही थी। मगर केंद्र सरकार ने इस परियोजना को आज तक अपने हाथ में नहीं लिया है। इसी मुद्दे को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बड़े जोर शोर से उठा रहे हैं।

पूर्वी राजस्थान के झालावाड़, बांरा, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, दौसा और धौलपुर सहित इन 13 जिलों में राजस्थान की एक तिहाई से अधिक आबादी रहती है। इस नहर परियोजना के पूरा होने से इस क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति तो सुदृढ़ होगी ही साथ ही उन्हें आने वाले लंबे समय तक पीने का पानी भी उपलब्ध हो सकेगा। इन 13 जिलों में विधानसभा की 83 सीट आती है। जिनमें से अभी कांग्रेस के पास 49 और भाजपा के पास 25 सीट है। राजनीतिक रूप से भी इन 13 जिलों में अभी कांग्रेस मजबूत स्थिति में है। मुख्यमंत्री गहलोत इस नहर परियोजना के मुद्दे पर इस क्षेत्र में अपनी पार्टी की पकड़ को और भी मजबूत करने में लगे हुए हैं।

इसीलिए मुख्यमंत्री गहलोत ने इस परियोजना को गति देने के लिए हाल ही में 14 हजार 200 करोड रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। गहलोत सरकार ने अपने पिछले वर्ष के बजट में भी इस परियोजना के लिए 9 हजार 600 करोड रुपए की स्वीकृति जारी की थी। इस तरह प्रदेश सरकार ने इस परियोजना पर अब तक 23 हजार 800 करोड रुपए की स्वीकृति जारी कर चुकी है।

महाराष्ट्र मामले में ऐतिहासिक होगा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

-सनत जैन-

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र राजनीतिक संकट से संबंधित सभी पक्षों की सुनवाई पूरी कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। मुख्य न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में पांच सदस्यों की खंडपीठ ने एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता कपिल सिब्बल, ए एम सिंघवी, देवदत्त कामत एवं अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने अपने पक्ष को सुप्रीम कोर्ट के सामने बहुत डिटेल में और बहुत अच्छे से रखा है। संविधान पीठ के न्यायाधीशों ने भी समय-समय पर जिन सवालों को किया, उससे स्पष्ट लग रहा है, राज्यपाल की भूमिका सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने उपयुक्त नहीं माना। जिन सदस्यों ने दलबदल किया था, उनके दलबदल से संबंधित मामले विधानसभा अध्यक्ष के पास लंबित थे। सुप्रीम कोर्ट का यह भी मानना था, कि राज्यपाल किसी भी स्थिति में विधानसभा अध्यक्ष के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं कर सकते हैं। साथ ही बहस के दौरान यह भी राय देखने को मिली, कि जब उद्धव ठाकरे ने खुद ही फ्लोर टेस्ट के पहले अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट कैसे उस सरकार को बहाल कर सकती है। 9 दिन चली इस बहस में कई राज्यों में हुए दलबदल के बाद चुनी हुई बहुमत वाली सरकारों में परिवर्तन हुआ है। इन सभी में राज्यपालों की भूमिका को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट में सभी पक्षों ने अपना पक्ष रखा। जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बड़ी तेजी के साथ दलबदल कर हर राज्य में चुनी हुई सरकार को गिरा कर दलबदला करके आए दलबदलुओ के समर्थन से सरकारे बनी है। उसको लेकर दल बदल कानून, पार्टी के विहप, सांसद अथवा विधायक को पार्टी के सिंबल से चुना जाता है। ऐसी स्थिति में जब वह अपनी पार्टी छोड़ता है, तो क्या वह उसका अधिकार है। क्योंकि उसने पार्टी से चुनाव लड़ा और व्यक्तिगत राय को बनाते हुए दलबदल किया। ऐसे कई जटिल प्रश्नों के जवाब और सवाल सुप्रीम कोर्ट में हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संविधान पीठ ने जिस तरह से मामले के सभी पहलुओं को जानने की कोशिश की है। सभी पक्षों से सभी पहलुओं पर राय ली है। उसके बाद ऐसा लगता है, कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बड़ा ऐतिहासिक होगा। इस फैसले में राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट आदेश दे सकती है। दल बदल करने वाले विधायक समूह में दल बदल करते हैं, तो सदन की सदस्यता से त्यागपत्र देकर पुनः चुनाव लड़ने, यदि पूरी पार्टी किसी दूसरी पार्टी के साथ गठबंधन करती है। ऐसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक हो सकता है. पिछले कुछ वर्षों में कई राज्यों में दल बदल के माध्यम से कई निर्वाचित सरकारों को अल्पमत की सरकार बनाकर गिराया गया। दल बदल के बाद एक पार्टी विशेष की सरकारें बनी। इसमें कई तरह के आरोप, विशेष रूप से राज्यपाल की भूमिका, पैसे को लेकर ईडी अथवा सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर दल बदल कराने की बात भी सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान सामने आई है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने इस मामले को जिस तरह से मंथन किया है। उसके बाद पर्याप्त कारण है, कि राज्यपाल की भूमिका तय होगी। यदि किसी पार्टी के कुछ विधायक या सांसद दलबदल करते हैं। ऐसी स्थिति में सदन के अध्यक्ष की दल बदल कानून में मिली शक्तियां पार्टी के चुनाव चिन्ह से से चुने गए निर्वाचित प्रतिनिधि के पार्टी के प्रति और निजी अधिकार को लेकर यह फैसला बड़ा मार्गदर्शी हो सकता है। विधि क्षेत्रों और राजनीतिक हलकों में महाराष्ट्र के इस मामले को लेकर बड़ी जिज्ञासा, फैसले को लेकर बन गई है। सभी लोग बातचीत में यह मानते हैं, कि यह फैसला ऐतिहासिक होगा। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दल बदल कानून के बाद यह माना गया था, कि सरकारों को स्थिर बनाया जा सकेगा। लेकिन वर्तमान स्थिति में अब यह फैसला एक नया दृष्टिकोण और दल बदल कानून में जो बिसंगति है। उसको समाप्त करने में महत्वपूर्ण होगा।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में इजाफा

15.3 फीसदी बढ़कर 15.71 लाख करोड़ रुपए मिले

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में अब तक केंद्र का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह रिफंड जारी करने के बाद 15.3 फीसदी बढ़कर 15.71 लाख करोड़ रुपए रहा। सूत्रों ने कहा कि अग्रिम कर संग्रह में तेजी से प्रत्यक्ष कर प्रा?प्तियों में जोरदार इजाफा हुआ है। यह पूरे वित्त वर्ष के लिए संशोधित लक्ष्य 16.5 लाख करोड़ रुपए का 85.2 फीसदी और बजट अनुमान 14.2 लाख करोड़ रुपए से करीब 10 फीसदी अ?धिक है। 16 मार्च तक कॉर्पोरेट आय कर संग्रह में 8.11 लाख करोड़ रुपए और व्य?क्तिगत आयकर मद में 7.32 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए। इसमें इस अव?धि के दौरान प्राप्त 7.40 लाख करोड़ रुपए का अग्रिम कर संग्रह भी शामिल है। इस दौरान प्रतिभूति लेनदेन कर संग्रह 24093 करोड़ रुपए रहा जबकि संशो?धित लक्ष्य 25000 करोड़ रुपए है। एक वरिष्ठ अ?धिकारी ने कहा, हम चालू वित्त वर्ष की चौथी और अंतिम तिमाही में प्राप्त कुल अग्रिम कर की गणना कर रहे हैं। 16 मार्च तक के आंकड़े में देय अग्रिम कर का 60 फीसदी हिस्सा शामिल है। शेष 40 फीसदी 18 से 19 महीने में दिखेगा। उन्होंने कहा, 16 मार्च तक की गणना के आधार पर कर संग्रह संशो?धित लक्ष्य 16.5 लाख करोड़ रुपए से महज 78821 करोड़ रुपए या 5 फीसदी कम है। अग्रिम कर की चौथी किस्त अभी पूरी तरह नहीं आई है। ऐसे में इसकी पूरी संभावना है कि कुल कर संग्रह संशो?धित अनुमान से अधिक रहेगा। अग्रिम कर संग्रह की अंतिम किस्त का भुगतान 15 मार्च तक करना था।

सीबीडीटी कर रहा कर संग्रह की समीक्षा

मामले के जानकार एक अन्य अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड सीबीडीटी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 20 मार्च को चालू वित्त वर्ष के लिए पूरे देश से प्राप्त कर संग्रह की समीक्षा कर सकता है। आम तौर पर मार्च में कर संग्रह में उल्लेखनीय इजाफा होता है क्योंकि इस दौरान अंतिम तिमाही और वित्त वर्ष का समापन होता है। सरकार को उम्मीद है कि वह इस साल कर संग्रह के संशोधित अनुमान को हासिल कर लेगी।

राजस्व में इजाफा होने की उम्मीद

ज्यादातर कंपनियां अपनी कुल कर देनदारी का भुगतान चौथी किस्त में करती हैं और पहले की किस्तों में कम कर भुगतान की भरपाई भी इस दौरान की जाती है जिससे राजस्व में इजाफा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही बकाया कर मांग की वसूली के प्रयासों से भी राजस्व संग्रह बढ़ेगा। अग्रिम कर भुगतान पूरे वित्त वर्ष के दौरान चार किस्तों में किया जाता है। अग्रिम कर को आ?र्थिक गति?वि?धियों का संकेतक भी माना जाता है। पहली किस्त में कुल कर के 15 फीसदी का भुगतान 15 जून तक, दूसरी किस्त 15 सितंबर तक 30 फीसदी, तीसरी किस्त 15 दिसंबर तक 30 फीसदी और चौथी किस्त में शेष कर का भुगतान 15 मार्च तक करना होता है।

बजट में प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य बढ़ाया

वित्त वर्ष 2023 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनुमान को बजट लक्ष्य 14.08 लाख करोड़ रुपए से 17 फीसदी बढ़ाकर 16.5 लाख करोड़ रुपए किया गया था। फरवरी में पेश आम बजट में 33.6 लाख करोड़ रुपए कर राजस्व मिलने का अनुमान लगाया गया था जो ?वित्त वर्ष 2023 के संशो?धित कर संग्रह 30.4 लाख करोड़ रुपए से 10.4 फीसदी अ?धिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल राजस्व प्रा?प्तियों में प्रत्यक्ष कर की हिस्सेदारी 18.23 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 9.2 लाख करोड़ रुपए कॉर्पोरेट कर और 9 लाख करोड़ रुपए व्यक्तिगत आय कर शामिल है।

खतरे में अमेरिका के 186 बैंक

रिपोर्ट में जाहिर की गई आशंका

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि बढ़ती ब्याज दरों और गैर बीमित जमा के उच्च अनुपात के कारण अमेरिका में 186 बैंकों पर विफलता का खतरा मंडरा रहा है। सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क पर 2023 में मौद्रिक सख्ती और अमेरिकी बैंक नाजुकता मार्क-टू-मार्केट लॉस एंड अनइंश्योर्ड डिपॉजिटर रन्स शीर्षक से जारी इस शोध में फेडरल रिजर्व के दर वृद्धि अभियान के दौरान व्यक्तिगत बैंकों की परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य के नुकसान का अनुमान लगाया गया है।

अध्ययन में बैकों की उन जमाओं की भी जांच की गई जो 250000 डॉलर से अधिक हैं और नियमों के अनुसार बीमित नहीं हैं। अध्ययन के अनुसार ढाई लाख डॉलर से अधिक जमा वाले गैरबीमित निवेशकों में अगर आधे ने भी इन 186 बैंकों से जल्दबाजी में पैसे निकाल लिए तो बीमित जमाकर्ताओं को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी स्थिति होने पर बैंकों के पास सभी जमाकर्ताओं की पूरी राशि का भुगतान करने के लिए पर्याप्त संपत्ति नहीं होगी। ऐसी स्थिति में एफडीआईसी को दखल देना पड़ सकता है। अर्थशास्त्रियों को आशंका है कि 300 अरब डॉलर की बीमित जमा राशि भी खतरे में पड़ सकती है। हालांकि यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शोध में हेजिंग पर कोई विचार नहीं किया गया जो बैंकों को बढ़ती ब्याज दरों के दुष्प्रभाव से बचा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया, भले ही गैर बीमित जमाकर्ताओं में से केवल आधे ही निकासी का फैसला लें पर इससे 186 से 190 बैंकों के बीमाकृत जमाकर्ताओं को भी नुकसान का संभावित खतरा है। ऐसा होने से 300 अरब डॉलर की बीमाकृत जमाराशि भी खतरे में होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर गैरबीमित जमा राशि की तेज निकासी जारी रही तो कई बैंक खतरे में पड़ सकते हैं।

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री जारी रखने की मांग

फिक्की ने सरकार को पत्र लिखकर जताई चिंता

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय डेटा के दुरुपयोग, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और दवाओं का बाजार बिगाड़ने वाले मूल्य निर्धारण जैसी कुछ चिंताओं के कारण डिजिटल फार्मेसियों को बंद करने पर विचार कर रहा है।

इस संबंध में ताजा घटनाक्रम में फिक्की ने 28 फरवरी, 2023 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखा है और इस मुद्दे पर चिंता जताई है। पत्र के अनुसार फिक्की का एक ई-फार्मेसी वर्किंग ग्रुप है जिसमें उद्योग जगत के कई प्रतिनिधि शामिल हैं। यह विभिन्न अभ्यावेदनों, सम्मेलनों और ज्ञान सत्रों के माध्यम से इस क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों को लगातार संबोधित करता रहा है। फिक्की ने संचालन के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए ई-फार्मेसी आचार संहिता विकसित करने में उद्योग की सहायता की है। फिक्की ने कोविड-19 फ्रंटलाइन फाइटिंग ऑड्स में ई-फार्मेसी की देश सेवा शीर्षक से एक श्वेत पत्र प्रकाशित किया था। इसमें महामारी के दौरान फार्मेसियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। भारत को भविष्य के लिए तैयार डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली की जरूरत है। कोविड-19 महामारी में के दौरान इसकी जरूरत महसूस हुई है। सस्ती और प्रभावी सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के लिए ई-फार्मेसी दवाओं की पूर्ण ट्रैकिंग और ट्रेसेबिलिटी के साथ एक मजबूत डिजिटल नींव प्रदान करते हैं। यह दवा आपूर्ति शृंखला में एक महत्वपूर्ण घटक है। दवाओं की पहुंच और अनुपालन में सुधार करके, ई-फार्मेसियों ने खुद को आवश्यक सेवाएं साबित की हैं। पत्र के के अनुसार हमारे प्रधानमंत्री ने खुद कोविड के चुनौतीपूर्ण दौर में दवाओं तक घर-घर पहुंच को सक्षम करने में ई-फार्मेसी के समर्पण को पहचाना था और उनकी प्रशंसा थी

अमेरिकी बैंक संकट का भारत में असर

एफपीआई निकालने लगे पैसे

नई दिल्ली। अमेरिकी बैंकिंग संकट का असर अब भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिखने लगा है। मार्च महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के निवेश में जो तेजी देखी जा रही थी, अब उसका ट्रेंड पलटने लगा है। इस कारण अब तक मार्च महीने के दौरान हुए एफपीआई निवेश के आंकड़े में कमी आई है।

एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 17 मार्च को कारोबार समाप्त होने के बाद इस महीने इक्विटीज में एफपीआई का अब तक का निवेश 11495 करोड़ रुपए है। इससे पहले 10 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह के बाद मार्च महीने के दौरान एफपीआई के निवेश का आंकड़ा 13450 करोड़ रुपए था। इसका मतलब हुआ कि इस सप्ताह यानी 13 मार्च से 17 मार्च के दौरान एफपीआई ने भारतीय बाजार से 7953.68 करोड़ रुपए की निकासी की, जिसके कारण उनके शुद्ध निवेश में 2045 करोड़ रुपए की कमी आई। अमेरिका में सबसे पहले प्राधिकरणों से सिलिकॉन वैली बैंक को बंद किया। उसके बाद सिग्नेचर बैंक भी डूब गया। बैंकिंग जगत का संकट यहीं पर नहीं थमा। एक अन्य अमेरिकी बैंक फर्स्ट रिपब्लिक बैंक भी डूबने के कगार पर है, जिसे बचाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। दूसरी ओर यूरोप के सबसे पुराने बैंकों में से एक क्रेडिट सुईस भी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बैंकिंग व वित्तीय जगत के मौजूदा संकट के कारण पिछले सप्ताह भारतीय बाजार में बिकवाली देखी गई। सप्ताह के दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों सूचकांक करीब 2-2 फीसदी गिर गए।

भारतीय शेयर बाजारों में हुई इस बिकवाली में एफपीआई का बड़ा योगदान रहा। इससे पहले तक एफपीआई इस महीने भारतीय बाजार में ठीक-ठाक पैसे लगा रहे थे। मार्च महीने की शुरुआत में ही अडानी समूह की चार कंपनियों को ब्लॉक डील के माध्यम से 15446 करोड़ रुपए का एफपीआई निवेश मिला था। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के कारण ऐसा हुआ था। इसके बाद सिग्नेचर बैंक के डूबने से निवेशक और डर गए। हालांकि बाद में क्रेडिट सुईस और फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को बचाने के लिए विभिन्न पक्षों के आगे आने से बाजार को कुछ राहत मिली।

रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने राष्ट्रीय आवास बैंक एनएचबी के कुछ प्रावधानों को पूरा नहीं करने के लिए हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड एचडीएफसी पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने यह जानकारी दी। आरबीआई ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी की 31 मार्च, 2022 को वित्तीय स्थिति के आधार पर एनएचबी ने कंपनी का सांविधिक निरीक्षण किया था। आरबीआई ने बयान में बताया कि निरीक्षण में इसका खुलासा हुआ कि कंपनी 2019-20 के दौरान कुछ जमाकर्ताओं की परिपक्व जमा राशि को उनके नामित बैंक खातों में स्थानांतरित नहीं कर सकी। बयान के अनुसार, इसके बाद कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि क्यों न उसपर जुर्माना लगाया जाए। इसमें कहा गया, कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक इस नतीजे पर पहुंचा कि प्रावधानों को नहीं मानने का आरोप पर्याप्त है और उसपर जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

विशेष इस्पात के लिए सरकार लाएगी पीएलआई योजना

नई दिल्ली। देश में विशेष स्टील के मूल्यवर्धित उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार दोबारा उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन पीएलआई योजना को लाने पर विचार कर रही है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया, पीएलआई का पहला चरण जारी है। इसकी अभी शुरुआत है। सिंधिया ने कहा, हमारे मंत्रालय ने पहले ही पीएलआई के दूसरे चरण की तैयारी शुरू कर दी है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, मंत्रालय ने उद्योग के शेयरधारकों से उनके सुझाव मांगे हैं ताकि उसी आधार पर अगली योजना जल्दी से तैयार हो सके। अब तक 27 स्टील कंपनियों ने 57 एमओयू पर हस्ताक्षर किया है। सरकार ने जुलाई 2021 में स्टील क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी।

नैनो डीएपी का तीन साल तक विनिर्माण करेगी इफको

नई दिल्ली। खाद बनाने वाली प्रमुख सहकारी कंपनी इफको और कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड अगले तीन साल तक नैनो डीएपी का विनिर्माण करेंगे। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री भगवंत खुबा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दो मार्च को अधिसूचना जारी की जा चुकी है। डाई अमोनियम फॉस्फेट डीएपी देश में यूरिया के बाद उपयोग किया जाने वाला दूसरा बड़ा उर्वरक है। मंत्री ने कहा कि इफको ने बताया है कि वह गुजरात की कलोल इकाई में एक नैनो डीएपी संयंत्र स्थापित कर रहा है, जिसकी क्षमता आधा लीटर की दो लाख बोतलों का प्रतिदिन उत्पादन करने की होगी। उन्होंने आगे कहा, व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने के बाद नैनो डीएपी देशभर के बाजारों में उपलब्ध हो जाएगा।

कैंपा की आहट से कोका-कोला ने घटाए दाम

नई दिल्ली। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स द्वारा 50 साल पुराने प्रतिष्ठित बेवरिज ब्रांड कैंपा कोला को कोला बाजार में फिर से पेश करने के बाद कोका-कोला ने प्रमुख राज्यों में अपनी कुछ सबसे कम स्टॉक रखने वाली इकाइयों की कीमतों में कमी की है। कीमतों में कटौती ऐसे वक्त में हुई है जब तापमान में बढ़ोतरी के साथ ठंडे पेय पदार्थों की मांग में वृद्धि हुई है। इस बारे में वितरकों ने बात की और उन्होंने कहा कि कोका-कोला की 200 मिलीलीटर कांच की बोतल जो पहले 15 रुपए की थी, अब तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 10 रुपए की हो गई है। कैंपा कोला के 200 मिलीलीटर पॉलिएथिलीन टेरेफ्थेलेट बोतल की कीमत भी 10 रुपए ही है। साथ ही कांच की बोतलों को रखने के लिए खुदरा विक्रेताओं द्वारा भुगतान की जाने वाली क्रेट जमा को भी अब माफकर दिया गया है। क्रेट जमा आमतौर पर 50 से 100 रुपए के बीच होता है।

टेक्सटाइल पार्क से 20 लाख को रोजगार मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मित्र योजना के तहत 4445 करोड़ रुपए की लागत से मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन मेगा पार्कों से 20 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। ये टेक्सटाइल पार्क तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन मेगा टेक्सटाइल पार्कों के अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए करीब 70000 करोड़ रुपए का घरेलू और विदेशी निवेश होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि सात राज्यों में ष्प्रधानमंत्री मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की जाएगी।

एफसीआई ने खुले बाजार में बेचा 4.91 लाख टन गेहूं

नई दिल्ली। गेहूं और गेहूं आटे की कीमतों को काबू में लाने के मकसद से सरकारी स्वामित्व वाली एफसीआई ने ई-नीलामी के छठे दौर में आटा चक्की जैसे थोक उपभोक्ताओं को 4.91 लाख टन गेहूं बेचा है। केंद्र ने खुदरा कीमतों को कम करने के लिए खुली बाजार बिक्री योजना के तहत 50 लाख टन गेहूं की बिक्री की घोषणा की है, जिसमें से 45 लाख टन थोक उपयोगकर्ताओं के लिए निर्धारित किया गया है। एक सरकारी बयान के अनुसार, भारतीय खाद्य निगम ने 15 मार्च को छठे दौर की ई-नीलामी आयोजित की थी। इसमें कहा गया है, एफसीआई के 23 क्षेत्रों में 611 डिपो से कुल 10.69 लाख टन गेहूं की पेशकश की गई और 970 बोलीदाताओं को 4.91 लाख टन गेहूं बेचा गया। ई-नीलामी के छठे दौर के बाद ओएमएसएस के तहत गेहूं की संचयी बिक्री 45 लाख टन के कुल आवंटन के मुकाबले 33.77 लाख टन तक पहुंच गई है। बयान में कहा गया है, इस बिक्री ने पूरे देश में गेहूं और आटे की कीमत को नरम करने में महत्वपूर्ण असर डाला है। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कहा कि सरकार द्वारा खुले बाजार में गेहूं बेचने के फैसले के बाद पिछले दो माह में गेहूं और आटे की कीमतों में 6 से 8 रुपए प्रति किलो की कमी आई है।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने एनटीपीसी को मिली ढील

नई दिल्ली । मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने हरित ऊर्जा के लक्ष्यों को पूरा करने के उद्येश्य से एनटीपीसी लिमिटेड को अपनी अनुषंगी हरित ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में निवेश करने के लिए उसे महारत्न का दर्जा प्राप्त केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को निवेश का अधिकार देने संबंधी वर्तमान दिशानिर्देशों से छूट दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीईए की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी देते हुए सरकारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि सीसीईए ने एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड और उसके अन्य संयुक्त उद्यमों अथवा अनुषंगी कंपनियों में एनजीईएल के निवेश के लिए भी भी छूट दी है। यह छूट 5,000 करोड़ रुपए की मौद्रिक सीमा से ऊपर 7,500 करोड़ रुपए तक के लिए होगी और कंपनी के निवल मूल्य के 15 प्रतिशत की सीमा के अधीन होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह निर्णय एनटीपीसी लिमिटेड के 20232 तक 60,000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य के मद्देनजर किया गया है। एनटीपीसी लि ने अपनी हरित ऊर्जा परियोजनाओं को अपनी नवगठित अनुषंगी एनजीईएल में हस्तांतरित कर दिया है। इन अनुषंगी पर एनटीपीसी का पूर्ण नियंत्रण है। भारत जलवायु परिवर्तन पर संयुक्तराष्ट्र के सम्बद्ध पक्षों के सम्मेलन सीओपी 26 में 2027 तक कार्बन उत्सर्ज के स्तर में वृद्धि को शुद्ध रूप से शून्य करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, भारत अपने विकास लक्ष्यों को पूरा करते हुए कम कार्बन उत्सर्जन की दिशा में काम कर रहा है। देश 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लाख मेगावाट तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम और देश की अग्रणी विद्युत उपयोगिता के रूप में।

गेहूं के दाम गिरने की उम्मीद: आटा मिल

नई दिल्ली। आटा मिल के प्रतिनिधियों के मुताबिक गेहूं के आटे के उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में अगले कुछ महीनों के दौरान तेजी से गिरावट आएगी और आधे पर आ जाएगी। मिल के आटे में नरमी आनी शुरू हो गई है। भारतीय खाद्य निगम एफसीआई ने दाम करने के लिए छह निविदाएं जारी की हैं। एफसीआई ने 33.8 लाख टन गेहूं जारी किया है। कोरोना से पहले के साल 2019-20 में एफसीआई ने 36.3 लाख टन गेहूं बेचा था। इसने खुले बाजार में बेचने की योजना के तहत 2021-22 में 70.3 लाख टन गेहूं जारी किया था। इस साल छठी निविदा की बिक्री अंतिम हो सकती है।

विदेशी मुद्रा भंडार में कमी, तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.397 अरब डॉलर घटकर 560 अरब डॉलर रह गया। यह विदेशी मुद्रा भंडार का दिसंबर, 2022 के शुरुआती सप्ताह के बाद तीन महीने से अधिक समय का निचला स्तर है। इससे पहले लगातार पांच सप्ताह तक गिरावट के बाद तीन मार्च वाले सप्ताह में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 1.46 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गईथी। विदेशी मुद्रा भंडार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली विदेशी मुद्रा संपत्ति एफसीए 10 मार्च वाले सप्ताह में करीब 2.2 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 494.86 अरब डॉलर रह गई।

निवेशकों ने सिक्किम में 1,000 करोड़ का निवेश करने में रुचि दिखाई: मुख्यमंत्री तमांग

गंगटोक, एजेंसी। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि निवेशकों ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि सरकार तत्काल निवेशकों के अनुकूल नीतियां लागू करना शुरू कर देगी। तमांग ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 16 मार्च को जी-20 बैठक के दौरान निवेशकों द्वारा दिखाई गई रुचि आगे चलकर राज्य के लिए लाभकारी होगी। मुख्य सचिव वीबी पाठक ने कहा कि जी-20 के 12 देशों के प्रतिनिधियों ने बी-20 सम्मेलन में भाग लिया है। उन्होंने कहा, निवेशकों ने राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी, ढांचागत, अक्षय ऊर्जा, कौशल विकास, शिक्षा, कृषि-प्रसंस्करण, जैविक खेती, वन उत्पाद और आतिथ्य क्षेत्र में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में रुचि दिखाई है। पाठक ने कहा कि नॉर्वे ने आपदा जोखिमों को कम करने के प्रयासों के साथ सिक्किम में छोटी जलविद्युत परियोजनाओं और सुरंग बनाने की गतिविधियों में रुचि दिखाई है।

हीं स्वीडन इस हिमालयी राज्य के शिक्षा क्षेत्र में सहयोग करना चाहता है। सिक्किम 18 और 19 मार्च को भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत नवगठित स्टार्टअप-20 एंगेजमेंट ग्रुप की दूसरी बैठक की मेजबानी करेगा।

भारत ने कभी भी पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध नहीं तोड़े: भारतीय राजनयिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध कभी भी बंद नहीं किए और देश व्यापारिक संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है।

समाचार पत्र डॉन की खबर के मुताबिक, पाकिस्तान में भारत के उप उच्चायुक्त सुरेश कुमार ने शुक्रवार को लाहौर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एलसीसीआई) के एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत हमेशा पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहता है, क्योंकि हम अपना भूगोल नहीं बदल सकते। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंधों की ओर बढ़ना चाहते हैं। हमने पाकिस्तान के साथ व्यापार भी नहीं रोका। पाकिस्तान ने ही ऐसा किया था। कुमार ने कहा, हमें यह सोचना चाहिए कि हम अपनी समस्याओं और स्थितियों को कैसे बदल सकते हैं। नई दिल्ली के 2019 में जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार को निलंबित कर दिया था। साथ ही इस्लामाबाद में भारत के उच्चायुक्त को निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि भारत, पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की इच्छा रखता है, और इस बात पर जोर देता है कि इस तरह के जुड़ाव के लिए आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की है।

रतन टाटा को ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया में नियुक्त किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर जनरल ने घोषणा की है कि भारत के शीर्ष उद्योगपति अरतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और परोपकार के लिए विशिष्ट सेवा के लिए ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया में नियुक्त किया गया है। 2022 तक, टाटा संस के चेयरमैन एमेरिटस और टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा की कुल संपत्ति 3800 करोड़ रुपये है।

गवर्नर जनरल के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है, ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों के लिए उनके समर्थन की मान्यता में, वह ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एओ) के जनरल डिवीजन में मानद अधिकारी के रूप में नियुक्ति के साथ औपचारिक राष्ट्रीय मान्यता के योग्य हैं। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओफारेल ने शुक्रवार को ट्वीट किया- ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और परोपकार के लिए विशिष्ट सेवा के लिए श्री रतन टाटा को ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एओ) में एक मानद अधिकारी नियुक्त करने की ऑस्ट्रेलियाई गवर्नर-जनरल की घोषणा पर खुशी हुई। टाटा, गहरे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मजबूत और प्रभावशाली समर्थक रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते की वकालत करना शामिल है, जिसे 2022 में अंतिम रूप दिया गया था, और भारत में आने वाले व्यापार और सरकारी नेताओं का समर्थन किया।

बयान में कहा गया, उनके काम में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जल, कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा, सामाजिक न्याय और समावेशन, डिजिटल परिवर्तन, आपदा राहत, और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण सहित व्यापक क्षेत्रों में विकास का समर्थन करना और अवसर पैदा करना शामिल है।

टाटा फैमिली ट्रस्ट के तहत दी जाने वाली छात्रवृत्ति के माध्यम से, भारतीय छात्रों को ऑस्ट्रेलिया में अध्ययन करने, लोगों से लोगों और आर्थिक संबंधों को गहरा करने और ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा क्षेत्र में अवसर पैदा करने के अवसर प्रदान किए गए हैं। टाटा आपदा राहत प्रयासों में भी शामिल रहा है और उसने उन संगठनों का समर्थन किया है जो जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करते हैं, जैसे कि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद, जिसके दौरान दो ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने दुखद रूप से अपनी जान गंवा दी थी।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), जो 1998 से ऑस्ट्रेलिया में स्थित है, 17,000 कर्मचारियों और सहयोगियों के साथ किसी भी भारतीय कंपनी के ऑस्ट्रेलियाई लोगों की सबसे बड़ी संख्या को रोजगार देती है। टीसीएस एक महत्वपूर्ण समर्थक मुक्त कार्यक्रम के माध्यम से ऑस्ट्रेलियाई समुदाय में भी योगदान देता है जो स्वास्थ्य और स्वदेशी नेतृत्व के क्षेत्र में छह गैर-लाभकारी ऑस्ट्रेलियाई संगठनों को मानार्थ आईटी सेवाएं प्रदान करता है।

रतन टाटा को व्यवसाय, उद्योग, इंजीनियरिंग, नेतृत्व, संस्कृति और शांति में उनके योगदान के लिए कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और प्रशंसा मिली है, जिसमें न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ बिजनेस मानद उपाधि भी शामिल है।

स्टार्क-मार्श चमके, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को रौंदा

विशाखापटनम, एजेंसी। वामहस्त तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (53/5) की घातक गेंदबाजी के बाद मिचेल मार्श (66 नाबाद) और ट्रैविस हेड (51 नाबाद) के विस्फोटक अर्द्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे एकदिवसीय मैच में रविवार को 10 विकेट से रौंदकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 117 रन पर ऑलआउट हो गया, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में उसका सबसे छोटा स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया ने 118 रन का लक्ष्य महज 11 ओवर में हासिल कर लिया।

भारत की ओर से विराट कोहली ने 35 गेंद पर चार चौकों की सहायता से सर्वाधिक 31 रन बनाये, जबकि अक्षर पटेल 29 गेंद पर 29 रन बनाकर नाबाद रहे। मेजबान टीम के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरूआत करने उतरे मार्श और हेड ने 66 गेंद पर 121 रन की अविजित साझेदारी करके कंगारुओं को जीत दिला दी। यह भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले कंगारुओं ने भारत को मुंबई में 2020 में 10 विकेट से हराया था, हालांकि तब ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य तक पहुंचने के लिये 37.4 ओवर खेले थे।

मार्श ने ऑस्ट्रेलिया की इस ऐतिहासिक जीत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 36 गेंद पर छह चौकों और छह छक्कों के साथ 66 रन बनाये, जबकि हेड ने 30 गेंद पर 10 चौके लगाकर 51 रन की पारी खेली।

यह एकदिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की तीसरी सबसे बड़ी जीत भी है। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 22 मार्च को चेन्नई के चिदंबरम स्टेडियम पर खेला जायेगा।

ऑस्ट्रेलिया की इस विशाल जीत के नायक स्टार्क रहे जिन्होंने विशाखापटनम में मिलने वाली स्विंग को भुनाते हुए आठ ओवर में 53 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्होंने अपने एकदिवसीय करियर में नौंवी बार पांच विकेट चटकाये हैं। शॉन एबॉट ने छह ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि नेथन एलिस ने पांच ओवर में 13 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं।

ऑस्ट्रेलिया ने दो दिन तक बारिश में भीगी विशाखापटनम की पिच को ध्यान में रखते हुए टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्टार्क ने कप्तान स्टीव स्मिथ के फैसले को सही ठहराते हुए पहले ही ओवर में शुभमन गिल को शून्य रन के स्कोर पर पवेलियन लौटा दिया।

रोहित शर्मा ने स्टार्क और कैमरन ग्रीन को एक-एक चौका जड़ा लेकिन वह ऑफ-स्टंप से बाहर की ओर जा रही गेंद को मारने की कोशिश में स्लिप को कैच थमा बैठे। स्टार्क ने अगली ही गेंद पर सूर्यकुमार यादव को भी पगबाधा आउट कर दिया।

उन्होंने अपनी स्विंग से कोहली को भी परेशान किया, लेकिन कोहली ने शानदार डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए एक छोर से पारी को संभाले रखा। पावरप्ले समाप्त होने से एक ओवर पहले केएल राहुल (09) स्टार्क का शिकार हो गये, जबकि एबॉट ने 10वें ओवर में स्मिथ के सनसनीखेज कैच की बदौलत हार्दिक पांड्या को चलता कर दिया।

विश्व कप 2019 के सेमीफाइनल के बाद भारत ने पहली बार 10 ओवर के अंदर चार या उससे ज्यादा विकेट गंवाये थे। इस बीच कोहली ने भारतीय पारी को संबल दिया और दूसरे छोर से उन्हें रवींद्र जडेजा का साथ मिला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिये 22 रन की साझेदारी हुई ही थी कि एलिस ने कोहली को पगबाधा आउट कर दिया। एलिस ने अपने अगले ओवर में जडेजा (39 गेंद, 16 रन) को भी पवेलियन लौटाया।

भारत की बल्लेबाजी समाप्त होने के बाद अक्षर ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन पुछल्ले बल्लेबाज उनका साथ न दे सके। एबॉट ने कुलदीप यादव (17 गेंद, चार रन) और मोहम्मद शमी को लगातार गेंदों पर चलता किया। अक्षर ने हथियार डालने से पहले 26वें ओवर में स्टार्क को दो छक्के जड़े, लेकिन इस ओवर की आखिरी गेंद पर स्टार्क ने मोहम्मद सिराज को बोल्ड करके भारतीय पारी को समाप्त किया।

मार्श और हेड जब बल्लेबाजी करने उतरे तो ऐसा प्रतीत हुआ कि वे किसी अलग पिच पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। मार्श ने खाता खोलने में समय लिया, लेकिन चौथी गेंद पर पहला रन बनाने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। दूसरी ओर, हेड ने दूसरे ही ओवर में सिराज को दो चौके जड़कर अपने इरादे साफ कर दिये।

मार्श ने पांचवें ओवर में शमी को निशाना बनाते हुए दो छक्के और एक चौका जड़कर 16 रन बटोरे, जबकि हेड ने अगले ओवर में लगातार चार चौके जड़कर ऑस्ट्रेलिया का अर्द्धशतक पूरा किया। कप्तान रोहित ने विकेट की तलाश में आठवां ओवर हार्दिक पांड्या को सौंपा लेकिन मार्श ने उन्हें तीन छक्के जड़कर 29 गेंद में अपना व्यक्तिगत अर्द्धशतक पूरा कर लिया।

पारी के आखिरी ओवर में शमी ने अक्षर की गेंद पर हेड का कैच छोड़ा। हेड ने भी इसका लाभ उठाते हुए 29 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया, जबकि मार्श ने ओवर की आखिरी गेंद पर चौका जड़कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

यह शेष गेंदों (234) के मामले में एकदिवसीय क्रिकेट में भारत की सबसे बड़ी हार है। भारत के शीर्ष गेंदबाज सिराज ने तीन ओवर में 37 रन दिये, जबकि शमी ने तीन ओवर में 29 रन दिये। अक्षर के तीन ओवरों में 25 रन बने, जबकि पांड्या के एकमात्र ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 18 रन बनाये।

बल्लेबाजी में तकनीक की कमी बनी हार का कारण : रोहित

विशाखापटनम। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली 10 विकेट की निराशाजनक हार के बाद शनिवार को कहा कि बल्लेबाजों का तकनीक पर अमल न करना इस पराजय का कारण बना। रोहित ने मैच के बाद कहा, "अगर आप एक मैच हारते हैं तो वह बेहद निराशाजनक होता है। हमने बल्लेबाजी में तकनीक पर अमल नहीं किया और पर्याप्त रन बनाने में असफल रहे। यह पिच 117 रन बनाने वाली नहीं थी। हमने खुद को जरूरी रन बनाने का मौका नहीं दिया।" ऑस्ट्रेलिया की घातक गेंदबाजी के आगे भारतीय बल्लेबाजी मात्र 117 रन पर सिमट गयी। मेहमानों ने 118 रन का लक्ष्य बिना कोई विकेट गंवाये मात्र 11 ओवर में हासिल कर लिया। कंगारुओं की इस जीत के नायक मिचेल स्टार्क रहे जिन्होंने पहले ओवर से ही गेंद को स्विंग करते हुए पांच विकेट चटकाये। रोहित ने कहा, कहा, "पहले ओवर में शुभमन का विकेट गिरने के बाद मैंने और विराट ने 30-35 रन जोड़े मगर उसके बाद मैंने अपना विकेट गंवा दिया। स्टार्क एक शानदार गेंदबाज है और वह लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया के लिये ऐसा कर रहा है। वह अपनी क्षमता के अनुसार गेंदबाजी करता रहा और नयी गेंद को स्विंग करवाया।" स्टार्क की शानदार गेंदबाजी के बाद मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 121 रन की अविजित साझेदारी करके तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। मार्श ने 36 गेंद पर छह चौकों और छह छक्कों के साथ नाबाद 66 रन बनाये और रोहित को अपनी तारीफ करने पर मजबूर कर दिया।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2023 के लिए नई जर्सी का किया अनावरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी नई जर्सी लांच कर दी है। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को ट्विटर हैंडल पर अपनी नई जर्सी की तस्वीर शेयर की है। इसमें टीम के कप्तान डेविड वार्नर, उप-कप्तान अक्षर पटेल और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ नई जर्सी पहने हुए दिख रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स की नई जर्सी लाल और नीले रंग में है।

इसके साथ फ्रेंचाइजी ने और चार तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें छोटे-छोट बच्चे नई जर्सी पहने हुए नजर आ रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने लिखा है, क्यों दिल्ली, कैसा लगा सरप्राइज? नई दिल्ली की नई जर्सी यहां है। कैपिटल्स ने आगे लिखा कि शहर में, शहर के लिए और शहर के साथ लॉन्च किया गया। सवेरा एसोसिएशन के बच्चे हमारे खिलाड़ियों के साथ आज सुबह के रनफॉरगुड कार्यक्रम में सीजन की नई जर्सी को धारण करने वाले पहले लोगों में से थे। हाल ही में टीम ने अपने नियमित कप्तान ऋषभ पंत की गैर-मौजूदगी में डेविड वार्नर को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। साथ ही ऑलराउंडर अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया है।

बोपन्ना एटीपी मास्टर्स 1000 का खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

इंडियन वेल्स / एजेंसी।

भारत के रोहन बोपन्ना यहां बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैट एबडेन के साथ पुरुष युगल का खिताब जीतकर एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। बोपन्ना अभी 43 वर्ष के हैं। उन्होंने और 35 वर्षीय एबडेन ने शनिवार को फाइनल में वेस्ले कूलहोफ और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की की नीदरलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-3, 2-6, 10-8 से हराया।

अपने 10वें एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में खेल रहे बोपन्ना ने कहा, ''वास्तव में विशेष। इसलिए इसे टेनिस का स्वर्ग कहा जाता है। मैं बरसों से यहां आ रहा हूं और लोगों को यहां खिताब जीतते हुए देख रहा हूं। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैं और मैट यहां खिताब जीतने में सफल रहे।'' उन्होंने कहा, ''हमने कड़े और करीबी मैच खेले। आज हमारा सामना यहां मौजूद सर्वश्रेष्ठ टीम से था। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि हम ट्रॉफी जीतने में सफल रहे।''

बोपन्ना ने इस तरह कनाडा के डेनियल नेस्टर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2015 में सिनसिनाटी मास्टर्स में 42 साल की उम्र में खिताब जीता था। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''मैंने डैनी नेस्टर से बात की और मैंने उनसे कहा कि मुझे खेद है कि मैं उनका रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा हूं। यह खिताब हमेशा मेरे साथ रहेगा और मैं वास्तव में इससे बहुत खुश हूं।'' बोपन्ना का का यह कुल पांचवा और 2017 में मोंटेकार्लो ओपन के बाद पहला मास्टर्स 1000 युगल खिताब है।

रुमैसा को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में निखत

नई दिल्ली, एजेंसी। गत विश्व चैंपियन निखत जरीन ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रविवार को अल्जीरिया की रुमैसा बोउलम को सर्वसम्मति से हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

गैर-वरीयता प्राप्त निखत ने 50 किग्रा वर्ग के शीर्ष 32 मुकाबले में अफ्रीकी चैंपियन बोउलम को 5-0 से परास्त किया। शुरूआती राउंड में दोनों खिलाड़ियों के बीच टक्कर का खेल देखने को मिला लेकिन जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ता गया, निखत ने अपने तेजतर्रार फुटवर्क से रुमैसा को बेअसर कर दिया।

निखत ने इस जीत के बाद कहा, "आज के लिये मेरी रणनीति राउंड पर हावी होने की थी क्योंकि वह (रुमैसा) शीर्ष वरीयता प्राप्त थीं। अगर मैं शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराउंगी, तो यह जजों को प्रभावित करेगा।"

उन्होंने कहा, मैंने उसके मुकाबलों को पहले देखा है। अगर आप करीब जाते हैं तो वह बहुत आक्रामक हो जाती हैं। इसलिए मैंने दूर से खेलने की योजना बनायी।

इससे पूर्व, निखत ने पहले चरण में गुरुवार को अजरबैजान की इस्मायिलोवा अनखानिम को मात दी थी।

गौरतलब है कि निखत ने ओलंपिक भार वर्गों में से 52 किलोग्राम श्रेणी को हटाये जाने के बाद 50 किलोग्राम श्रेणी में प्रवेश किया है। वह राष्ट्रमंडल खेलों में 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं, जबकि उन्होंने पिछली विश्व चैंपियनशिप 52 किग्रा वर्ग में जीती थी।

बेंगलुरु एफसी को हराकर मोहन बागान ने जीता पहला आईएसएल

फतोर्दा/ एजेंसी।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 में एटीके मोहन बागान और बेंगलुरु एफसी के बीच शनिवार को फाइनल मुकाबला खेला गया। गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फुटबॉल प्रशंसकों के यह एक अविस्मरणीय शाम रही। जब एटीके मोहन बागान की टीम आईएसएल 2022-23 के फाइनल में बेंगलुरु एफसी को हराकर नए चैंपियन के रूप में उभरी। हेड कोच जुआन फेरांडो के मैरिनर्स ने दूसरी बार फाइनल खेलते हुए पहली बार आईएसएल खिताब अपने नाम किया। इस जीत से एटीके मोहन बागान ने हीरो आईएसएल ट्रॉफी उठाई और उन्हें 6 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, जबकि उप-विजेता बने हेड कोच साइमन ग्रेसन के ब्लूज को 2.5 करोड़ रुपये मिले।

मैच के निर्धारित समय की समाप्ति तक एटीके मोहन बागान की ओर से दिमित्रि पेट्राटोस ने दो जबकि बेंगलुरू एफसी के लिए सुनील छेत्री और रायकृष्ण ने गोल दागे। इस कारण खेल अतिरिक्त समय पर चला गया और उसमें कोई भी टीम निर्णायक गोल नहीं दाग सकी और फिर परिणाम तय करने के लिए मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया।। जिसमें मोहन बागान ने 4-3 से यह मुकाबला जीत लिया।

मैच की बात करें को पहले हाफ के 14वें मिनट में एटीके मोहन बागान के दिमित्रि पेट्राटोस ने पेनल्टी की मदद से गोल दाग मैच का पहला गोल कर टीम को 1-0 की लीड दिलवा दी। पूरे पहले हाफ एटीके मोहन बागान ने उस लीड को बनाए रखा लेकिन पहले हाफ के एक्स्ट्रा टाइम में सुनील छेत्री ने गोल दाग बेंगलुरु एफसी को बराबरी पर ला खड़ा किया। मैच का जब पहला हाफ खत्म हुआ तब यह मैच बराबरी पर आ गया था और दोनों टीमों ने 1-1 गोल दागे थे।

दूसरे हाफ में बेंगलुरू एफसी ने रॉय कृष्णा के मैदानी गोल की मदद से बढ़त बना ली लेकिन एक बार फिर कहानी में एक मोड़ आ गया जब पेट्राटोस ने मैच में दूसरी बार 85वें मिनट में पेनल्टी की मदद से गोल दाग दिया। मैच के फुल टाइम तक दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया और स्कोर 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। मैच में इसके बाद अतिरिक्त समय जोड़ा गया। दोनों टीमों को दिए गए अतिरिक्त 30 मिनट में भी किसी भी टीम ने एक भी गोल नहीं दागा। इसके साथ अब इस मैच का फैसला शूटआउट में किया जाना था। शूटआउट में एटीके मोहन बागान ने बाजी मार ली और 4-3 के अंतर से इस मैच को जीत लिया।

पेनल्टी शूटआउट में गोलकीपर विशाल कैथ हीरो बन कर उभरे। उन्होंने ब्रुनो रामिरेज के राइट फुटर शॉट को अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर रोका। बेंगलुरू एफसी के पाब्लो पेरेज अपनी पेनाल्टी किक पर राइट फुटर से गेंद को बाहर मार बैठे। एटीके मोहन बागान की ओर से दिमित्री पेट्राटोस, लिस्टन कोलाको, कियान नसिरी और मनवीर सिंह ने अपने मौके भुनाए। वहीं, बेंगलुरू एफसी के लिए एलेन कोस्टा, रॉय कृष्णा और सुनील छेत्री ने गोल दागे। मैरिनर्स के लिए निर्धारित समय में दोनों गोल और पेनल्टी शूटआउट में गोल करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्ट्राइकर दिमित्री पेट्राटोस को हीरो ऑफ द मैच घोषित किया गया।

एक नजर

राहुल और जडेजा की बल्लेबाजी सुकून देने वाली थी : पंड्या

मुंबई, एजेंसी। आस्ट्रेलिया पर पहले वनडे में पांच विकेट से मिली जीत के बाद हार्दिक पंड्या ने केएल राहुल और रविंद्र जडेजा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी बल्लेबाजी सुकून देने वाली थी। खराब फॉर्म के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और चौथे टेस्ट से बाहर रहे राहुल ने नाबाद 75 और जडेजा ने नाबाद 45 रन बनाये। कार्यवाहक कप्तान पंड्या ने कहा, मैं हमारे प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। जड्डू (जडेजा) ने आठ महीने बाद वापसी करके शानदार प्रदर्शन किया। मुझे अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में मजा आया। लेकिन जड्डू और राहुल की बल्लेबाजी सुकून देने वाली थी। उन्होंने कहा, हम दोनों पारियों में दबाव में थे लेकिन हमने संयम नहीं खोया और विषम परिस्थितियों से बाहर निकले। लय हासिल करने के बाद हमने उसे गंवाया नहीं। 'प्लेयर आफ द मैच' जडेजा ने कहा कि घुटने के आपरेशन के कारण आठ महीने बाद लौटकर वह प्रारूप के अनुरूप ढलने की कोशिश में थे और यह प्रदर्शन बोनस की तरह रहा। उन्होंने कहा, हम टेस्ट क्रिकेट खेल रहे थे और वनडे में मैने लंबे समय बाद वापसी की। मैं अच्छी गेंदबाजी की कोशिश कर रहा था। आस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा कि इस विकेट पर 260-270 रन बनने चाहिये थे। उन्होंने कहा, हमने इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की थी। भारत ने उम्दा गेंदबाजी की। हम अगर 250 रन बनाते तो मैच में बने रह सकते थे।विकेट से तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिली।

लिवरपूल मिडफील्डर लीवा ने दिल की बीमारी के बाद संन्यास लिया

पोर्तो एलेग्रे, एजेंसी। ब्राजील, लिवरपूल और लाज़ियो के पूर्व मिडफील्डर 36 वर्षीय लुकास लीवा ने नियमित चिकित्सा परीक्षणों में दिल की बीमारी का पता लगने के बाद शुक्रवार को फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने ब्राजील के क्लब ग्रेमियो में संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। उन्होंने 2005 में इस क्लब से अपने करियर की शुरूआत की थी और यहीं उनका फुटबॉल सफर समाप्त हुआ। लीवा ने 2007 से 2017 के बीच लिवरपूल का प्रतिनिधित्व किया और वह 2012 में इंग्लिश प्रीमियर लीग जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे थे। वह पांच सीजन के लिये लाज़ियो में शामिल हुए और 2019 में इटालियन कप जीता। रक्षात्मक मिडफील्डर पिछले साल ग्रेमियो में लौट आये थे। उन्होंने 2007-13 के बीच ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिये भी 24 मैच खेले।

ग्रेमियो ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं जहां चाहता हूं, वहां अपना करियर खत्म कर रहा हूं, लेकिन उस तरह से नहीं जैसा मैंने सोचा था। मुझे बहुत उम्मीद थी कि मैं इसे बदल सकता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मेरा स्वास्थ्य मेरे लिये पहले आता है। ग्रेमियो के डॉक्टर मर्सियो डोर्नेल्स ने कहा कि दिल की तीन महीने पूर्व पहली रिपोर्ट आने के बाद लीवा ने क्लब में काम करना बंद कर दिया था। हाल के परीक्षणों में उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं दिखायी दिया। उन्होंने कहा, हमने कल उनके परीक्षण समाप्त किये। जब हमने उसकी फाइब्रोसिस और उसके आसपास के जोखिमों का मूल्यांकन किया, तो हमने लुकास से कहा कि उन्हें उच्च प्रदर्शन वाली गतिविधियों को जारी नहीं रखना चाहिए। लीवा ने इंस्टाग्राम पर कहा कि उन्हें नहीं पता कि भविष्य में उनके लिये क्या रखा है, लेकिन लिवरपुल हमेशा उनका घर रहेगा। लीवा ने कहा, मैं एक स्कॉउजर हूँ। दुनिया भर के सभी प्रशंसकों को धन्यवाद, मुझे यकीन है कि आप मेरे जीवन के इस नये चरण में मेरे लिए खुश रहेंगे।

भोपाल में 20 मार्च से होगा आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप

भोपाल, एजेंसी। आईएसएसएफ विश्वकप निशानेबाजी का आयोजन भोपाल स्थित मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी के बिशन खेड़ी परिसर में 20 से 27 मार्च तक किया जायेगा। एक अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आधिकारिक तौर पर 21 मार्च को स्पर्धा का उद्घाटन करेंगे। स्पर्धा में 33 देशों के 325 निशानेबाजी और 75 तकनीकी अधिकारी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर भोपाल जिले के गांव बरखेड़ा नाथू में बनने वाले खेल परिसर का शिलान्यास व वातानुकूलित इनडोर निशानेबाजी रेंज का वर्चुअल उद्घाटन भी करेंगे। अधिकारी ने कहा कि स्पर्धा का आयोजन मध्य प्रदेश द्वारा भारतीय राष्ट्रीय राइफल महासंघ (एनआरएआई) के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है। भारत आठवीं बार इस प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है और यह पहली बार नई दिल्ली के बाहर आयोजित की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता में अजरबैजान, बांग्लादेश, बोस्निया हजेगोविना, ब्राजील, चीन, चेक गणराज्य, डेनमार्क, स्पेन, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी, हंगरी, इंडोनेशिया, ईरान, इजरायल, जापान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, कोरिया, सऊदी अरब, लिथुआनिया, मालदीव, मैक्सिको, रोमानिया, सिंगापुर, सर्बिया, श्रीलंका, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, चीनी ताइपे, अमेरिका और उज्बेकिस्तान के निशानेबाज हिस्सा लेंगे।

महिला विश्व मुक्केबाजी : जैसमीन, शशि जीते लेकिन श्रुति हारकर बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया ने तंजानिया की न्यांबेगा बीट्राइस को आरएससी फैसले के आधार पर महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के अपने पहले मैच में हरा दिया। शशि चोपड़ा (63 किलो) ने कीनिया की एमवांगी टेरेसिया को 5.0 से हराया। भारत की श्रुति यादव (70 किलो) हालांकि अपना मुकाबला हार गई जिन्हें चीन की झोउ पान ने 5.0 से शिकस्त दी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने वाली जैसमीन ने 60 किलो वर्ग में 90 सेकंड में ही जीत दर्ज की। उनके घूंसे इतने दमदार थे कि तंजानिया की मुक्केबाज संभल ही नहीं सकी। पहले दिन निकहत जरीन और प्रीति ने भी अपने अपने मुकाबले आरएससी फैसले पर ही जीते थे जब रैफरी ने एकतरफा मुकाबला रोक दिया था। जैसमीन का सामना अब ताजिकिस्तान की समाडोवा मिजगोना से होगा। वहीं शशि की टक्कर जापान की किटो मेइ से होगी जो 2022 एशियाई चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता है।

एबी डिविलयर्स और क्रिस गेल की जर्सी के नंबर 'रिटायर' करेगा आरसीबी

बेंगलुरू, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल द्वारा पहनी गयी जर्सी के नंबर को 'रिटायर' कर देगा जब इन दोनों महान क्रिकेटरों को 26 मार्च को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम के 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया जायेगा। आरसीबी ने ट्वीट किया, जर्सी नंबर 17 और 333 को हमेशा के लिये 'रिटायर' (अलविदा) कर दिया जायेगा जब एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल्स को आरसीबी के 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया जायेगा। जर्सी नंबर 17 पहनने वाले डिविलियर्स आरसीबी के लिये 11 सत्र (2011 से 2021) तक खेले थे जिन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए 156 मैचों में 4,491 रन बनाये हैं। उन्होंने नवंबर 2021 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। वहीं 333 नंबर की जर्सी पहलने वाले वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज गेल सात सत्र तक आरसीबी के लिये खेले थे।

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। फूलों वाली विभिन्न जड़ी-बूटियों की एक प्रदर्शनी यहां वसंत ऋतु में भी आयोजित की जाती है, जो बेहद लोकप्रिय हो चुकी है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है। छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यों के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

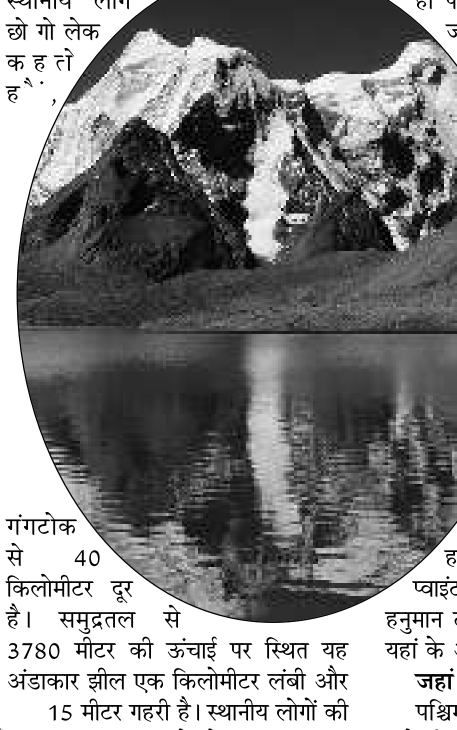

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है।

इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्था पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन्‌ 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं।

पुरातत्व विज्ञान में है इतिहास से गुजरती भविष्य की राह

पुरातत्व विज्ञान एक ऐसा विषय है, जिसमें ऐतिहासिक मानव बसाहट या समाज का अध्ययन किया जाता है। ऐतिहासिक जगहों के सर्वेक्षण, खुदाई से निकले अवशेष जैसे बर्तन, हथियार, गहने, रोजमर्रा की चीजें, पेड़-पौधे, जानवर व मनुष्यों के अवशेष, स्थापत्य कला आदि से ऐतिहासिक मानव-संस्कृति को जाना जाता है। खुदाई से निकली कलाकृतियों और स्मारकों का विश्लेषण किया जाता है। पुरातत्ववेत्ता इन कलाकृतियों और स्मारकों के साथ-साथ इस विश्लेषण को रिकॉर्ड में रखता है। भविष्य में यह सामगी संदर्भ के काम आती हैं। छोटी-से-छोटी, अमहत्वपूर्ण चीज, जैसे टूटे हुए बरतन, मानव हड्डी आदि भी एक अनुभवी पुरातत्ववेत्ता को बहुत कुछ कह जाता है। पुरातात्विक खोजों के निष्कर्ष हमारी पहले की जानकारी में एक नया आयाम जोड़ते हैं। पारंपरिक तरीके से सामग्री एकत्रित करने के अलावा पुरातत्ववेत्ता नई तकनीक का भी इस्तेमाल करता है, जैसे जीन-अध्ययन, कार्बन डेटिंग, थर्मोग्राफी, सैटेलाइट इमेजिंग, मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) आदि।

मानव-विज्ञान, कला-इतिहास, रसायन विज्ञान, साहित्य, नृजाति विज्ञान, भू-विज्ञान, इतिहास, सूचना प्रौद्योगिकी, भाषा विज्ञान, प्रागैतिहासिक विज्ञान, भौतिकी, सांख्यिकी आदि विषयों से पुरातत्व विज्ञान जुड़ा हुआ है। इस तरह यह एक बहु-विषयक विधा है। कुल मिलाकर पुरातत्व विज्ञान में चुनौती भरा, प्रेरित करने वाला और संतोषप्रद करियर बनाया जा सकता है।

यूं करें शुरूआत

ज्यादातर भारतीय विश्वविद्यालयों में जहां पुरातत्व विज्ञान विभाग है, वहां मुख्यतः स्नातकोत्तर स्तर पर ही इस विषय की पढ़ाई होती है। यानी पुरातत्ववेत्ता बनने के लिए स्नातक डिग्री का होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। मगर इतिहास, समाज-शास्त्र या मानव-विज्ञान में स्नातक की डिग्री पुरातत्व विज्ञान को समझने में सहायक होते है। साथ ही जिस विश्वविद्यालय से आप पुरातत्व विज्ञान पढ़ना चाहते हैं, वहां किन-किन स्नातक विषयों को मान्यता दी जाती है, इसकी भी जानकारी रखें।

पहला कदम

पुरातत्व विज्ञान के क्षेत्र में सफल होने के लिए यह जरूरी नहीं परंतु जितनी जल्दी शुरूआत की जाए, उतना अच्छा रहता है। सबसे पहला व जरूरी कदम नए लोगों के दिमाग में कला और संस्कृति के प्रति भाव पैदा करना होता है। यह प्रोत्साहन स्कूल के साथ-साथ घर पर भी मिलना जरूरी होता है। नए लोगों के मन में अपने देश के ऐतिहासिक वैभव को ज्यादा से ज्यादा जानने की इच्छा, उन्हें इस करियर के नजदीक लाती है। इसके अलावा संग्रहालय, सांस्कृतिक जगहों, ऐतिहासिक स्मारकों और पुरातात्विक उत्खनन केंद्रों के भ्रमण से इस पेशे के प्रति दिलचस्पी बढ़ती है। किताबों, पत्र-पत्रिकाओं से इतिहास, कला-इतिहास, प्राचीन सभ्यताओं संबंधी जानकारी भी सहायक होती है। पुरातत्व के क्षेत्र में हो रहे नए विकास और खोज पर नजर बनाए रखना भी भविष्य के पुरातत्वविद के लिए जरूरी होता है।

इमरजेंसी में मेकअप करने के लिए ट्राय करें ये टिप्स

थकी हुई और सूजी हुई आंखें अच्छे से अच्छे आउटफिट और मेकअप को फीका कर सकती हैं। फ्रिज में से ताजी ककड़ी निकालें, दो टुकड़े करें और बाकी की प्यूरी बना लें। पेस्ट को मास्क की तरह लगाएं और टुकड़ों को आंखों पर रखकर लेट जाएं। इसके बाद आंखों की थकान और पफीनेस काफी हद तक कम हो जाएगी।

स्किन ज्यादा ऑइली है तो ऐसे में अपने पर्स में मिनेरल पाउडर की बॉटल हैंडी रखें। इसे शाइनी फोरहेड या नाक पर आसानी से ब्रश किया जा सकता है। इसके अलावा ब्लॉटिंग पेपर भी चेहरे की शाइन कम कर सकता है। पार्टी में जाना है और पिम्पल आता हुआ दिखाई दे रहा है तो अगर ये आपके इवेंट के दस बारह घंटे पहले दिख जाए तो इस पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगा लें। इससे पिम्पल वाली जगह का लालपन भी खत्म हो जाता है।

किसी भी तरह के ब्लेमिश, स्पॉट्स या पिम्पल्स छिपाने के लिए कंसीलर से बेहतर क्या हो सकता है। अपने फाउंडेशन से एक शेड लाइट यूज करें। कम ही लगाएं क्योंकि ज्यादा लगाने से क्रेकी इफेक्ट आएगा।

जीमेल अकाउंट की करें सफाई और बनाएं स्पेस

यदि आपका जीमेल अकाउंट काफी ज्यादा भर गया है और नए ईमेल्सन के लिए स्था न नहीं है, तो उलझन में मत पड़िए और इनबॉक्स को साफ करिए। स्पेस बनाने के लिए आपने कई मैसेज को ट्रैश में डाल सकते हैं। अगर आपने वहां से भी ईमेल्स को परमानेंट डिलीट नहीं किया है तो स्पेस नहीं बढ़ेगा।

हालांकि जीमेल खुद ब खुद ही 30 दिनों में ट्रैश खाली करता है पर यदि आपने ढेर सारे मैसेज अभी ट्रैश में डाले हैं तो तुरंत स्पेस नहीं दिखेगा। मैसेज को पूरी तरह से डिलीट करने के लिए, अपना वेब ब्राउजर खोलकर जीमेल अकाउंट में लॉग इन करें, स्क्रींन के बाईं ओर ट्रैश लिंक पर क्लिक करें। यदि आपको ट्रैश नहीं दिख रहा तो मोर आइकन को क्लिक करें अगर तब भी ट्रैश नहीं दिख रहा तो स्क्रिन के दायीं तरफ गियर आइकन पर सेटिंग्स में जाएं फिर लेबल्सप पर क्लिक करें और तब ट्रैश मिल जाएगा। जब आपके स्क्रिन पर डिसकार्डेड मैसेज की लिस्टा दिख जाए तो मेल बॉक्सि के ऊपर दिखने वाले एमटी ट्रैश नाउ पर क्लिक कर दें। इसके बाद आने वाले अलर्ट बॉक्सर में क्लिक कर दें कि आप पूरी तरह मैसेज को डिलीट करना चाहते हैं और जीमेल आपके अकाउंट स्टोरेज से हमेशा के लिए हटा देगा।

जीमेल, गूगल प्लमस फोटोज और गूगल ड्राइव के बीच शेयरिंग के लिए गूगल 15गीगाबाइट फ्री स्टो रेज देता है। आप प्रत्योक सर्विस के द्वारा उपयोग किए जा रहे डाटा के अमाउंट को यहां देख सकते हैं- एचटीटीपीः डब्लूडब्लूडब्लू डाट गूगल डाट कॉम/सेटिंग्स/स्टोरेज इनबॉक्स में स्पेस बनाने के लिए कुछ टूल्सर का उपयोग भी कर सकते हैं। ऐसा ही एक टूल है फाइंड बिग मेल। सबसे पहले फाइंड बिग मेल वेबसाइट पर जाएं। यहां अपना जीमेल आईडी टाइप करके, फाइंड बिग मेल पर क्लिक करें।

अब गूगल आपसे अथोराइज सर्विस मांगेगा। यहां आप अपना पासवर्ड लिखकर अलाउ एक्सोस पर क्लिक करें। अब यह सर्विस आपका इनबॉक्सक स्कैमन करके बड़े ईमेल्सय की सूची प्रदर्शित करेगा। इसमें आप फिल्टोर भी सेट कर सकते हैं। मसलन आपको अपने इनबॉक्सव में से कितने आकार के ईमेल खोजने हैं। जैसे 1एमबी, 5एमबी या 10एमबी. आप अपनी जरूरत के मुताबिक विकल्पा चुनिए। और फिर डिलीट बटन दबाइए।

समर्पित आसक्ति ही जीवन का मूलाधार

किसी व्यक्ति विशेष या वस्तु के प्रति स्वार्थ रहित भावनात्मक समर्पण से जीवन में आनंदानुभूति होती है। साथ ही किसी व्यक्ति, वस्तु एवं कला के प्रति अनुराग तथा लगाव से मानवीय संबंध सुदृढ़ होते हैं। कतिपय विचारक आत्मा के इस लगाव को व उत्तेजना की अवस्था को एक ही मानने का भ्रम पाल लेते हैं, क्योंकि वर्तमान परिवेश में सर्वत्र उत्तेजना ही फैली हुई है। अतः यह शब्द आज सभ्यता और संस्कृति से अधिक घुल-मिल गया है, किन्तु देखा जाए तो जीवन के प्रति आसक्तिजन्य मोह हमारे पास्परिक संबंधों से जुड़ा है, जबकि उत्तेजना तो केवल जीवन की एक क्षणिक अवस्था है। व्यक्ति की यह क्षणिक अवस्था कभी दृष्टिगत होते-होते विलीन हो जाती है। आस्था या अनुराग ऐसी मानसिक अवस्था है जो विपरीत वातावरण में भी स्थिर रहती है।

आस्थामय मधुर संबंध

प्रियजनों से आस्थामय मधुर संबंध बनाये रखना व्यक्ति की भावना पर निर्भर हैं। गहरी आस्था मोह या लगाव होने पर व्यक्ति जीवन पर्यन्त आस्थावान रहकर आराधना करता है। मनोचिकित्सकों की मान्यता है कि सच्ची आस्था होने पर कभी-कभी नहीं होती है। क्योंकि इसका अभिप्राय है व्यक्ति या पदार्थ विशेष पर समस्त भावनाओं का केंद्रीयकरण। प्रिय के प्रति पूर्ण रूप से समर्पण की भावना ही सच्ची आस्था है। बहुत से लोग तो आस्था एवं मोह की तीव्रता से भयभीत हो जाते हैं। इसकी सही अभिव्यक्ति से ही जीवन में यथार्थ आनन्दानुभूति संभव है और जीवन बनता है, उन्नत।

समझदार सचेत व्यक्ति

व्यक्ति को आस्था व आकर्षण के अंतर को जानना जरूरी है। सच्ची आस्था में प्राणी अपना अहम्‌ एवं स्वप्न खो देता है। अतः समझदार सचेत व्यक्ति अपने अस्तित्व को खोने के लिये अनुचित लगाव उत्पन्न नहीं होने देते हैं। प्रायः सभी प्रबुध्द माता-पिता अपनी कन्याओं के मन में आरम्भ से ही ऐसी आस्था पनपाने के लिये प्रयत्नशील रहते हैं कि वे अपने जीवन साथी के प्रति समर्पित भावना से आस्थावान रहें। इसीलिए भारतीय नारी जीवन में पति को परमेश्वर मान कर अपने अस्तित्व को गौण समझकर पति के प्रति पूर्णतया समर्पितत रहती हैं। भले ही उसे कितने ही कष्ट सहने पड़ें।

सुख-दुख का समान महत्व

जीवनोन्नति में सुख-दुखों का समान महत्व है, परन्तु पीड़ा कोई भोगना नहीं चाहता है। व्यक्ति आज आसक्ति के अवगुण मानकर परे रहना पसंद करता है, जबकि सच्ची आस्था व आसक्ति से अनगिनत उपलब्धियां मानव अर्जित करने में समर्थ है। बिना आसक्ति व आराधना के अधिसंख्यक प्रेमी वास्तविक प्रेम नहीं निभा पाते हैं और सहने को विवश हैं पीड़ा और असंतोष। किसी व्यक्ति या वस्तु के प्रति दशार्ये गये ममत्व व लगाव को समाज उचित नहीं मानता और उसकी आलोचना करता है। आस्थावान को उपहास का सामना करना पड़ता है। शर्म संकोच से उन्मुक्त भाव से वह मन के भावों की अभिव्यक्ति भी नहीं कर पाता है। कतिपय सुधारवादियों के मन में धारणा पनपती है कि मानव को अपनी उद्दाम मान्यताओं एवं आकर्षण पर रोक लगानी चाहिए तो कई इसे अनुचित मानते हैं।

प्री डायबिटीज को किया जा सकता है रिवर्स

केवल शकर खाने से ही कोई प्री-डायबिटिक नहीं हो जाता, बल्कि जिन लोगों में सामान्य से अधिक मात्रा में हेल्दी ब्लड शुगर पाया जाता है उनमें भी टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 5 से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इतना ही नहीं प्री-डायबिटिक में हार्ट अटैक, स्ट्रोक, डिमेंशिया, किडनी और आंखों के डैमेज होने, रक्तसंचार सुचारू नहीं होने से पैरों में दर्द का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्री-डायबिटीज की पहचान करना जरूरी हो जाता है।

वजन से डायबिटीज पर कंट्रोल

अधिकांश प्री-डायबिटिक को इस बात की जानकारी ही नहीं होती कि उन्हें यह समस्या है। इस वजह से वे समय पर सही कदम नहीं उठा पाते और डायबिटीज के मरीज बन जाते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिसर्च के अनुसार दवाओं की तुलना में लाइफस्टाइल में परिवर्तन करने से अधिक लाभ मिलता है। शोधकताओं का कहना है कि पांच चीजें ऐसी हैं जो कैंसर की आशंका को महिलाओं में 84 प्रतिशत और पुरुषों में 72 प्रतिशत तक कम कर सकती है, जैसे- पोषण युक्त आहार, नियमित व्यायाम, संतुलित वजन, अल्कोहल का कम सेवन और धूम्रपान पर रोक।

पॉइंटर

-केवल 7 प्रतिशत तक वजन कम कर लेने से शरीर इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया करने में सक्षम हो जाता है।

-इंसुलिन हॉर्मोन शरीर को 57 प्रतिशत तक ब्लड शुगर उपयोग कर लेने का संकेत देता है।

कैलोरी पर कंट्रोल

कुछ आसान उपायों से प्री-डायबिटीज को रिवर्स किया जा सकता है जिसमें आहार की मात्रा पर नियंत्रण, सैचुरेटड फैट कम करना, जोकि डेयरी प्रोडक्ट और वसायुक्त मांस में पाया जाता है, फलों, सब्जियों और साबुत अनाजों के जरिए पर्याप्त मात्रा में फाइबर प्राप्त करना, हर दिन कम से कम 30 मिनट का व्यायाम या एक्टिविटी में शामिल होना। डायबिटीज के कारण चूंकि हार्ट अटैक और स्ट्रोक, किडनी फेल्यिर, नर्व डैमेज, सेक्सुअल समस्याओं, असामान्य रक्तसंचार का खतरा भी बढ़ जाता है इसलिए उपरोक्त उपायों के जरिए इन खतरों से भी दूर रहा जा सकता है।

इन खतरों के बारे में अपने डॉक्टर से करें बात...

-यदि आप 45 साल के हो चुके हैं।

-वजन अधिक है।

-माता-पिता या भाई या बहन में से किसी को डायबिटीज की समस्या है।

-गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज की समस्या रही हो या अधिक वजन वाले बच्चे को जन्म दिया हो।

-शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय ना रहते हों।

कुछ बातें हो सकती हैं कारगर...

-फैट और कैलोरी पर नजर रखना सबसे बड़ा टास्क होता है। इसके लिए एप की मदद ली जा सकती है, जो प्री-डायबिटिक के खाने के रूटीन को ट्रैक करता रहे। इसके जरिए फैट और कैलोरी पर नियंत्रण करना संभव हो सकता है।

-रोगी को प्रोत्साहित करने के लिए परिवार का साथ भी बेहद जरूरी है। यदि घर में ही खाने-पीने और व्यायाम का हेल्दी माहौल हो तो इससे तालमेल बिठाने में अधिक परेशानी नहीं होगी। परिवार का कोई सदस्य वॉक पर या जिम में रोगी का साथ दे सकता है।

-टेलीविजन देखने के दौरान खाते रहना भी डायबिटीज को आमंत्रण दे सकते हैं। इस दौरान न तो हमें अपने खाने की मात्रा का ध्यान रहता है और न ही इस बात का कि हम क्या खा रहे हैं?

सोनाली कुलकर्णी के बयान पर भड़की उर्फी जावेद

टीवी अभिनेत्री उर्फी जावेद हमेशा अपने बयानों के लिए चर्चा में रहती हैं। इसी बीच उर्फी जावेद अब फिर अपने नए बयान से चर्चा में आ गई हैं। एक्ट्रेस सोनाली कुलकर्णी के हालिया वीडियो पर उर्फी जावेद ने अपना रिएक्शन देते हुए कहा है कि लड़कियों को मांगने का अधिकार है। सोनाली कुलकर्णी का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक्ट्रेस लड़कियों के बढ़ते डिमांडिंग नेचर और लड़कों पर बढ़ते दबाव के बारे में बात करती हैं। इस वीडियो पर उर्फी ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्फी ने कहा कि लड़कियों को मांग करने का अधिकार है।

सोनाली कुलकर्णी के वीडियो को एक तरफ जहां कई लोग सपोर्ट कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर सोनाली को खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। अब उर्फी जावेद ने ट्विटर पर सोनाली के वीडियो को रीट्वीट करते हुए अपना पक्ष रखा। उन्होंने लिखा, "आपने जो कहा वह बेहद असंवेदनशील है। आप आज की मॉडल महिलाओं को आलसी कह रही हैं... आज की युवा महिलाएं सिर्फ अपना काम ही नहीं घर भी संभाल रही हैं। इसमें गलत क्या है? अगर वह सोचती हैं कि उसका पति अच्छा कमाने वाला होना चाहिए तो इसमें क्या परेशानी है। सदियों से पुरुषों ने महिलाओं को केवल बच्चे पैदा करने वाली मशीन के रूप में माना है और शादी का सबसे महत्वपूर्ण कारण दहेज है। उन्होंने कहा- लड़कियों, आप पूछने या मांगने से बिल्कुल न डरें। एक्ट्रेस सोनाली कुलकर्णी ने इस वायरल वीडियो में कहा, "भारत में बहुत सी लड़कियां आलसी होती हैं, उन्हें ऐसा बॉयफ्रेंड चाहिए या पति चाहिए जिसके पास अच्छी नौकरी हो, जिसके पास घर हो... जिसे सेलरी मिलना तय हो। मैं आप सभी से कहना चाहता हूं कि अपने घर में ऐसी महिलाएं पैदा करें जो सक्षम हों। जो खुद के लिए कमा सकें.... जो हर खर्च का आधा हिस्सा उठा सकें।"

भागलपुर कि माही ने जमाया भोजपुरी इंडस्ट्री में सिक्का

भोजपुरी इंडस्ट्री में बिहार के भागलपुर की बेटी धमाल मचा रही है। इन्होंने बहुत ही कम समय में इंडस्ट्री अपनी एक खास पहचान बना ली है। ये आज के समय की सबसे ज्यादा व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक है। यह अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि माही श्रीवास्तव हैं। जिन्होंने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में अपना नाम शामिल करा लिया है। माही जल्द ही वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स प्रस्तुत खेसारी लाल यादव स्टारर भोजपुरी फिल्म संघर्ष 2 में बेहद ही दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं। संघर्ष 2 में माही का किरदार इतना जबरदस्त है कि दर्शक सिनेमाहॉल में दांतों तले उंगलियां दबाने को मजबूर हो जाएंगे। इसके साथ ही माही भोजपुरी फिल्म पंख और एक परिंदा में भी नजर आने वाली हैं। माही ने कई गानों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया है। उनके सभी गाने यूट्यूब पर मिलेनियम क्लब में शामिल होकर धमाल मचा रहा है। 18 मार्च को स्क्रीन एंड स्टेज सिनेमा अवार्ड 2023 का प्रसारण होने जा रहा है। इसमें माही ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया था। उसकी स्टेज परफॉर्मेंस देखकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा था। माही भागलपुर की रहने वाली हैं जिन्होंने भागलपुर में ही अपनी पढ़ाई-लिखाई की है। उनके पिता एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं और माता गृहिणी हैं। बता दें कि माही का 'काला साड़ी', नीला साड़िया, काला गमछिया, मेहंदी काला काला, पिस्टल, लिट्टी चोखा हमार, नजरे में कजरे बनके सहित कई गाने आज यूट्यूब पर छाए हुए हैं। वही माही एक से बढ़कर एक फिल्में लेकर आने वाली हैं। इसके साथ ही माही ने पवन सिंह के सुपरहिट सांग पुदीना में भी काम किया है।

कंगना से कोई 'प्रॉब्लम नहीं : तापसी पन्नू

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू का कहना है कि कंगना रनौत अच्छी अभिनेत्री हैं और उनसे उन्हें कोई प्रॉब्लम नहीं है। कंगना की बहन रंगोली के तापसी को कंगना की 'सस्ती कॉपी' कहे जाने के बाद दोनों के बीच झगड़ा काफी बढ़ गया था। तापसी ने कंगना और उनकी बहन रंगोली द्वारा उन पर किए गए 'सस्ती कॉपी' वाली कमेंट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह कंगना के कमेंट और इस बारे में बात करने के बाद शॉक्ड थीं उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं नहीं जानती, लेकिन यदि कोई ऐसी सिचुएशन आती है जहां वह मेरे सामने होती हैं तो मैं जाकर हैलो कहूंगी। मुझे थोड़ी प्रॉब्लम है प्रॉब्लम उसे है तो उसकी मर्जी। तापसी पन्नू ने कहा, मैं सच बताऊं तो अब मुझे इस बात का बुरा नहीं लगता। शुरूआती दौर में मुझे इस तरह के कमेंट से फर्क पड़ता था लेकिन अब ऐसी बातों से परेशान नहीं होती। तापसी ने कंगना की तारीफ करते हुए बताया कि वह बहुत अच्छी अभिनेत्री हैं।

'बरजख' में फिर साथ फवाद खान और सनम सईद

फवाद खान और सनम सईद अभिनीत फैमिली ड्रामा बरजख का पहला पोस्टर फ्रांस में होने वाले सीरीज मेनिया फेस्टिवल में जारी किया गया, यहां शो का ग्लोबल प्रीमियर होने वाला है। सीरीज मेनिया फेस्टिवल में इसके वर्ल्ड प्रीमियर से पहले, जिंदगी ओरिजिनल शो बरजख के निमाताओं ने फ्रांस के शहर लिले में शो के पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें अभिनेता फवाद और सनम ने अभिनय किया था।

बरजख का निर्देशन समीक्षकों द्वारा प्रशंसित निर्देशक असीम अब्बासी द्वारा किया गया है, जिन्होंने जिंदगी की पहली ओरिजिनल चुरेल्स और फीचर फिल्म केक का भी निर्देशन किया था। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले लेखक-निर्देशक असीम अब्बासी, अभिनेता सनम सईद और निमार्ता शैलजा केजरीवाल थे।

बरजख को साउथ एशिया से चुनी गई एकमात्र सीरीज होने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त है। सीरीज शोकेस के इंटरनेशनल पैनोरमा लाइन-अप सेक्शन में दिखाई जाएगी, जहां इसे बेस्ट सीरीज, डायरेक्टर, एक्ट्रेस, एक्टर, स्टूडेंट जूरी और ऑडियंस अवॉर्ड जैसी श्रेणियों में नॉमिनेट किया गया है।

बरजख एक फैमिली ड्रामा है। सीरीज में फवाद खान एक सिंगल पैरेंट का रोल कर रहे हैं, जो आकर्षक है, लेकिन साथ ही वह किसी चीज के लिए अपराध बोध के तले दबे हुए है, जिसे उन्होंने खो दिया है।

फवाद ने कहा, हमारे सीरीज मेनिया प्रीमियर के साथ मेल खाते हुए हमारा पोस्टर जिसे अब हम दुनिया के सामने पेश करते हैं, इस बात की शुरूआती झलक पेश करता है कि सीरीज अस्पष्टता से क्या उम्मीद की जा सकती है जो आधुनिक दुनिया के बाद के मानव संबंधों को नेविगेट करने में जटिलताओं को दशार्ती है।

सनम सईद ने कहा, सीरीज मेनिया फेस्टिवल में भाग लेना वास्तव में किस्मत की बात है। बरजख एक ऐसी कहानी है जिसे मैंने उस समय से जोड़ा जब मैंने इसे सुना और असीम अब्बासी द्वारा कहानी को गढ़ा गया, जो प्यार और जीवन में हमारे विश्वास को नवीनीकृत करेगी। इसने मुझे न केवल चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया बल्कि मुझे जीवन को एक अलग रोशनी में देखने के लिए प्रेरित किया। हमने स्क्रीन पर जो देखा है, यह उससे बहुत अलग है और सभी अभिनेताओं ने बेहद अलग और विविध भूमिकाएं निभाई हैं। मुझे इस सीरीज पर बहुत गर्व है और मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं कि इसका वर्ल्ड प्रीमियर सीरीज मेनिया फेस्टिवल में हो रहा है।

आसिम ने इस सीरीज की शूटिंग कराची और पाकिस्तान की खूबसूरत हुंजा वैली में की है। बरजख और पोस्टर के बारे में बात करते हुए, आसिम ने कहा, प्रेम और स्मृति दोनों ही बरजख के केंद्रीय विषयगत घटक हैं। हम एक ऐसा दृश्य चाहते थे जो प्रेम को उसके शाश्वत प्रकटीकरण में दशार्ता हो। बरजख का निर्माण वकास हसन और शैलजा केजरीवाल ने किया है।

प्रीमियर के बारे में अपने उत्साह को साझा करते हुए, शैलजा केजरीवाल ने कहा, बरजख विश्व स्तर पर प्रीमियर करने वाली पहली भारत-पाक सीमा पार सीरीज है, और इसे एक टीम के रूप में दुनिया के सामने पेश करना वास्तव में एक भावनात्मक क्षण है। उत्साह के बीच, हम बेहद उत्साहित हैं। सीरीज का पोस्टर पेश करते हुए गर्व महसूस हो रहा है।

बरजख सभी शामिल लोगों से एकीकृत जुनून, दृष्टि और बहादुरी के माध्यम से फलित हुआ है और मैं प्रत्येक कलाकार और क्रू के सदस्य के लिए अपना तहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं, क्योंकि हम अकेले इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शुरू नहीं कर सकते थे। हम उम्मीद करते हैं कि दर्शक और प्रशंसक दुनिया भर की मूल कहानी इस सीरीज के लिए हमारे जुनून और प्यार को साझा करेगी।

करण जौहर ने अपनी मां के जन्मदिन पर लिखा नोट

करण जौहर ने अपनी मां हीरू जौहर के 80वें जन्मदिन के मौके पर एक नोट लिखा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ कुछ नई और पुरानी तस्वीरें साझा कीं और लिखा कि कैसे वह उनकी फैशन गार्डियन हैं और कैसे उन्होंने अपने जुड़वां बच्चों रूही और यश जौहर को पालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से कुछ उनके हाल के केक काटने के समारोह से लेकर उनके और स्वर्गीय फिल्म निमार्ता पिता यश जौहर के साथ उनके बचपन की तस्वीरें हैं।

तस्वीरों को शेयर करते हुए करण ने लिखा, मेरी बहादुर और सहनशील मां आज 80 साल की हो गईं... उन्होंने मुझे सिखाया कि कैसे प्यार करना है... मैं जिस चीज में विश्वास करता हूं, उसके लिए कैसे खड़ा होना है... अगर मैं सही हूं तो कभी माफी नहीं मांगना या खुद को सही ठहराना नहीं... मैं तुमसे प्यार करता हूं मां..। मैं तुम्हारे बिना रूही और यश को कभी नहीं पाल पाता...

मलाइका अरोड़ा, अनन्या पांडे, तनिषा मुखर्जी से लेकर तुषार कपूर तक सभी ने हीरो आंटी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। शिल्पा शेट्टी ने लिखा, प्यारी आंटी को जन्मदिन की शुभकामनाएं, उनके और अधिक प्यार और अच्छे स्वास्थ्य की कामना।

करण स्वर्गीय यश जौहर और हीरू जौहर के इकलौते बेटे हैं। फिल्म निमार्ता 2017 में सरोगेसी के जरिए पिता बने थे। और तब से, वह अपनी मां के साथ उनका पालन पोषण कर रहे हैं। उन्होंने अपनी मां का नाम उलटकर अपनी बेटी का नाम रूही रखा। उनके बेटे का नाम उनके स्वर्गीय पिता यश जौहर के नाम पर रखा गया है।

रवीना टंडन ने नॉर्वेजियन ग्रुप के साथ टिप टिप बरसा पानी को किया रीक्रिएट

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन नॉर्वेजियन डांस ग्रुप क्विक स्टाइल के साथ अपने आइकोनिक नंबर टिप टिप बरसा पानी पर डांस करती नजर आईं। क्विक स्टाइल ने इंस्टाग्राम पर रवीना के साथ डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया। ग्रुप सॉन्ग की धुन पर थिरकना शुरू करता है, जबकि एक्ट्रेस बाद में उन्हें ज्वाइन करती है। क्विक स्टाइल ने पोस्ट को कैप्शन दियाः जब आप ओरिजनल के साथ डांस करते हैं, तो यह सबसे अलग होता है।

ट्रैक 1994 की फिल्म मोहरा का है, जिसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और रवीना टंडन ने अभिनय किया था। इसे उदित नारायण और अलका याग्निक ने गाया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता पाई, और हम आपके हैं कौन के बाद उस साल की यह दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, रवीना अगली बार बिनॉय गांधी द्वारा निर्देशित घुड़चढ़ी में दिखाई देंगी। इसमें पार्थ समथान, खुशाली कुमार और अरुणा ईरानी के साथ संजय दत्त और रवीना टंडन प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'नाम बदनाम' का फर्स्ट लुक के साथ धमाकेदार ट्रेलर हुआ आउट

भोजपुरी फिल्म जगत की मशहूर निर्देशक विष्णु शंकर बेलू और सुपर हॉट एक्ट्रेस काजल राघवानी की फिल्म 'नाम बदनाम' का फर्स्ट लुक के साथ धमाकेदार ट्रेलर जारी हो गया है। इस फिल्म में काजल राघवानी के साथ मुख्य भूमिका में अभिनेता गौरव झा हैं। फिल्म के ट्रेलर के हिसाब से यह एक्शन और इमोशन का समागम वाली फिल्म लगती है जिसमें काजल राघवानी का किरदार आपको उलझन में डाल सकती है। 'नाम बदनाम' में काजल राघवानी की भूमिका डायना नामक दबंग गैंगस्टर की है, वहीं ट्रेलर के दूसरे हिस्से में उनकी भूमिका कई शेड्स में नजर आती है।

फिल्म 'नाम बदनाम' का निर्माण कार्जड्स प्रालि के बैनर से हुआ है और इस फिल्म का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। फिल्म के निमार्ता शिवम गोयल और शव्या गोयल हैं। निर्देशक विष्णु शंकर बेलु हैं, जिन्होंने कहा कि नाम बदनाम की पटकथा एक्शन और इमोशन प्रधान है। फिल्म के ट्रेलर को रिलीज के बाद दर्शकों से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। हमने एक शानदार फिल्म बनाई है जो दर्शकों को खूब पसंद आएगी। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसकी लीड एक्ट्रेस काजल राघवानी का लुक अब तक सबसे अलग है। इस लुक में अंडरवर्ल्ड की सरगना लगती हैं। वहीं फिल्म में गौरव झा खाकी वर्दी में नजर आते हैं जो डायना यानी काजल राघवानी से लोहा लेते दिखाई दे रहे हैं। इन दोनों की जंग दिलचस्प होने वाली है जो आपको जल्द ही सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी।

फिल्म में काजल राघवानी और गौरव झा के साथ देव सिंह, हीरा यादव और खुद विष्णु शंकर बेलु भी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म का म्यूजिक स्वर्गीय धनंजय मिश्रा का है। डीओपी देवेंद्र तिवारी हैं। कोरियोग्राफर रिंकी गुप्ता है। स्टोरी मनोज कुशवाहा का है। पोस्ट प्रोडक्शन आई फोकस स्टूडियो में हुआ है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।